दैनिक
सत्ता सुधार
जनता के साथ जनता की आवाज
सागर ■ बुधवार 04 दिसम्बर 2024 ■ वर्ष -02 ■ अंक-37 ■ पृष्ठ-16 ■ मूल्य-₹03

सुविचार

इंसान की नियत अगर साफ नहीं तो कितना भी बड़ा बनने की कोशिश करे छोटा ही रहेगा।

चीता प्रोजेक्ट ने मध्य प्रदेश में लगाई सफलता की छलांग

- **विश्व चीता दिवस आज:** अग्नि-वायु कूनो के जंगल में छोड़े जाएंगे
- **अब देखरेख** की जिम्मेदारी संबंधित जिले के वनमंडल की होगी
- **बड़े बाड़े में** मौजूद कुल 12 शावकों के लिंग की हो गई पहचान
- **भारत की धरती** में 19 शावकों का जन्म, 12 चीता शावक जीवित

सत्ता सुधार ■ भोपाल

मध्य प्रदेश में चीता प्रोजेक्ट को उम्मीदों से बढ़कर सफलता मिली है। कूनो नेशनल पार्क में दिसंबर में फिर से सैलानियों की आमद हो सकती है, क्योंकि गत वर्ष की तरह प्रबंधन इस साल भी चार दिसंबर को विश्व चीता दिवस पर बाड़े में बंद चीते रिलीज करने जा रहा है। बुधवार को दो चीते कूनो के जंगल में छोड़े जाएंगे। उसके कुछ दिन बाद फिर और चीते खुले जंगल में छोड़े जाएंगे। कूनो में अभी 12 चीते हैं। इनमें से पांच नर और 7 मादा हैं। अंतरराष्ट्रीय चीता दिवस पर नर चीता अग्नि और वायु को कूने के जंगल में छोड़ने की तैयारी कर पूरी कर ली गई है। चीतों को छोड़ने के दौरान चीता स्टीयरिंग कमेटी के सदस्यों के साथ कूनो पालपुर के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहेंगे। पहले चीतों को जोड़े में छोड़ने की योजना थी, लेकिन फिलहाल नर चीतों को छोड़ा जाना तय किया गया है। चीतों को खुले जंगल में छोड़ने से पहले तय किया गया कि चीतों का मूवमेंट जिस राज्य या जिले में होगा तो उसके भोजन और निगरानी की जिम्मेदारी संबंधित वनमंडल की होगी।

इनका कहना है....

मध्यप्रदेश में चीता प्रोजेक्ट को बड़ी उपलब्धि प्राप्त हुई है। आज हमारे देश की धरती पर चीता शावकों का जन्म हो रहा है। विश्व चीता दिवस पर चीता प्रोजेक्ट के संरक्षण में शामिल सभी वन्यकर्मियों को इस उपलब्धि के लिए बधाई और शुभकामनाएं। मप्र अब चीता स्टेट का भी दर्जा पा चुका है। यह राज्य के लिए गर्व की बात है। मप्र को पहले से ही टाइगर और तेंदुआ राज्य का दर्ज मिला है।

डॉ. मोहन यादव, सीएम

स्वदेशी भाव ने इंग्लैंड की अर्थव्यवस्था को पछाड़ा

स्टार्ट-अप और वोकल-फॉर-लोकल का कमाल-मुख्यमंत्री मोहन बालाघाट में स्वदेशी मेले में हुए शामिल, बोले

उद्यमशीलता के संवर्धन का सशक्त माध्यम हैं मेला

सत्ता सुधार ■ भोपाल

पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में स्वदेशी स्टार्ट-अप, मेक-इन-इंडिया और वोकल-फॉर-लोकल के प्रेरणादायक आह्वान ने देश में उद्यमिता के पुनर्जागरण की अलख जगाई है। भारत आज इंग्लैंड को पीछे छोड़कर दुनिया की 5वीं सबसे बड़ी आर्थिक शक्ति बन गया है। यह बात सीएम डॉ. मोहन यादव ने मंगलवार को बालाघाट में स्वदेशी मेले को संबोधित करते हुए कही। सीएम ने मेले में शासकीय विभागों की प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया। साथ ही युवाओं को ऑफर लेटर और दिव्यांगता प्रमाण-पत्र प्रदान किए। स्वदेशी विचारक भैया जी जोशी विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए। सीएम ने कहा कि मेला का अर्थ मेल-जोल है। इसमें व्यापार के साथ ही सांस्कृतिक मेलजोल को बढ़ावा देना जरूरी है। स्वदेशी मेले वर्ष 1999 से निरंतर विभिन्न स्थानों पर किया जा रहे हैं। मुंबई से प्रारंभ स्वदेशी मेले में स्वदेशी उत्पादों के प्रदर्शन और विक्रय से छोटे-बड़े उद्योगों को बल मिला है। यह केवल मेला ही नहीं स्वदेशी मेले के रूप में मिनी इंडिया का स्वरूप देखने को मिल रहा है। यहां अलग-अलग प्रांतों की लोककला और कारीगरी को एक स्थान और एक मंच पर देखने का अवसर मिलता है। पहले हमारा देश सोने की चिड़िया हुआ करता था, हम दुनिया की शीर्षस्थ अर्थव्यवस्था थे। हमारे उद्योग, धंधे, मसाले, रेशम और मलमल जैसे चमत्कारी वस्त्र दुनिया भर में मशहूर थे। कहा जाता है कि ढाका का बना मलमल अंगूठी के छल्ले से निकल जाता था। अंग्रेजों ने हमारी इसी स्वदेशी ताकत को कमजोर बना दिया। पीएम के प्रोत्साहन और प्रेरणा से देश के साथ ही प्रदेश के युवा ने भी नौकरी मांगने नहीं, देने वाले बनने के गंभीर और दूरदर्शी संदेश को समझा। आज हमारे यहां 37 हजार से भी अधिक स्वदेशी स्टार्ट-अप सक्रिय हैं।

2.5 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव

मुख्यमंत्री ने बताया कि अब तक हुई रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव से 2.5 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए। इनसे 2 लाख रोजगार सृजित होने की उम्मीद है। हम उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए पॉलिसी को इंडस्ट्री-फ्रेंडली बनाने हर स्तर पर जाने के लिए तैयार हैं। उद्यमिता को बढ़ावा देने हम उद्योगों को पारिश्रमिक के रूप में प्रति कर्मचारी 5 हजार की प्रारंभिक सहायता भी दे रहे हैं।

अब मप्र का बजट 3.5 लाख करोड़

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार के प्रयासों से आज प्रदेश का बजट 3.25 लाख करोड़ से बढ़कर 3.5 लाख करोड़ हो चुका है। हमारा लक्ष्य इसे 7 लाख करोड़ तक ले जाना है, जिससे हम पीएम मोदी के देश को 2027 तक 5 ट्रिलियन डॉलर की इकोनॉमी बनाने के लक्ष्य में अहम योगदान दे सकें।

मेला हमारे जीवन का अभिन्न अंग- स्वदेशी विचारक भैयाजी जोशी ने कहा कि मेले हमारे जीवन के अभिन्न अंग हैं और इनमें स्वदेशी के समावेश से हम आर्थिक रूप से शक्तिशाली बन रहे हैं। मोदी के प्रयासों से भारत सभी क्षेत्रों में विश्व में अग्रणी बन रहा है।

भारत में बड़ी समस्या गरीबी भुखमरी और बेरोजगारी

केंद्रीय मंत्री गडकरी बोले-मुझे दिल्ली आना पसंद नहीं

एजेंसी ■ नई दिल्ली

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में प्रदूषण का स्तर लगातार बढ़ रहा है। क्या आम क्या खास सभी पर बढ़ते हुए वायु प्रदूषण का असर देखने को मिल रहा है। इस बीच केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने मंगलवार को कहा कि उनको राजधानी दिल्ली में आने मन नहीं करता है। उन्होंने यह भी माना कि जब भी वह दिल्ली आते हैं, उनको अक्सर यहां संक्रमण हो जाता है। केंद्रीय मंत्री गडकरी ने एक कहा कि राजधानी दिल्ली एक ऐसा शहर है जहां मुझे रहना पसंद नहीं है। मुझे यहां प्रदूषण के कारण संक्रमण होता है। हर बार मैं दिल्ली आता हूं तो ऐसा लगता है यहां नहीं आना चाहिए क्यों कि यहां पर इतना भयंकर प्रदूषण है। केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी अपने बेबाक आवाज के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने कार्यक्रम के दौरान कहा कि भारत के सामने सबसे बड़ी समस्या गरीबी, भुखमरी और बेरोजगारी है, इसलिए आने वाले समय में सरकार को आर्थिक और सामाजिक समानता हासिल करना सुनिश्चित करना होगा।

चुनाव आयुक्त की नियुक्ति की सुनवाई से सीजेआई हटे

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट के सीजेआई संजीव खन्ना ने मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयुक्त की नियुक्ति से जुड़े मामले की सुनवाई से खुद को अलग कर लिया है। मामले की सुनवाई 6 जनवरी से शुरू होगी और इसके लिए नई बेंच का गठन किया जाएगा। दो मार्च 2023 को सुप्रीम कोर्ट ने ऐतिहासिक फैसला सुनाया था, जिसमें कहा गया था कि सीईसी और ईसी की नियुक्ति तीन सदस्यीय पैनल की तरफ से की जाएगी। इसमें प्रधानमंत्री, विपक्ष के नेता और सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस शामिल होंगे।

सभी राज्य विभागों में आंतरिक शिकायत समिति का करें गठन

सरकारी विभागों में कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न को लेकर सुप्रीम निर्देश

एजेंसी ■ नई दिल्ली

कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न अधिनियम, 2013 का राष्ट्रव्यापी अनुपालन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से, सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को सभी सरकारी विभागों और उपक्रमों में एक आंतरिक शिकायत समिति गठित करने का निर्देश दिया। न्यायमूर्ति बी वी नागरत्ना और न्यायमूर्ति एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने कहा कि पॉश अधिनियम को पूरे देश में समान रूप से लागू किया जाना चाहिए।कोर्ट ने राज्य व केंद्र शासित प्रदेशों को 31 दिसंबर तक हर जिले में एक अधिकारी नियुक्त करने का निर्देश दिया, जो 31 जनवरी तक एक स्थानीय शिकायत समिति का गठन करेगा। तालुका स्तर पर नोडल अधिकारी नियुक्त करेगा। अदालत ने उपायुक्तों/जिला मजिस्ट्रेटों को पॉश अधिनियम की धारा 26 के तहत आंतरिक शिकायत समिति अनुपालन के लिए सार्वजनिक और निजी संगठनों का सर्वेक्षण करने और रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया।

पॉश अधिनियम देश में समान रूप से लागू किया जाए

ब्रीफ न्यूज

राज्यस्तरीय दिव्यांगजन कल्याण कार्यक्रम आज

भोपाल। अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस के उपलक्ष पर राज्य स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन 4 दिसंबर को सुबह 11 बजे से सामाजिक न्याय दिव्यांग जन कल्याण मंत्री नारायण सिंह कुशवाहा के मुख्य अतिथि में संपन्न होगा। यह कार्यक्रम भोपाल में सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग के एडिटोरियल हॉल में आयोजित किया जाएगा।

रावत को कैबिनेट मंत्री का दर्जा देगी सरकार

भोपाल। मध्य प्रदेश विधानसभा उपचुनाव में विजयपुर से भाजपा प्रत्याशी रहे वन मंत्री रामनिवास रावत को चुनाव में हार का सामना करना पड़ा। हार के बाद रामनिवास रावत ने मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया, लेकिन अब तक उनका इस्तीफा मंजूर नहीं किया गया है। इस बीच खबर है कि चुनाव हारने के बाद भी रामनिवास रावत को मंत्री बनाया जा सकता है। उन्हें निगम मंडल में एडजस्ट करने की तैयारी है। सरकार रावत को कैबिनेट मंत्री का दर्जा दे सकती है। रावत ने सोमवार को ही सीएम डॉ मोहन यादव से मुलाकात की थी। बता दें कि एमपी की दो विधानसभा सीट बुधनी और विजयपुर में 20 नवंबर को उपचुनाव हुए थे। बुधनी में बीजेपी के रमाकांत भार्गव ने जीत दर्ज की तो वहीं विजयपुर में कांग्रेस प्रत्याशी मुकेश मल्होत्रा ने कब्जा जमाया।

पन्ना में आज सजेगा हीरों का बाजार, नीलाम होंगे 172 हीरे

भोपाल। पन्ना में एक बार फिर हीरों का बाजार सजने जा रहा है। इस साल भी, हर वर्ष की तरह, पन्ना के कलेक्ट्रेट भवन में 4 दिसंबर से 3 दिन तक हीरों की नीलामी की जाएगी। इस नीलामी में देशभर से हीरा व्यापारी भाग लेंगे, जहां कई आकारों और प्रकारों के 127 हीरे बिक्री के लिए रखे जाएंगे। इन हीरों की अनुमानित कीमत 4 करोड़ 17 लाख 49 हजार 726 रुपए बताई गई है। नीलामी में पांच प्रमुख हीरे आकर्षण का केंद्र होंगे। इनमें सबसे बड़ा हीरा 32.80 कैरेट का है, जबकि अन्य बड़े हीरे 19.22 कैरेट, 16.10 कैरेट, 6.97 कैरेट और 6.65 कैरेट के हैं। इन हीरों पर व्यापारियों की नजरें रहेंगी। इस बार नीलामी में कुल 313 कैरेट के हीरे रखे जाएंगे।

महिलाएं करेंगी पानी की जांच, हर सैंपल पर सरकार देगी 47 रुपए

भोपाल। प्रदेश के शहरों में महिलाएं घर-घर जाकर पानी की जांच करेंगी। हर एक सैंपल की जांच पर सरकार उन्हें 47 रुपए देगी। पानी की जांच का यह काम महिलाओं के हाथ में सौंपने के लिए पूरे 55 शहरों उन्हें ट्रेनिंग दी जा रही है। अब तक इस प्रशिक्षण के लिए 781 महिलाओं का चयन हो चुका है, उसमें से 519 महिलाओं का प्रशिक्षण पूरा हो चुका है। महिलाएं सैंपल कलेक्ट करके लैब में लेकर आई और वहां उनका परीक्षण किया गया। महिलाओं को इस प्रशिक्षण के लिए फील्ड टेस्टिंग किट दी गई है। अमृत-2.0 मिशन में महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए यह नवाचार किया जा रहा है।

राष्ट्रपति ने डॉ. शर्मा को राष्ट्रीय दिव्यांगजन सशक्तिकरण पुरस्कार से किया सम्मानित

सत्ता सुधार ■ भोपाल

राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने मंगलवार को नई दिल्ली में छतरपुर जिले के डॉ. संजय कुमार शर्मा को दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण के लिए राष्ट्रीय दिव्यांगजन सशक्तिकरण पुरस्कार से सम्मानित किया। अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस पर विज्ञान भवन नई दिल्ली में आयोजित समारोह में उन्हें 'दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण के लिए कार्यरत सर्वश्रेष्ठ व्यक्ति' की श्रेणी में उत्कृष्टत कार्यों के लिए यह पुरस्कार प्राप्त हुआ है। समारोह में केंद्रीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री डॉ. वीरेंद्र कुमार भी उपस्थित थे। डॉ. शर्मा विगत 34 वर्षों से बुंदेलखंड क्षेत्र में मानसिक रोगियों के पुनर्वास के लिए कार्यरत हैं। अपने निजी प्रयासों और धन से वे मानसिक रोगियों को बचाने और समाज की मुख्य धारा में जोड़ने का काम कर रहे हैं। मानसिक स्वास्थ्य और नशा मुक्ति पर जागरूकता बढ़ाने में भी उनकी सक्रिय भूमिका रही है।

श्री सिंगाजी ताप विद्युत गृह को मिलेगा कलिंगा सेफ्टी एक्सीलेंस अवार्ड

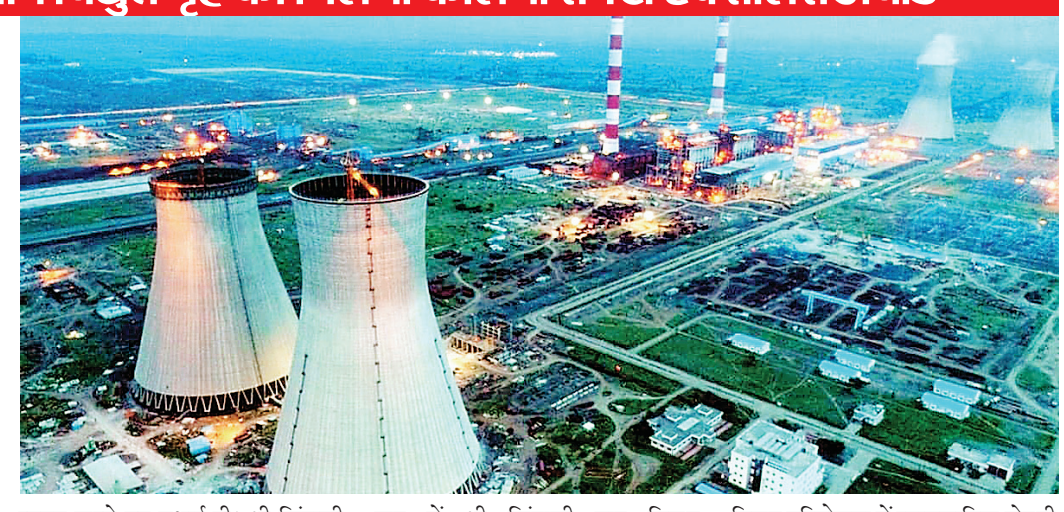

सत्ता सुधार ■ भोपाल

इंस्टीट्यूट ऑफ क्वालिटी एन्ड एनवायरनमेंट मैनेजमेंट सर्विसेस एवं इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक इंटरप्राइजेस का प्रतिष्ठित कलिंगा सेफ्टी एक्सीलेंस अवार्ड-2023 मध्यप्रदेश पॉवर जनरेटिंग कंपनी के श्री सिंगाजी ताप विद्युत परियोजना को देने का निर्णय लिया गया है। विद्युत गृह को यह अवार्ड लार्ज स्केल इंटरप्राइजेस मेजर इंडस्ट्री केटेगरी में मिलेगा। उल्लेखनीय है कि श्री सिंगाजी ताप विद्युत परियोजना ने अवार्ड के लिए निर्धारित सेफ्टी (सुरक्षा), स्वास्थ्य व पर्यावरण से संबंधित सभी मापदंडों को सफलातपूर्वक पूरा किया।

ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर, अपर मुख्य सचिव ऊर्जा नीरज मंडलोई व पॉवर जनरेटिंग कंपनी के प्रबंध संचालक मनजीत सिंह ने श्री सिंगाजी ताप विद्युत परियोजना के समस्त अभियंताओं एवं कार्मिकों को इस अवार्ड के लिए चयनित होने पर हर्ष व्यक्त करते हुए बधाई दी। श्री सिंगाजी ताप विद्युत परियोजना को यह अवार्ड 18 दिसंबर को भुवनेश्वर में आयोजित होने वाले समारोह में दिया जाएगा। मध्यप्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी की प्रदेश में सबसे बड़े ताप विद्युत गृह के रूप में श्री सिंगाजी ताप विद्युत परियोजना दोंगलिया की पहचान है। इसकी वर्तमान उत्पादन क्षमता 2520 मेगावाट है। इस विद्युत गृह में 600 मेगावाट की दो और 660 मेगावाट की दो ताप विद्युत यूनिट हैं। श्री सिंगाजी ताप विद्युत परियोजना में व्यावसायिक सेफ्टी (सुरक्षा), स्वास्थ्य एवं पर्यावरण के क्षेत्र में विशेष ध्यान दिया गया है। विद्युत परियोजना द्वारा कलिंगा अवार्ड के लिए निर्धारित मापदंड को सफलतापूर्वक पूरा किया गया है।

कई जन्मों के पुण्य के बाद देवता हमारे यज्ञ की आहुति स्वीकारते हैं

मुख्यमंत्री डॉ. यादव 251 कुण्डीय महायज्ञ में हुए शामिल

सत्ता सुधार ■ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि देवी-देवताओं का पूजन-अर्चन हमारी संस्कृति रही है। कई जन्मों के पुण्य के बाद देवता हमारे यज्ञ की आहुति स्वीकारते है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव बालाघाट के सरदार पटेल विश्वविद्यालय में आयोजित 251 कुण्डीय गायत्री महायज्ञ में श्रद्धालुओं को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सरकार द्वारा नवीन शिक्षा नीति में भारत की गौरवशाली इतिहास एवं हमारी संस्कृति तथा आदर्शों को शामिल किया है। उन्होंने कहा कि नवीन शिक्षा नीति में किये गये प्रावधान अनुसार यदि कोई भी व्यक्ति अब गायत्री मंत्र के मर्म एवं महिमा में पीएचडी करना चाहे तो कर सकता है। मुख्यमंत्री ने गायत्री परिवार के नशामुक्ति, नारी सशक्तिकरण जैसे जनजागृति अभियानों से जुड़कर राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान देने का आहवान किया। देव संस्कृति विश्वविद्यालय के प्रो वाइस चांसलर डॉ. चिन्मय पाण्ड्या ने आयोजन की विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम में परिवहन एवं स्कूल शिक्षा मंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री उदय प्रताप सिंह, पशुपालन एवं डेयरी विभाग राज्य मंत्री लखन पटेल, सांसद श्रीमती भारती पारधी, विधायक श्री गौरव पारधी, विधायक राजकुमार कर्हे, पूर्व मंत्री रामकिशोर कावरे, पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल, पूर्व सांसद ढालसिंह बिसेन सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं गायत्री परिवार के पदाधिकारी की उपस्थिति रहीं।

मुख्यमंत्री आज करेंगे श्रमिक परिवारों को 225 करोड़ राशि वितरित: मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 4 दिसम्बर को भोपाल में संबल योजना अंतर्गत अनुग्रह सहायता के 10 हजार 236 प्रकरणों में श्रमिकों के परिवारों को सहायता राशि 225 करोड़ रुपए सिंगल क्लिक से वितरित करेंगे। कार्यक्रम में श्रमए पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं हितग्राही उपस्थित रहेंगे। संबल योजना प्रदेश में असंगठित क्षेत्र में कार्यरत लाखों श्रमिकों के लिए एक अत्यंत महत्वपूर्ण योजना है। जिसमें अनुग्रह सहायता योजना के अंतर्गत दुर्घटना में मृत्यु होने पर 4 लाख रुपए एवं सामान्य मृत्यु होने पर 2 लाख रुपए प्रदान किए जाते हैं।

नक्सल गतिविधियों के नियंत्रण में जीरो टॉलरेंस की नीति का हो पालन

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि नक्सल गतिविधियों पर नियंत्रण के लिये जीरो टॉलरेन्स की नीति अपनाई जाये। उन्होंने नक्सल प्रभावी क्षेत्रों में गश्त बढ़ाते हुए मुखबिर व्यवस्था को मजबूत करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि 36वीं बटालियन, हॉक फोर्स सहित सभी स्पेशल फोर्स एक्टिव होकर जिम्मेदारी से कार्य करें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मंगलवार को बालाघाट में नक्सल गतिविधियों पर प्रभावी कार्रवाई को लेकर जन-प्रतिनिधियों, पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों के साथ बैठक की। उन्होंने आईजी संजय सिंह एवं पुलिस अधीक्षक नागेंद्र कुमार द्वारा जिले में नक्सल गतिविधियों के उन्मूलन के उद्देश्य से तैयार की गई योजना के प्रेजेंटेशन का अवलोकन भी किया।

हजारों आचार्य करेंगे गीता का सस्वर पाठ, बनेगा रिकॉर्ड

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गीता जयंती और तानसेन समारोह के लिए भव्य आयोजनों की तैयारियों की समीक्षा की और अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए। गीता जयंती के तहत मध्य प्रदेश में 8 से 11 दिसंबर तक विभिन्न सांस्कृतिक, धार्मिक और शैक्षिक कार्यक्रम आयोजित होंगे। वहीं, तानसेन समारोह के शताब्दी वर्ष पर देश और विदेश में कई सांस्कृतिक गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। गीता जयंती पर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों में विद्यार्थियों के बीच गीता के संदेशों का प्रचार-प्रसार और ज्ञान परीक्षा का आयोजन भी होगा। इस्कॉन संस्था के सहयोग से यह कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। उज्जैन में गीता संवाद कार्यक्रम के अंतर्गत 8 दिसंबर को प्रख्यात गीतकार मनोज मुन्तशिर शुक्ला का गीता संवाद होगा। 9 दिसंबर को श्रीकृष्ण आधारित महानाट्य कृष्णायन की प्रस्तुति होगी। 10 और 11 दिसंबर को स्वामी सरस्वती द्वारका पीठ समेत कई आध्यात्मिक विभूतियों के व्याख्यान और सांगीतिक प्रस्तुतियां होंगी। 11 दिसंबर को भोपाल के मोतीलाल नेहरू स्टेडियम में गीता का सस्वर पाठ करने के लिए हजारों आचार्य एकत्र होंगे, जिससे नया विश्व रिकॉर्ड बनेगा। अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव के तहत उज्जैन में विभिन्न देशों के प्रतिनिधि और विद्वान भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराएंगे। तानसेन समारोह की शताब्दी पर ग्वालियर और अन्य देशों में कार्यक्रम होंगे। यह समारोह 15 से 19 दिसंबर तक चलेगा, जिसमें राष्ट्रीय सम्मान अलंकरण भी दिए जाएंगे।

रातापानी सैंक्चुअरी टाइगर रिजर्व क्षेत्र घोषित, मप्र बना टाइगर स्टेटः सीएम

हमारे प्रस्ताव को पीएम मोदी ने दी स्वीकृति, बढ़ेगी प्रदेश की साख

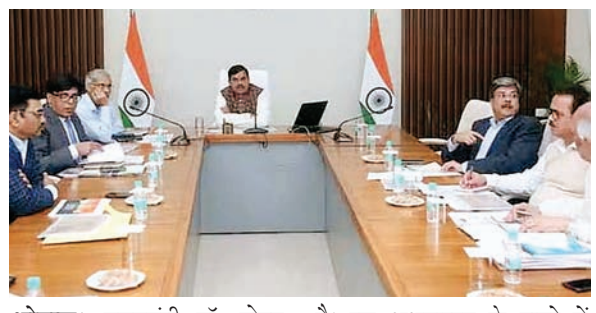

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि रातापानी सैंक्चुअरी टाइगर रिजर्व बफर एरिया घोषित होने से मध्यप्रदेश अब वास्तविक रूप में टाइगर स्टेट बन गया है। मध्यप्रदेश के लिये यह बहुत बड़ी सौगात है। केन्द्र सरकार के अनुमोदन के बाद रातापानी, मध्यप्रदेश का 8वां टाइगर रिजर्व क्षेत्र घोषित किया गया है। मुख्यमंत्री ने पीएम मोदी को धन्यवाद देते हुए कहा कि उन्होंने वन्य जीवों के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए मध्यप्रदेश को हमेशा प्राथमिकता दी है, जिसके परिणामस्वरूप श्योपुर के कूनो में चीते और उसके बाद रातापानी को टाइगर बफर क्षेत्र का अनुमोदन मिला है। मुख्यमंत्री ने कहा कि रातापानी सैंक्चुअरी टाइगर रिजर्व बफर जोन की विशेष बात यह है कि यह देश का एकमात्र ऐसा टाइगर रिजर्व है जो राजधानी (भोपाल) के बेहद नजदीक है। इससे यह माना जा सकता है कि राजधानी इस अभयारण्य का हिस्सा है। इस अभयारण्य के दायरे में रायसेन, भोपाल और सीहोर जिले का क्षेत्र भी आएगा। यहां लगभग 90 से ज्यादा बाघ और अन्य वन्य जीव भी हैं। उन्होंने कहा कि रातापानी को टाइगर रिजर्व घोषित करने से पर्यटन को प्रोत्साहन मिलेगा। टाइगर रिजर्व का संपूर्ण कोर क्षेत्र रातापानी अभयारण्य की सीमा के भीतर है। डॉ. यादव ने कहा कि ग्रामीणों के वर्तमान अधिकार में कोई परिवर्तन नहीं होगा बल्कि स्थानीय ग्रामीणों को पर्यटन से रोजगार के नये अवसर मिलेंगे और उन्हें आर्थिक रूप से लाभ भी मिलेगा। सीएम ने कहा कि रातापानी टाइगर रिजर्व घोषित होने से राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण, केंद्र सरकार एवं राज्य द्वारा आवंटित बजट से वन्य-प्राणियों का बेहतर ढंग से प्रबंधन किया जा सकेगा। उन्होंने कहा कि इससे रातापानी को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिलेगी तथा राजधानी भोपाल की पहचान टाईगर कैपिटल के रूप में होगी।

वन विहार में बांधवगढ़ टाईगर रिजर्व के नर बाघ का हो रहा उपचार

सत्ता सुधार ■ भोपाल

उमरिया जिले के बांधवगढ़ टाईगर रिजर्व से लाए गए घायल नर बाघ 'छोटा भीम' का उपचार वन विहार राष्ट्रीय उद्यान भोपाल में किया जा रहा है। बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व द्वारा अत्यंत घायल अवस्था में रेस्क्यू किये गये नर बाघ छोटा भीम को 30 नवंबर 2024 को उपचार के लिए वन विहार राष्ट्रीय उद्यान लाया गया है। वन विहार सहायक संचालक सुनील कुमार सिन्हा ने बताया कि घायल नर बाघ को वन विहार स्थित इंडोर वार्ड में वन्य प्राणी चिकित्सक वन विहार की सतत् निकरानी में उपचार के लिये रखा गया है। गंभीर रूप से घायल बाघ का 3 दिसम्बर 2024 को राज्य पशु चिकित्सालय डॉ. एसके तुमड़िया, वरिष्ठ वन्य प्राणी डॉ. अतुल गुप्ता, स्वास्थ्य अधिकारी वन विहार डॉ. रजत कुलकर्णी, वन्य प्राणी चिकित्सक वाईल्ड लाइफ एसओएस वन विहार, वन्यप्राणी चिकित्सक डॉ. वैभव शुक्ला और साईटस मुख्यालय भोपाल के चिकित्सक दल की निगरानी में स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। सहायक संचालक वन विहार ने बताया कि घायल नर बाघ की गर्दन के चारों ओर गहरे घाव है, तथा गर्दन के नीचे भी घाव है। बाघ के आगे के दाएं पैर के निचले भाग में मल्टीपल फ्रैक्चर है।

निजी अस्पतालों में दर सूची प्रदर्शित करना अनिवार्य

मरीजों के अधिकार और हितों का संरक्षण करने निर्देश जारी

भोपाल। आयुक्त, स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा तरुण राठी ने प्रदेश के सभी निजी अस्पतालों (नर्सिंग होम) को निर्देश दिए हैं कि वे अपने अस्पताल में प्रदायित सभी चिकित्सकीय सेवाओं की रेट लिस्ट प्रमुखता से प्रदर्शित करें। उन्होंने कहा कि प्रदेश के नागरिकों के हितों की रक्षा करते हुए उन्हें बेहतर और पारदर्शी स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के लिए यह महत्वपूर्ण है। निजी अस्पतालों में काउंटर पर दर सूची का प्रदर्शन अनिवार्य है। रोगी या उनके परिवारजन द्वारा मांग करने पर दर सूची दिखाना अस्पताल प्रबंधन का दायित्व भी होगा। इसके अलावा, यदि किसी अस्पताल को दर सूची में संशोधन करना हो, तो इसकी लिखित सूचना मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को देना आवश्यक है। संशोधित दर सूची को भी प्रमुखता से प्रदर्शित करना होगा। इसका उद्देश्य रोगियों के अधिकारों की रक्षा करने और स्वास्थ्य सेवाओं में पारदर्शिता लाना है। यह निर्देश अधिनियम, 1973 और नियम, 1997 के नियम 17 के अनुसार जारी किए गए हैं। सभी निजी अस्पतालों को यह तय करना होगा कि वे इन प्रावधानों का पालन करें। आयुक्त ने समस्त मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारियों को इसके अनुपालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए है। रेट लिस्ट के बिना अतिरिक्त शुल्क लेना नियमों का उल्लंघन है, मनमानी शुल्क वसूलने की घटनाओं को रोकने के लिए सतत निरीक्षण करने के आयुक्त ने निर्देश दिए हैं।

राजनीति पार्टी की किरकिरी के बाद सत्ता-संगठन की नजर में चढ़ा मऊगंज, जिले में ऊपर से नीचे तक बदले जाएंगे पार्टी के सभी पदाधिकारी

जिलाध्यक्ष की होगी छुट्टी! मऊगंज में नए चेहरे पर दांव लगाएगी भाजपा

वरिष्ठ पदाधिकारियों की शिकायत भोपाल से दिल्ली तक पहुंची

सत्ता सुधार ■ भोपाल

मध्यप्रदेश भाजपा जहां एक ओर सदस्यता अभियान में कीर्तिमान रच रही है। वहीं दूसरी ओर मऊगंज जिले के पार्टी पदाधिकारी जमकर सत्ता-संगठन की किरकिरी भी करा रहे हैं।

दरअसल, मऊगंज के देवरा गांव के महादेवन मंदिर की घटना पर विधायक, जिला अध्यक्ष के साथ समस्त वरिष्ठ पदाधिकारियों से राज्य के साथ केंद्रीय नेतृत्व भी नाराज है। यहां जो भी किया जा रहा है वह भाजपा की गाइडलाइन से हटकर किया जा रहा है। इससे स्थानीय लोगों में भी पार्टी के खिलाफ आक्रोश पनप रहा है। यही नहीं, जिले के नेताओं का सत्ता-संगठन से तालमेल भी बैठता नहीं दिख रहा है। इससे पार्टी को आगामी चुनावों में भारी नुकसान उठाना पड़ सकता है। अब इन्हीं सब बातों को ध्यान में रहते हुए पार्टी के राज्य नेतृत्व ने फैसला किया है कि जिले में एक तरफ से सर्जरी की जाएगी यानी बड़े पदों पर बैठकर सिर्फ राजनीतिक रोटियां सेंक रहे हैं। उन्हें घर बैठा दिया जाएगा।

चर्चा है कि भाजपा अपने मऊगंज जिलाध्यक्ष डॉ. राजेंद्र मिश्रा को भी बदलने जा रही है। दरअसल, जिलाध्यक्ष की जिले के न किसी विधायक से और न ही सांसद से पटरी बैठ रही है। सिर्फ उन्होंने प्रशासनिक अफसरों तक अपने आप को सीमित कर लिया है। यही नहीं, यहां सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि जिला अध्यक्ष से स्थानीय संघ के पदाधिकारी भी खफा बताए जा रहे हैं। इसलिए संघ भी अपने स्तर से नए जिला की तलाश में जुट गया है। संघ का मानना है कि जिले की कमान पार्टी ऐसे नेता को सौंपे जो हर वर्ग को साथ लेकर चले। चर्चा है कि संघ ने संगठन को राजधानी स्तर पर कुछ स्थानीय नाम भी सौंपे हैं। इससे कायस लगाए जा रहे हैं कि नया अध्यक्ष इस बार संघ की पसंद का बनेगा।

जिलाध्यक्ष का स्वास्थ्य भी नहीं ठीक

मऊगंज जिला अध्यक्ष बदलने का एक और प्रमुख कारण सामने आया है। डॉ. राजेंद्र मिश्रा स्वास्थ्य ठीक नहीं होने से पार्टी को समय नहीं दे पा रहे हैं। बताया जाता है कि वह किसी गंभीर बीमारी से पीड़ित हैं। उन्हें अक्सर दिल्ली-मुंबई इलाज के लिए जाना पड़ता है। जिले में वह कभी भी रात में निवास नहीं कर पाते हैं।

इन नामों पर चल रहा मंथन

मऊगंज भाजपा के जिला अध्यक्ष के लिए कई नामों पर मंथन चल रहा है। इसमें मुख्य रूप से पूर्व मंडी अध्यक्ष स्वदीप सिंह रिंची, शिववती नंददन प्यासी, देवेंद्र शुक्ला (लाला) सुलेंद्र गुप्ता, बी. पटेल, जनपद उपाध्यक्ष राजेश पटेल (डॉ.पप्पू) पूर्व मंडल उपाध्यक्ष रवींद्र पांडेय के साथ नईगढ़ी के तीन बार मंडल अध्यक्ष रह चुके वरिष्ठ भाजपा नेता नरेंद्र तिवारी शामिल हैं।

इसलिए नरेंद्र तिवारी

नरेंद्र तिवारी पिछले विधानसभा चुनाव में देवतलाब सीट से विधायक टिकट के प्रबल दावेदार रहे हैं। हालांकि केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव और पूर्व सीएम शिवराज सिंह चौहान के कहने पर पीछे हट गए थे। जहां संगठन अब तिवारी को मऊगंज जिलाध्यक्ष पद से नवाजना चाह रहा है।

5500 किमी बिजली लाइन केबल का कार्य पूरा

सत्ता सुधार ■ भोपाल

रिवेम्प्ड डिस्ट्रिब्यूशन सेक्टर स्कीम के तहत मालवा और निमाड़ क्षेत्र में बिजली वितरण क्षमता बढ़ाने, लाइन लॉस कम करने के लिए सतत कार्य किए जा रहे हैं। अब तक करीब 5500 किमी लंबी बिजली लाइन में केबल का कार्य किया गया है। कुल 4800 वितरण ट्रांसफार्मर भी स्थापित किए गए हैं। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने कहा कि इस योजना से उपभोक्ता सेवाओं में बढ़ोत्तरी, आपूर्ति में गुणात्मक सुधार हो रहा है। मप्र पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी इंदौर की प्रबंध निदेशक सुश्री रजनी सिंह ने बताया कि रिवेम्प्ड डिस्ट्रिब्यूशन सेक्टर स्कीम में 565 ग्रिडों पर केपिसिटर बैंक लगा दिए गए हैं। इंदौर शहर के सिरपुर, मालवा मिल, सुखलिया इत्यादि में 20 किमी नई अंडरग्राउंड केबल स्थापित की गई है। मालवा और निमाड़ के इंदौर व उज्जैन संभाग के विभिन्न जिलों में 4800 वितरण ट्रांसफार्मर स्थापित किए गए हैं। इन ट्रांसफार्मरों से किसानों, घरेलू, व्यापारिक क्षेत्र के अलावा उद्योगों की बिजली आपूर्ति व्यवस्था में भी सुधार एवं बढ़ोत्तरी हुई है। प्रबंध निदेशक ने बताया कि कुल 1136 किमी में घरेलू से पृथक कृषि लाइन स्थापित की गई हैं।

ब्रीफ न्यूज

पटवारी को हटाने संबंधी 20 ने मांग और शिकायत के आवेदन दिए

खुरई/सागर। मंगलवार के दिन जनसुनवाई का आयोजन किया गया जिसमें 20 आवेदको ने मांग और शिकायत के आवेदन दिए। सतना ई के रामकिशन, मुन्नालाल, हीरालाल, नारायण सिंह ने कृषि कार्य के लिए रास्ता संबंधी, प्यासी के हरिसिंह ने सीमांकन के लिए, झारई की श्रीबाई ठाकुर ने फसल बीमा की राशि दिलाने के लिए आवेदन दिया। शिवाजी वार्ड की रचना आदिवासी ने पड़ोसी द्वारा गाली गलौज कर मारपीट करने, ग्वारी गांव के लोगों ने शासकीय रास्ते से अतिक्रमण हटाने, सो लोधी ने पट्टा दिलाने संबंधी, जय आशा माता स्व सहायता समूह कचनौदा ग्राम पंचायत मंझेरा ने मध्यान भोजन सहित अन्य कार्यो को लेकर आवेदन दिया। रीठौर के रामसिंह कुर्मी ने आर्थिक सहायता प्रदान करने, प्रीति लोधी ने शिकायत की है कि रामजी दांगी द्वारा दुकान नंबर 1007110 का राशन बेचने व धोखाधड़ी की जांच करने संबंधी आवेदन दिया। सीमा कुर्मी ने आवास योजना की किस्त जारी करने, कचनौदा के शिवचरण ने चकरपुर बांध में जा रही भूमि का मुआवजा देने, वेचनवारा के छोटेराम ने बलपूर्वक बखरनी करने व गाली गलौज करने संबंधी, दरैया के कुंजन सिंह ने पटवारी को हटाने संबंधी अन्य समस्याओं के आवेदन आए। मौके पर बैठे अधिकारियो ने सभी आवेदको की समस्याओं को गंभीरता से सुना और शीघ्र निराकरण का आश्वासन दिया।

निगमायुक्त ने ननि के 1100 कर्मचारियों को डी.ए.एरियस की प्रथम किश्त जारी की

सागर। नगर निगम आयुक्त राजकुमार खत्री ने नगर निगम के 1100 कर्मचारियों को उनके मंहगाई भत्ता के एरियस की प्रथम किश्त का भुगतान किया गया है। उल्लेखनीय है कि नगर निगम के विभिन्न विभागों में कार्यरत कर्मचारियों को शासन के निर्देशानुसार मंहगाई भत्ते के एरियस की राशि का भुगतान करने के निर्देश दिये गये थे जिसको लेकर नगर निगम कर्मचारी संघों द्वारा लगातार एरियस देने की मांग की जा रही थी जिसे निगमायुक्त ने मंगलवार को प्रथम किश्त की राशि का भुगतान कर दिया है।

प्रथम किश्त जारी करने पर महापौर, निगमाध्यक्ष एवं निगमायुक्त का आभार व्यक्त किया

सागर। नगर निगम के 1100 कर्मचारियों को शासन के निर्देशानुसार मंहगाई भत्ते की प्रथम किश्त की राशि जारी किये जाने पर नगर निगम/नगर पालिका संघ के प्रांतीय सचिव राजेश सिंह राजपूत एवं नगर निगम कर्मचारी कल्याण मोर्चा के अध्यक्ष हरेन्द्र खटीक, ईकाई अध्यक्ष श्रीमती वर्षा समद, जिला अध्यक्ष सईदउद्दीन कुरैशी, आनंद मंगल गुरू, कर्मचारी कल्याण मोर्चा की उपाध्यक्ष श्रीमति शकुनतला गोस्वामी, सचिव श्री माधव प्रसाद चढ़ार, मनोज चौबे सहित समस्त पदाधिकारी एवं कार्यकारिणी सदस्यों ने महापौर श्रीमती संगीता सुशील तिवारी, निगमाध्यक्ष वृन्दावन अहिरवार, निगमायुक्त राजकुमार खत्री का आभार व्यक्त किया है।

000000000000

जितना अधिक से अधिक हो सके भगवान का नाम जपो: पंडित विपिन विहारी दास

सत्ता सुधार ■ देवरी/सागर

ग्राम अनंतपुरा में आयोजित भागवत कथा के पांचवे दिन कथा वाचक पंडित विपिन विहारी दास जी ने एक प्रसंग सुनाते हुए कहा की एक महात्मा ने एक मिट्ठू पाला और उस मिट्ठू को राम राम रटना सिखाया अब महात्मा और मिट्ठू दोनों दिनभर राम राम रटते रहे एक दिन महात्मा ने मिट्ठू को पिंजरे से बाहर निकाल दिया इतने में अचानक विल्ली आई और झपट्टा मारा और मिट्ठू को खा गई अब महात्मा ने माला छोड़ दी और रोने को बैठ गये तब वहा एक संत पहुँचे और महात्मा को समझाया की तुम्हे इतनी मोह माया क्यों यह मिट्ठू मर गया तो क्या हुआ हम दूसरा लें आएंगे तो महात्मा बोले न तो हमें मिट्ठू से मोह था। इसके मरने से हमें अपने जिंदगी की चिंता लग गई वह कैसे की मैने इस को पूरी जिंदगी राम राम रटना सिखाया और जैसे ही बिल्ली ने इसकी गर्दन पकड़ी तो यह राम राम भूल गया और टेंटे बोलने लगा इसी तरह जब कालरूपी बिल्ली हमारी गर्दन पकड़े तो हमारे मुँह से हरे राम की जगह हाय हाय न निकल जाये इसलिए रो रहे है। भगवान हमाये ऊपर इतनो उपकार करियो की अंत समय हमाई जिव्हा पर भगवान का नाम आ जाये। जिनका मन बड़ा होता भगवान उसको मिलेंगे। भगवान के घर तुम्हारे कर्मो का हिसाब होगा। नंद के घर आनंद भयो जय कन्हैया लाल की धुन पर श्रोता गंड़ झूमने लगे। इस दौरान भागवत कथा सुनने पूर्व मंत्री एबं रहली विधायक पंडित गोपाल भार्गव, देवरी विधायक ब्रजविहारी पटेरिया राजेंद्र जारोलिया संदीप जैन प्रीतम सिंह राजपूत बंटी भैया के अलावा कथा के मुख्य यजमान मुलाम साहू श्रीमती सरोजरानी नत्थू पंडा एबं आयोजक श्रीमती आशा लखन साहू पूर्व सरपंच, रमा प्रीतम साहू, मिनी मुकेश साहू, स्वाति राकेश साहू, रागनी राहुल साहू सहित हजारों की संख्या में श्रोता उपस्थित रहे।

महिला नसबंदी शिविर में टारगेट से अधिक पहुंच रही हितग्राही

अस्पताल में हुई अव्यवस्थाएं, महिलाओं ने कहा चार चार चक्कर लगा चुके, नंबर नहीं आ रहा

सत्ता सुधार ■ खुरई/सागर

स्वास्थ्य विभाग द्वारा खुरई सिविल अस्पताल में सोमवार को नसबंदी शिविर का आयोजन किया जाता है। जिसमें सैकड़ों महिलाओं को बुला लिया जाता है। लेकिन ऑपरेशन केवल 50 का ही होता है। सही जानकारी नहीं मिलने से महिला हितग्राहियों को परेशानी का सामना पड़ता हैं। दरअसल स्वास्थ्य विभाग ने नसबंदी केंपों की जिम्मेदारी निजी संस्थाओं को दे रखी है। जिसमें नियम बनाया गया कि एक शिविर में केवल 50 आपरेशन ही किये जायेगें। जिससे कि जल्दबाजी में कोई गड़बड़ी या लापरवाही न हो सके। लेकिन 50 ऑपरेशन के टारगेट के बदले आपरेशन वाले दिन सैकड़ों महिलाये आपरेशन के लिये पहुंच जाती हैं।

दरअसल स्वास्थ्य विभाग ने नगरीय और ग्रामीण क्षेत्र की आशा कार्यकर्ताओं को टारगेट दे रखे हैं। सभी आशायें और ऊषायें अपने अपने टारगेट के अनुसार हितग्राहियों को आपरेशन के लिये प्रेरित कर आवेदन सहित पहुंच जातीं हैं लेकिन यह संख्या सैकड़ों में हो जाती है जिससे पंजीयन सहित शिविर के सभी काउंटर पर अफरा तफरी और अव्यवस्था फैल जाती है। महिलायें अपने नंबर को लेकर यहां वहां भटकती देखी जाती हैं। एक हितग्राही महिला ने बताया कि वह पिछले तीन सोमवार से आ रही है हर बार उसे भगा दिया जाता है। आज तक नंबर नहीं आया। यदि 50 का टारगेट है तो बुलाया ही क्यों जाता है। वह सुबह 4 बजे से शिविर में आ गई थी। उसके छोटे बच्चे तक परेशान होते रहते हैं। बीएमओ डॉ शेखर श्रीवास्तव ने बताया कि नसबंदी शिविर में केवल 50 हितग्राहियों के ऑपरेशन निजी संस्था द्वारा किए जाते हैं। महिलाएं प्रयास करती हैं कि उनका नंबर पहले आ जाए, कुछ बिना जानकारी के भी पहुंच जाती हैं। किसी को परेशानी नहीं हो, इसके लिए सुधार किया जाएगा।

घर पर ही गीले कचड़े से खाद कैसे बनाएं इस प्रक्रिया के बारे में समझाया

सागर। स्वच्छ भारत मिशन अंतर्गत शासन आदेशानुसार नगर पालिका परिषद मकरोनिया एवं संस्था द्वारा निकाय क्षेत्र में जागरूकता अभियान बैठक/कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें फ़गीले कचरे का 100 प्रतिशत होम कंपोस्टिंग उपचार रहवासियों को बताया गया एवं उनको घर पर ही गीले कचड़े की खाद कैसे बनाएं इस प्रक्रिया के बारे में समझाया गया और उनसे यह भी अनुरोध किया गया कि गीले कचड़े का सत प्रतिशत घर पर ही खाद बनाकर निराकरण करे, जिससे सफाई मित्रों को कचड़े का पृथककीकरण करने में समस्या ना आए एवं आसपास के लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरुक करते हुए सफाई व्यवस्था बनाए रखने का अनुरोध किया गया।

गढ़ौला गांव में जेसीबी से रास्ते पर किए अतिक्रमण को हटाया

सत्ता सुधार ■ खुरई/सागर

वन विभाग की टीम ने ग्रामीणों की शिकायत पर गढ़ौला जागीर गांव में जेसीबी मशीन से रास्ते पर किए अतिक्रमण को हटाया गया। आपको बता दें कि ग्रामीणों ने वन विभाग को आवेदन देकर वार्ड नंबर एक से अतिक्रमण हटाने की मांग की थी। ग्रामीणों का कहना था कि जिस गली में से अतिक्रमण होने से पहले आसानी के साथ दो ट्रैक्टर एक साथ निकल जाते थे, वहां से अब एक ट्रैक्टर भी निकालने में परेशानी हो रही है। आवेदन में उल्लेख किया गया कि शंकर जी के मंदिर के पास दो प्लॉट की जगह जमना प्रसाद अहिरवार ने खरीदी थी। इसके बाद उन्होंने वहां खाली पड़ी जगह पर भी कब्जा कर लिया। साथ ही पंचायत की तरफ से बनाए गए कचरे घर की जमीन को भी अपने कब्जे में ले लिया। ग्रामीणों की शिकायत के बाद वन विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर जेसीबी मशीन से अतिक्रमण हटाया।

विद्युत कर्मचारी महासंघ ने चलाया श्रमिक संपर्क अभियान

सत्ता सुधार ■ सागर

भारतीय मजदूर संघ के गठन के 70 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में मध्यप्रदेष भारतीय मजदूर संघ के आव्हन पर विद्युत कर्मचारी महासंघ सागर द्वारा आज राष्ट्रीय महामंत्री किशोरी लाल रैकवार के नेतृत्व मे श्रमिक संपर्क अभियान करते हुए परीक्षण एवं संचार मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी एवं एस.टी.एम संभाग मे संपर्क किया।

इस दौरान उनके साथ राजेश दरयानी, रामविवेक गौतम, अतुल खरे, राजकिशोर दुबे, कन्हैयालाल साहू, सौरभ ठाकुर, सतीष लिल्होरे, लक्ष्मी ठाकुर एवं कुमारी रोशनी सहित अन्य कर्मचारी शामिल हुए। संपर्क के दौरान महामंत्री रैकवार ने भारतीय मजदूर संघ की उपलब्धियों का वर्णन करते हुए कहा कि संघ सदैव मजदूर श्रमिक एवं कर्मचारियों के हित में कार्य करने के लिए अग्रसर रहता है। इस दौरान उन्होने मौके पर कर्मचारियों से उनकी समस्याओ के संबंध मे चर्चा कर उनके शीघ्र निराकरण करवाने का आश्वाशन दिया।

नवजात का जली अवस्था में मिला शव, पुलिस मामले की जांच में जुटी

बण्डा/सागर। बण्डा थाना अंतर्गत क्षेत्र शासकीय स्कूल के बीच नवजात का जली अवस्था में शव मिला है। शव मिलने की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची एडिशनल एसपी जिला शिक्षा अधिकारी अरविन्द जैन , जिला कार्यक्रम अधिकारी बृजेश त्रिपाठी एसडीओपी शिखा सोनी एसडीएम गगन बिसेन तहसीलदार ज्ञानचंद राय बण्डा थाना प्रभारी उपमासिंह चौकी प्रभारी एम एल धुर्वे ने पहुंचकर घटना स्थल का निरीक्षण किया एवं मामले की जांच शुरू की है। नाबालिग को पुलिस ने जिला अस्पताल में भर्ती कराया है। जानकारी के अनुसार, बण्डा थाना क्षेत्र के एक सरकारी स्कूल के पीछे मंगलवार को जली अवस्था में नवजात का शव मिला। ग्रामीणों ने शव देख पुलिस को सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची।

प्राथमिक जांच में सामने आया कि प्रसव के बाद नवजात को जलाया गया है। इसी बीच पुलिस ने करीब 14 वर्षीय नाबालिग को जिला अस्पताल के प्रसूता वार्ड में भर्ती कराया है।नाबालिग से पूछताछ की गई। लेकिन वह अभी पुलिस के सामने कुछ भी नहीं बोल रही है। पुलिस टीम स्कूल में पहुंची है। जहां मामले से जुड़े साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं। वहीं स्कूल स्टॉप समेत अन्य लोगों से पूछताछ की जा रही है। पुलिस की मानें तो स्कूल के पीछे नवजात को जलाया गया है। मामले के हर बिंदु पर जांच की जा रही है।

नेशनल हाईवे की ट्रैफिक व्यवस्था बनाने टैक्सियों को मिले पुलिस के नंबर, डेढ़ दर्जन टैक्सियों को जब्त कर काटे चालान

सत्ता सुधार ■ शाहगढ़/सागर

मंगलवार को शाहगढ़ नेशनल हाईवे पर बेतरतीब ठंग से अघोषित टैक्सी स्टैंड पर खड़ी टैक्सियों को पुलिस ने एक एक कर थाना परिसर भेजना शुरू कर डेढ़ दर्जन टैक्सियों को जब्त कर लिया पुलिस द्वारा एक एक कर टैक्सियों को जब्त करने की कार्यवाही देख नगर में संचालित वैध अवैध दर्जनों टैक्सी नगर के मुख्य स्थानों से नदारद हो गई , पुलिस ने जब्त की गई टैक्सियों को दिन भर थाना परिसर में खड़ा रहने दिया एवं शाम को जब्त टैक्सियों पर पुलिस ने बढ़ते क्रम में नंबर देकर एवं पुलिस कार्यवाही के रूप में पांच पांच सौ रुपये का चालान काटकर छोड़ दिया वही टैक्सी संचालकों को हिदायत दी गई कि नेशनल हाईवे स्थित शंकरगढ़ तिराहे पर काम्प्लेक्स के बाजू में टैक्सी स्टैंड बनाया गया है जहा व्यवस्थित टैक्सियां खड़ी करें नेशनल हाईवे पर सड़क किनारे टैक्सी मिलने पर कार्यवाही की जायेगी , यह बता दे नेशनल हाईवे स्थित शंकरगढ़ तिराहे पर बेतरतीब खड़े टैक्सी वाहनों के कारण नेशनल हाईवे मार्ग पर दिन भर ट्रैफिक जाम होता था जिसको लेकर कई बार पुलिस प्रशासन द्वारा अघोषित टैक्सी स्टैंड पर खड़े टैक्सी वाहनों पर कार्यवाही की एवं स्थानीय प्रशासन से टैक्सी स्टैंड के लिए जगह आवंटित कराई गई लेकिन नगर में अवैध रूप से संचालित टैक्सी बेतरतीब ठंग से नेशनल हाईवे किनारे खड़ी रहती थी जिससे नेशनल हाईवे पर दिन भर जाम की स्थिति निर्मित रहती थी जिसकी शिकायत कई बार लोगो ने पुलिस प्रशासन से की लेकिन ट्रैफिक व्यवस्था सुधारने उचित व्यवस्था नही की गई , मंगलवार को शाहगढ़ थाना प्रभारी उपनिरीक्षक संदीप खरे ने टैक्सियों को जब्त कर सभी को बढ़ते क्रम में नंबर देकर कार्यवाही कर दी।

कार्यक्रम दिन मे होंगे सांस्कृतिक आयोजन, रात मे निमाड़ी लाफ़्टर गम्मत प्रतियोगिता होंगी

भारतीय रॉबिन हुड टंट्या भील की पुण्यतिथि पर आज विशेष आयोजन

पंधाना विधायक छाया मोरे के प्रयास से शुरू पुनः शुरू हो रहा आयोजन

सत्ता सुधार ■ खंडवा

भारतीय रॉबिन हुड के नाम से मशहूर शहीद जननायक टंट्या भील, जिनके नाम से अंग्रेज हुकूमत तक कांपती थी, को उनके अनुयायी प्यार से ÷टंट्या मामा÷ कहते हैं। अंग्रेजों के अत्याचार के दौर में टंट्या मामा गरीबों और शोषितों के लिए एक मसीहा बने। उनकी पुण्यतिथि 4 दिसंबर को खंडवा जिले के पंधाना विधानसभा क्षेत्र के गांव बड़ोदा अहीर में विशेष आयोजन किया जाएगा। टंट्या मामा का जन्म इसी गांव में हुआ था, जहां आज भी उनके वंशज निवास करते हैं। मध्यप्रदेश सरकार ने लगभग 10 वर्ष पहले इस स्थान पर ढाई करोड़ रुपये की लागत से एक भव्य स्मारक का निर्माण किया था। यहां टंट्या मामा की आदमकद प्रतिमा स्थापित है, जो इस क्षेत्र के लोगों के लिए श्रद्धा और गौरव का केंद्र है।

सांस्कृतिक आयोजनों का होगा पुनः आरंभः पिछले वर्षों में टंट्या मामा के जन्मदिवस 4 अप्रैल के अवसर पर यहां पांच दिवसीय मेले का आयोजन होता था। कोविड-19 के चलते यह आयोजन बंद हो गया था। इस वर्ष, उनकी पुण्यतिथि पर एक दिवसीय मेले का आयोजन किया जा रहा है। जनपद पंचायत पंधाना द्वारा आयोजित इस मेले में दिन में सांस्कृतिक कार्यक्रम और रात में निमाड़ी गम्मत प्रतियोगिता होगी।

टंट्या मामा की चौथी पीढ़ी की वंशज सोनी बाई का कहना हैः पहले यहां 5 दिन का मेला लगता था, जिसमें मुख्यमंत्री कन्यादान योजना के तहत सामूहिक विवाह भी आयोजित होते थे। कोविड के बाद से यह परंपरा बंद हो गई। इस बार आयोजन हो रहा है, लेकिन यह पांच दिवसीय होना चाहिए।

इनका कहना है

जनपद पंधाना के सीईओ सुरेशचंद टेमने ने कहा कि इस वर्ष टंट्या मामा की पुण्यतिथि के अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम और निमाड़ी गम्मत प्रतियोगिता जैसे कार्यक्रमों का आयोजन कर इसे यादगार बनाया जाएगा।

जनपद पंचायत सुरेशचंद टेमने

अमृत मित्र योजना अंतर्गत ननि के स्वसहायता समूह की महिलाओं को जल गुणवत्ता जांचने का प्रशिक्षण दिया

सत्ता सुधार ■ सागर

निगमायुक्त राजकुमार खत्री के निर्देशानुसार अमृत मित्र योजना के तहत सागर नगर निगम में पंजीकृत स्वसहायता समूह की महिलाओं को जल गुणवत्ता का प्रशिक्षण दिया गया।प्रशिक्षण के दौरान स्वसहायता समूह की महिलाओं को जल के सभी पैरामीटर को जांचने के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई एवं अमृत मित्र की कार्यवाही में होने वाले कार्यों का भी प्रशिक्षण दिया गया।प्रशिक्षण कार्यक्रम में नगर निगम के कार्यपालन यंत्री विजय दुबे ,एन यू एल एम शाखा के सिटी मैनेजर विक्रम जैन एवं भागवत प्रसाद, नगर निगम के लैब केमिस्ट कौतुक सिंह उपस्थित थे ,जिन्होंने प्रत्येक 8 समूह की 16 महिलाएं को जल गुणवत्ता की जांच की बारिकियों के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई।प्रशिक्षण में पी डी एम सी ,सोशल बिल्डिंग कैपेसिटी एक्सपर्ट विनीत सिंह बघेल ,आई ई सी एक्सपर्ट सचिन पुरोहित,जूनियर सोशल बिल्डिंग कैपेसिटी एक्सपर्ट दीपक साहू एवं केमिकल एनालिसिस इंजीनियर रोहित कुशवाहा सहित एन यू एल एम शाखा के सभी कर्मचारी उपस्थित थे।

शिक्षा नगर स्कूल में स्मार्ट फर्नीचर के लिए टेंडर प्रक्रिया पूर्ण

इको फ्रेंडली माहौल में स्मार्ट क्लासेस से स्मार्ट बनेंगे छात्र

सत्ता सुधार ■ ग्वालियर

ग्रीन बिल्डिंग कॉन्सेप्ट के तहत स्मार्ट सिटी द्वारा 14 करोड़ रुपए की लागत से बनवाए जा रहे शिक्षा नगर स्कूल की स्मार्ट क्लासेस में स्मार्ट फर्नीचर लगाया जाना है, जिसके लिए टेंडर प्रकिया पूर्ण हो चुकी है, और लगभग तीन माह में स्कूल निर्माण का कार्य पूरा हो जाएगा। यहां बता दें कि स्मार्ट सिटी प्रबंधन पहले उक्त स्कूल में स्मार्ट फर्नीचर के लिए विभाग को ही फंड ट्रांसफर करने की तैयारी में था, लेकिन अब जो जानकारी आ रही है, उसके मुताबिक शिक्षा विभाग से ही स्मार्ट सिटी को फर्नीचर लगाने के आदेश हैं इसलिए टेंडर प्रक्रिया से इस शिक्षा नगर स्कूल के फर्नीचर का काम कराया जाएगा।

पर्यावरण संरक्षण का अनुपम उदाहरण

उक्त स्कूल काफी जर्जर स्थिति में था, लगभग 15 महीने पहले स्मार्ट सिटी ने इसके जीर्णोद्धार का काम शुरू किया था। जिसे 14 करोड़ रुपए की लागत से ग्रीन बिल्डिंग कॉन्सेप्ट के तहत तीन मंजिला भवन तैयार किया गया है। जो पर्यावरण संरक्षण का अनुपम उदाहरण है। क्योंकि अक्सर किसी भी नवनिर्माण के चलते पर्यावरण को नुकसान का खतरा बना रहता है, उस जगह पर लगे पेड़- पौधों को हटाने की तस्वीर सामने आती है, लेकिन यहां 50 वर्ष से अधिक पुराने घने वृक्षों को उनके मूल स्थान पर ही संरक्षित करके स्कूल भवन का निर्माण किया गया है।

पर्यावरण संरक्षण को देखते हुए इस स्कूल के निर्माण में विशिष्ट प्रावधान किए गए हैं। जो निम्नानुसार हैं।

- ग्रीन बिल्डिंग कॉन्सेप्ट
- ऊर्जा बचत।
- जल संरक्षण।
- प्राकृतिक प्रकाश की व्यवस्था
- आधुनिक फायर सिस्टम
- बच्चों व स्टाफ के लिए आरओ वाटर की सुविधा
- प्रदूषण और अष्ट (कचरा) में कमी के उपाय
- पर्यावरण अनुकूल भवन निर्माण सामग्री का उपयोग
- सस्टेनेबल बिल्डिंग स्ट्रक्चर इस्तेमाल
- कमरों को हीटिंग और ठंड से बचाने के लिए विशेष डिजाइन
- नए डिजाइन के अनुसार ड्रेनेज व्यवस्था
- ग्रीनरी के माध्यम से प्रदूषण पर नियंत्रण

इको फ्रेंडली माहौल में स्मार्ट क्लासेस और स्मार्ट फर्नीचर

स्मार्ट सिटी सीओ नीतू माथुर ने बताया कि शिक्षा नगर स्कूल को इको फ्रेंडली स्वरूप दिया गया है। निर्माण पूर्ण होने पर यहां विद्यार्थियों को स्मार्ट क्लासरूम के साथ ही आधुनिक और बेहतर सुविधाओं सहित पर्यावरण संरक्षण की भी सीख मिल सकेगी। शिक्षा नगर स्कूल में लगाए जाने वाले स्मार्ट फर्नीचर के अंतर्गत स्मार्ट बोर्ड और प्रोजेक्टर सपोर्ट से शिक्षा दी जाएगी, जिससे सरकारी स्कूल के बच्चे भी इंटरनेट की दुनिया की जानकारी लेकर स्मार्ट छात्र बनेंगे।

पर्यावरण प्रदूषण और ऊर्जा स्त्रोतों का भी रखा गया ख्याल

स्मार्ट स्कूल परिसर के भीतर और इसके चारों तरफ लगभग 50 से अधिक घने वृक्षों को संरक्षित किया गया है। जिसमें काफी पुराने नीम, बरगद, शीशम सहित अन्य प्रकार के छोटे-बड़े वृक्ष हैं, इसलिए स्कूल का निर्माण ग्रीन बिल्डिंग कॉन्सेप्ट के तहत किया गया है। निर्माण के समय ऊर्जा बचत, जल संरक्षण, प्राकृतिक प्रकाश आदि का विशेष ध्यान रखा गया है।

इनका कहना है

लक्ष्मी नगर स्कूल को ग्रीन बिल्डिंग कॉन्सेप्ट के तहत स्मार्ट सिटी के द्वारा तैयार किया गया है, स्मार्ट फर्नीचर के लिए टेंडर प्रक्रिया के अंतर्गत जल्द ही टेंडर निकाले जाएंगे। फर्नीचर का काम पूरा होते ही स्कूल शिक्षा विभाग को सौंप दिया जाएगा।

नीतू माथुर
सीईओ, स्मार्ट सिटी

रोमांचकारी मैच में तानसेन क्रिकेट अकादमी एक विकेट से जीती

सत्ता सुधार ■ ग्वालियर

गार्डन स्क्वायर खेल मैदान पर आयोजित तानसेन अकादमी ए अंडर-12 और तानसेन अकादमी बी अंडर-12 के बीच मैच हुआ। जिसमें तानसेन अकादमी ए के कप्तान वंश खैनवार ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया। यह निर्णय जब गलत साबित हुआ, जब मात्र 20 रन पर तानसेन अकादमी ए के पांच खिलाडी आउट हो गये। उसके बाद आये कप्तान वंश खैनवार ने धैर्यपूर्वक 33 रन की संघर्ष पूर्ण पारी खेली। उनके साथ अर्नव कुमार 10 रन, सम्राट जादौन 9 रन, रूरांश शर्मा ने 6 रन बनाये। तानसेन अकादमी बी की ओर से कप्तान आयन खैनवार ने घातक गेंदबाजी करते हुए 5 विकेट लिए। हरमीत यादव 2 विकेट, तरुण 2 विकेट, अर्पन ने 1 विकेट लिया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी तानसेन अकादमी बी के विकेट कीपर बल्लेबाज तेज़ तोमर ने नाबाद अर्धशतकीय पारी खेलकर इस रोमांचकारी मैच मे तानसेन अकादमी को 1 विकेट से विजय बनाया। तेज के अलावा विराट ने भी 16 रन की समझदार भरी पारी खेली। उनका साथ अनिरुद्ध 8 रन ने दिया। अयान खैनवार 5 विकेट और तेज तोमर नाबाद 51 रन को संयुक्त मैन ऑफ दी मैच का पुरुस्कार मिला। बेस्ट बॉलर तानसेन अकादमी ए के भरत मोदी 3 विकेट और बेस्ट फील्डर को अर्नव कुमार को दिया गया।

पूर्व विधायक रमेश अग्रवाल के पौत्र के विवाह पर पीएम मोदी, अमित शाह ने दिया आशीर्वाद

सत्ता सुधार ■ ग्वालियर

अहमदाबाद में विगत 27 नवम्बर को पूर्व विधायक रमेश अग्रवाल के पौत्र व संजय गर्ग के पुत्र रिषभ का शुभ विवाह जलपा के साथ सम्पन्न हुआ। वर-वधू को आशीर्वाद देने के लिए देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने निवास प्रधानमंत्री आवास नई दिल्ली पर नव दंपत्ति एवं परिजनों को आमंत्रित कर वर-वधू को आशीर्वाद दिया। इस अवसर पर देश के गृहमंत्री अमित शाह ने भी अपने निवास नई दिल्ली पर वर-वधू को आमंत्रित किया और आशीर्वाद दिया। गुजरात के मुख्य मंत्री भूपेन्द्र पटेल ने भी अहमदाबाद में विवाह समारोह में उपस्थित होकर वर-वधु को आशीर्वाद दिया। पूर्व विधायक रमेश अग्रवाल के पौत्र का विवाह विधायक कौशिक कुमार जैन की पुत्री जलपा के साथ सम्पन्न हुआ था। जो कि वर्तमान में भाजपा से गुजरात दरियापुर के विधायक है।

भाई ने ही पीट- पीटकर तोड़ डाला दांत

ग्वालियर। आपसी रंजिश के चलते जड़ेरूआ बांध निवासी अमित चौहान से सगा भाई राजा चौहान अपने दोस्त टिंकू चौहान के साथ मिलकर गाली- गलौज करने लगा। अमित के विरोध करने पर दोनों ने उसे इतना पीटा, कि उसका दांत टूट गया। यह देख आरोपी उसे जान से मारने की धमकी देते हुए भाग निकले। जिसके बाद पीड़ित ने मुरार थाने पहुंचकर इसकी शिकायत की। जहां पुलिस द्वारा आरोपियों के खिलाफ बीएनएस की धारा 296, 115(2), 117(2), 351(3) व 3(5) के तहत एफआईआर दर्ज कर ली गई है।

नशा चढ़ा तो याद आई दोस्त को दी सात साल पुरानी उधारी

ग्वालियर। दो युवकों को शराब का नशा चढ़ा, तो सुरूर में दोस्त को सात साल पहले उधार दिए पैसों की याद आ गई। जिस पर उन्होंने उसी वक्त उसे कॉल करके गाली- गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दे डाली। उनकी इस हरकत से घबराए युवक ने सिरोल थाने में इसकी शिकायत की है, जहां पुलिस द्वारा आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर मामले की विवेचना की जा रही है। विंडसर हिल्स निवासी नितिन श्रीवास्तव ने सिरोल थाने में शिकायत की है, कि रविवार शाम साढ़े सात बजे के लगभग नरेंद्र सिंह तोमर व योगेश सिकरवार ने उसके मोबाइल पर कॉल किया। उसने कॉल रिसीव किया, तो दोनों उसे वर्ष 2017 में उधार दिए पैसों की बात याद दिलाते हुए गाली- गलौज करने लगे। उसने कहा कि इतनी पुरानी बात अब क्यों कर रहे हो, इस पर आरोपियों द्वारा उसे जान से मारने की धमकी दी जाने लगी। उनकी धमकी से घबराए नितिन ने तत्काल थाने पहंचकर वहां मौजूद पुलिसकर्मियों को पूरी आपबीती सुनाई। सिरोल टीआई आलोक सिंह भदौरिया ने बताया कि फरियादी की शिकायत पर दोनों आरोपियों के खिलाफ बीएनएस की धारा 296, 351 व 351(2) के तहत एफआईआर दर्ज कर मामले की पड़ताल की जा रही है।

महापौर कल करेंगीं ''महापौर लोकमंत्रणा''

ग्वालियर। महापौर डॉ शोभा सतीश सिंह सिकरवार द्वारा आमजनों की समस्याओं से रूबरू होकर उनका निराकरण समय सीमा में करने के उद्देश्य से 5 दिसम्बर 2024 को दोपहर 12.00 बजे से 2.00 बजे तक निगम मुख्यालय पर महापौर लोकमंत्रणा करेंगीं। इस कार्यक्रम के तहत महापौर निगम के विभागीय अधिकारियों के साथ बैठकर आम जनों की समस्यायें सुनकर और उनका मौके पर निराकरण भी कराएंगीं। सिटीसेन्टर स्थित निगम मुख्यालय के सभागार में ''महापौर लोकमंत्रणा'' कार्यक्रम के तहत आमजनों द्वारा जो समस्या बताई जाएगी उनको पंजीबद्ध कर निराकरण किया जायेगा। साथ ही जिन समस्याओं का निराकरण समय सीमा में किया जाता है। उनके लिये निराकरण के पश्चात संबंधित आवेदक को निराकरण के संबंध में जानकारी भी दी जावेगी।

12 सीनियर टीमों के बीच हुआ रोमांचक मुकाबला विजयी प्रतिभागियों को मिले नकद पुरस्कार

दो दिवसीय अस्मिता रग्बी लीग का समापन

सत्ता सुधार ■ ग्वालियर

रग्बी फुटबाल एसोसिएशन ग्वालियर एवं जीवाजी विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में विश्वविद्यालय के फुटबाल मैदान में आयोजित दो दिवसीय अस्मिता रग्बी लीग का मंगलवार को समापन हुआ। समापन समारोह के मुख्य अतिथि क्रीड़ा भारती के प्रदेश अध्यक्ष दीपक सचेती थे। अध्यक्षता पुलिस अधीक्षक लोकायुक्त राजेश मिश्रा ने की। जिला रग्बी फुटबाल एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. केशव पाण्डेय ने अध्यक्षीय उद्बोधन के साथ ही लीग की जानकारी दी। इस मौके पर प्रतियोगिता में विजयी रही टीमों को पुरस्कृत किया गया। प्रथम स्थान पर रही नर्मदापुरम टीम को 50 हजार रुपए का नकद पुरस्कार प्रदान किया। जबकि द्वितीय स्थान पर रही शाजापुर और तृतीय स्थान वाली देवास की सेंडी अकेडमी को क्रमशः 30 व 20 हजार रुपए नकद प्रदान किए गए।

खिलाड़ी में हो विनम्रताः मिश्रा

मुख्य अतिथि सचेती ने कहा कि खेल भावना से खेलने वाले खिलाड़ी को जीतने का मोह नहीं होता और न ही हारने पर दुःख। खिलाड़ी को किसी भी तरह के दबाव में नहीं होना चाहिए। अध्यक्षता कर रहे है लोकायुक्त एसपी मिश्रा ने कहा कि खेलों से बच्चों का शारीरिक विकास होता है। खिलाड़ियों को हार से निराश नहीं होना चाहिए। जीत और हार को विनम्रता से स्वीकार करना, भावनाओं को नियंत्रित करना और टीम के साथियों का समर्थन करना सच्ची खेल भावना है, जिस खिलाड़ी में यह गुण होता है वह महान बन जाता है, क्योंकि खिलाड़ियों को महान बनाती है खेल भावना। कार्यक्रम का संचालन भूपेंद्र कांत ने तथा आभार व्यक्त डॉ. शव पाण्डेय ने किया।

ये रहे मौजूद

इस दौरान मध्यप्रदेश रग्बी फुटबाल एसोसिएशन के सचिव अबरार अहमद शेख, कार्यपरिषद सदस्य प्रदीप शर्मा, रग्बी इंडिया टूर्नामेंट मैनेजर विकास चौरसिया, ऑपरेशन मैनेजर शत्रुजीत दलाई, साईं की सीनियर कोच शर्मिला तेजावत, असिस्टेंट कोच प्रियंका अवस्थी, सीनियर क्रिकेट कोच अरुण कुमार सिंह, मध्य प्रदेश रग्बी के टेक्नीकल डायरेक्टर संदीप जाधव, डॉ. एसपी श्रीवास्तव, उपाध्यक्ष डॉ. आदित्य भदौरिया, वर्षा शर्मा, केदारनाथ गोयल एवं राजेश सिंह कुशवाह मौजूद थे।

समाज में दिव्यांग व्यक्तियों के प्रति अधिक सहानुभूति और समर्थन देने की आवश्यकता: शैलेन्द्र बरुआ

रमन शिक्षा समिति के बच्चों ने एक बार फिर फहराया परचम

सत्ता सुधार ■ ग्वालियर

सामाजिक न्याय एवं दिव्यांग सशक्तिकरण विभाग द्वारा विश्व विकलांग दिवस का आयोजन अटल बिहारी बाजपेयी अंतर्राष्ट्रीय खेल प्रशिक्षण केन्द्र, ट्रिपल आईटीएम कॉलेज के सामने जलालपुर, मुरैना रोड में किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि मध्यप्रदेश पाठ्य पुस्तक निगम के पूर्व अध्यक्ष शैलेन्द्र बरुआ थे। कार्यक्रम का आरंभ मां सरस्वती का पूजन एवं दीप प्रज्ज्वलित किया गया। तत्पश्चात मुख्य अतिथि द्वारा मार्च पास्ट को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि शैलेन्द्र बरुआ ने कहा कि आज हम विश्व दिव्यांग दिवस मना रहे हैं। यह दिवस हमें दिव्यांगता के बारे में जागरूक करने और दिव्यांग व्यक्तियों के अधिकारों की रक्षा करने के लिए प्रेरित करता है। दिव्यांगता किसी भी व्यक्ति को प्रभावित कर सकती है, चाहे वह शारीरिक, मानसिक, या संवेदनशील हो। यह हमें अपने समाज में दिव्यांग व्यक्तियों के प्रति अधिक सहानुभूति और समर्थन देने की आवश्यकता की याद दिलाता है। हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि हमारा समाज दिव्यांग व्यक्तियों के लिए सुलभ और समावेशी हो। हमें उनके अधिकारों की रक्षा करनी होगी और उन्हें समाज में पूर्ण भागीदारी करने के अवसर प्रदान करने होंगे। इस अवसर पर विभिन्न खेलकूद प्रतियोगिताओं एवं सांस्कृतिक गतिविधियों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के समापन व पुरस्कार वितरण कार्यक्रम में समाजसेवी कृष्णपाल सिंह कुशवाह, भाजपा के जिला सत्कार प्रभारी सुघर सिंह पवैया, समाजसेवी हरिओम गौतम, संयुक्त संचालक सामाजिक न्याय विभाग श्रीमती कृति दीक्षित, राज्य शिक्षा केन्द्र की एपीसी कृष्णा अग्रवाल ने विजयी प्रतिभागियों को पुरस्कार प्रदान किये।

ऑपरेशन मुस्कानः घर से लापता बालक डबरा रेलवे स्टेशन से किया बरामद

बेटे को सकुशल वापस पाकर परिजनों ने पुलिस टीम का जताया आभार

ग्वालियर। गुमशुदा बालक- बालिकाओं की तलाश के लिए एसपी धर्मवीर सिंह के निर्देश पर ऑपरेशन मुस्कान चलाया जा रहा है। जिसके तहत पिछोर थाना पुलिस ने घर से लापता बालक को पांच दिन की मशक्कत के बाद डबरा रेलवे स्टेशन से बरामद कर लिया है। जिसे उसके परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया है। जिन्होंने उसे सकुशल वापस पाकर पुलिस टीम का आभार जताया है। दरअसल बीती 28 नवंबर पिछोर थाने में क्षेत्र की रहने वालल विलकिश बेगम ने शिकायत की थी, कि उसका नाबालिग बेटा बीती 25 नवंबर को घर से बिना बताए कहीं चला गया है। चूंकि मामला नाबालिग से जुड़ा था, जिससे पुलिस ने नियमानुसार अज्ञात आरोपी के खिलाफ अपहरण की एफआईआर दर्ज कर बालक की तलाश शुरू कर दी थी। इसी बीच मंगलवार दोपहर पुलिस को मुखबिर के जरिए सूचना मिली कि उक्त बालक डबरा रेलवे स्टेशन पर देखा गया है। इस पर पुलिस टीम तत्काल डबरा रेलवे स्टेशन पहुंची और बालक को अपनी कस्टडी में ले लिया। जिसने पूछताछ में घर से स्वेच्छा से चले जाने की बात कहते हुए किसी प्रकार की आपराधिक गतिविधि से इंकार किया है। उक्त कार्रवाई में पिछोर टीआई बलविंदर ढिल्लन, एसआई हरिकेश बघेल, महिला आरक्षक कविता और मोनिका की सराहनीय भूमिका रही।

जीआरएमसी की छात्राओं को किया जागरूक

ग्वालियर। गजराराजा चिकित्सा महाविद्यालय की डीएसआरसी काउंसलर रजिया बानो एवं ओआरडब्ल्यू गीता सूर्यवंशी ने मंगलवार को महाविद्यालय में छात्राओं को एचआईवी के प्रति जागरूक किया। उन्होंने बताया कि इस वर्ष अधिकारों की राह अपनाएं-मेरा स्वास्थ्य, मेरा अधिकार) थीम का तात्पर्य यह है कि स्वास्थ्य प्रत्येक व्यक्ति का अधिकार है। यदि प्रत्येक व्यक्ति के अधिकारों की रक्षा की जाए तो एड्स महामारी को विश्व से समाप्त किया जा सकता है।

कार्यालय नगर पालिका निगम सागर

ऑनलाइन निविदा सूचना संशोधन

दिनांक - 02/12/2024

नगर पालिक निगम सागर द्वारा ऑनलाईन निविदा सूचना क्रमांक/लोककर्म/न.नि./2024/26/ सागर दिनांक 02.12.2024 के टेंडर क्रमांक 2024_UAD_385338_1-02-12-2024 में कार्य का नाम-लक्ष्मीपुरा वार्ड सरस्वती मंदिर से बड़े शंकर जी मंदिर तक नाली एवं सड़क निर्माण कार्य की लागत रू. 11,72,522=00 है। जो त्रुटिवश रू. 1,11,72,522=00 प्रकाशित हो गई है। अतः सही रू. 11,72,522=00 पढ़ा जावे। शेष यथावत्

आयुक्त
नगर पालिका निगम सागर

कार्यालय थाना प्रभारी थाना टीलाजमालपुरा नगरीय पुलिस भोपाल (म.प्र.)

क्र./थाप्रा./टीला/भो./गुम.इ./डी- 755/ 2024 दिनाँक-27/11/2024

जाहिर सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि थाना टीलाजमालपुरा भोपाल का गुम इंसान क्र. 67/2024 में गुमशुदा रागी सक्सेना पिता विनोद सक्सेना उम्र 31 साल निवासी मनं. 67 राम मंदिर के पास थाना टीलाजमालपुरा भोपाल (म.प्र.) जिसका हुलिया रंग- गोरा, चेहरा-गोल, कद- 05 फिट, बदन-इकहरा, जो नीले रंग की जींस पेंट, क्रीम कलर की टॉप, पैर में चप्पल पहने है जो दिनाँक 27/11/2024 को घर से बिना बताये कहीं चला गयी है जिसकी माँ सीमा सक्सेना की रिपोर्ट पर थाने पर गुम इंसान प्रकरण पंजीबद्ध कर जाँच में लिया गया है। जिसका फोटो उपरोक्तानुसार है। यदि यह लड़की कहीं मिलती अथवा दिखायी देती है या किसी व्यक्ति को कोई जानकारी है तो थाना टीलाजमालपुरा भोपाल में सम्पर्क कर सूचित करें अथवा दूरभाष क्र. 7587601815 या जाँच कर्ता कार्यवाहक प्र.आर. 807 नरेश कुमार के मोबाइल नम्बर 7587601751 पर सम्पर्क कर सूचित करें।

थाना प्रभारी
थाना टीलाजमालपुरा
नगरीय पुलिस भोपाल
मो.नं. 9749990595

G-19775/24

सत्ता न्यूज | वरिष्ठ पत्रकारों का होगा सम्मान

प्रेस क्लब में मनाया जाएगा पूर्व प्रधानमंत्री वाजपेयी का जन्मदिन

सत्ता सुधार ■ ग्वालियर

ग्वालियर के सपूत, वरिष्ठ पत्रकार और पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी का जन्मदिन 25 दिसंबर को फूलबाग स्थित प्रेस क्लब परिसर में हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा। इस अवसर पर दो वरिष्ठ पत्रकारों का सम्मान भी किया जाएगा। यह निर्णय मंगलवार को आयोजित ग्वालियर प्रेस क्लब और मध्यप्रदेश पत्रकार संघ की संयुक्त तत्वाधान में आयोजित बैठक में लिया गया। बैठक में पत्रकारों से जुड़े कई अन्य विषयों पर भी चर्चा की गयी। बैठक में उपस्थित पत्रकारों ने श्रद्धा निधि, अधिमान्यता से जुड़े नियमों का सरलीकरण किए जाने को लेकर व्यापक विचार विमर्श करते हुए निर्णय लिया कि इसकी रूपरेखा शीघ्र ही तैयार करके दोनों ही विषयों को लेकर पत्रकार मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपेंगे। बैठक में पूर्व प्रधानमंत्री स्व. वाजपेयी की प्रतिमा प्रेस क्लब में स्थापित करने, उनका जन्मदिन 25 दिसंबर हर्षोल्लास से मनाये जाने और इस अवसर पर दो वरिष्ठ पत्रकारों का सम्मान किए जाने का भी निर्णय लिया गया। पत्रकारों ने इसके लिए आयोजन समिति का गठन किए जाने का भी निर्णय लिया। बैठक में तय किया गया कि आयोजन समिति के सदस्य यथाशीघ्र इस आयोजन की रूपरेखा तैयार करेंगे। इस आयोजन के पूर्व साधारण सभा कि बैठक आयोजित करने का भी निर्णय लिया गया। बैठक में पत्रकारों ने वर्ष 2025 में आयोजित किए जाने वाले कार्यक्रमों का विस्तृत कैलेंडर तैयार करने पर भी चर्चा के साथ ही वर्ष 2024 में आयोजित किए गए कार्यक्रमों कि समीक्षा भी की गयी। बैठक में प्रेस क्लब अध्यक्ष राजेश शर्मा, मध्यप्रदेश पत्रकार संघ के संभागीय अध्यक्ष ब्रजमोहन शर्मा, जिलाध्यक्ष दीपक तोमर, सोशल मीडिया अध्यक्ष प्रवीण दुबे, फोटो जर्नलिस्ट अध्यक्ष राजेश जायसवाल, वरिष्ठ पत्रकार डॉ. सुरेश सम्राट, राकेश अचल, बच्चन बिहारी, सुरेश डंडोतिया, जोगेंद्र सेन, हरीश चंद्रा, ब्रजराज तोमर, आनंद त्रिवेदी, रवि उपाध्याय, जयदीप सिकरवार, रघुवीर कुशवाह, मुकेश बाथम, रवि यादव, विक्रम प्रजापति, उपेन्द्र तोमर, विष्णु अग्रवाल, प्रमोद शिंदे सहित अन्य पत्रकार उपस्थित थे।

महापौर डॉ. सिकरवार ने सौंपे अनुकंपा नियुक्ति पत्र

ग्वालियर। महापौर डॉ. शोभा सतीश सिंह सिकरवार ने मंगलवार को नगर निगम के प्रशासनिक भवन में निगम परिवार के 15 दिवंगत के परिजनों को अनुकंपा नियुक्ति पत्र सौंपें और कहा कि अब आप निगम परिवार का हिस्सा बन चुके हो, अपना कार्य पूरी ईमानदारी से करें। इस अवसर पर नगर निगम आयुक्त अमन वैष्णव, अपर आयुक्त मुनीश सिंह सिकरवार, अपर आयुक्त वित्त श्रीमती रजनी शुक्ला सहित अन्य संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। महापौर डॉ. सिकरवार द्वारा सहायक वर्ग 3 श्रीमती पूजा सक्सैना पुत्री अवनीश सक्सेना, सहायक वर्ग 3 रवि सिंह अहिरवार पुत्र देशराज अहिरवार, उप स्वच्छता पर्यवेक्षक आबिद खान पुत्र अशफाक खान, उप स्वच्छता पर्यवेक्षक प्रदीप सेन पुत्र लक्ष्मी नारायण सेन, बालमुकुंद को अनुकंपा नियुक्ति पत्र सौंपे गए।

ब्रीफ न्यूज

सीरियाई सेना का दावा, हमले में 400 से ज्यादा आतंकवादी ढेर

दमिश्क। सीरियाई सेना ने ऐलान किया है कि उसने उत्तरी प्रांतों अलेप्पो और इदलिब में विद्रोही बलों के खिलाफ अभियान तेज कर दिया है। सेना ने दावा किया कि रूसी सेना के सहयोग से पिछले 24 घंटों में 400 से ज्यादा आतंकवादी मारे गए हैं। मीडिया रिपोर्ट में सेना और सशस्त्र बलों के जनरल कमांड द्वारा जारी एक बयान में कहा गया है कि यह टार्गेटेड हवाई, मिसाइल और तोपखाने के हमलों में आतंकवादियों के पांच कमांड सेंटर और सात गोला-बारूद डिपो तबाह कर दिए गए हैं। बयान में कहा गया है कि पिछले 24 घंटों में हमारे सशस्त्र बलों ने सीरिया में रूस के सैनिकों के साथ मिलकर अलेप्पो और इदलिब के ग्रामीण इलाकों में आतंकवादियों के ठिकानों, उनके गोदामों, आपूर्ति लाइनों और आवागमन के मार्गों पर हवाई, मिसाइल और तोपखाने से हमले किए हैं।

नेपाल सरकार ने चीन से दो करोड़ अमेरिकी डॉलर की अनुदान सहायता स्वीकार की

काठमांडू। प्रधानमंत्री के.पी. शर्मा ओली की चीन यात्रा से पहले इस देश से अनुदान सहायता के रूप में दो करोड़ अमेरिकी डॉलर की परियोजनाएं स्वीकार की हैं। प्रधानमंत्री के तौर पर चौथी बार पदभार ग्रहण करने के बाद यह ओली की पहली चीन यात्रा है। नेपाल के प्रधानमंत्री ओली सोमवार को चीन की चार दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर रवाना हुए। काठमांडू । नेपाल सरकार ने प्रधानमंत्री के.पी. शर्मा ओली की चीन यात्रा से पहले इस देश से अनुदान सहायता के रूप में दो करोड़ अमेरिकी डॉलर की परियोजनाएं स्वीकार की हैं। प्रधानमंत्री के तौर पर चौथी बार पदभार ग्रहण करने के बाद यह ओली की पहली चीन यात्रा है।

बाइडन प्रशासन ने भारत को 1.17 अरब डॉलर के हेलीकॉप्टर उपकरण की बिक्री को मंजूरी दी

एजेंसी ■ वाशिंगटन

अमेरिका में राष्ट्रपति जो बाइडन के प्रशासन ने कांग्रेस (अमेरिका की संसद) को अधिसूचित किया कि उसने 'एमएच-60आर मल्टी-मिशन हेलीकॉप्टर इक्यूपमेंट' और संबंधित उपकरणों की बिक्री को मंजूरी देने का फैसला किया है जिसकी अनुमानित लागत 1.17 अरब अमेरीकी डॉलर है।

रक्षा सुरक्षा सहयोग एजेंसी ने 'कांग्रेस' को एक अधिसूचना में बताया कि उपकरणों की बिक्री की प्रस्तावित योजना, भारत की पनडुब्बी रोधी युद्ध क्षमताओं का उन्नयन कर वर्तमान और भविष्य के खतरों को रोकने की क्षमता में सुधार करेगी। बाइडन प्रशासन ने भारत को प्रमुख रक्षा उपकरणों की बिक्री की मंजूरी अपने चार साल के कार्यकाल के पूरा होने से कुछ सप्ताह पहले दी है। पांच नवंबर को हुए राष्ट्रपति चुनाव में जीत हासिल करने के बाद डोनाल्ड ट्रंप 20 जनवरी 2025 को अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति के रूप में शपथ लेंगे। अधिसूचना के अनुसार, भारत ने 30 'मल्टीफंक्शनल इन्फॉर्मेशन डिस्ट्रीब्यूशन सिस्टम-जॉइंट टेक्टिकल रेडियो सिस्टम्स' (एमआईडीएस-जेटीआरएस) खरीदने का प्रस्ताव रखा है। इस बिक्री में मुख्य रूप से अनुबंध 'लॉकहीड मार्टिन रोटरी और मिशन सिस्टम' के साथ होगा। इसमें कहा गया है कि इसके कार्यान्वयन के वास्ते तकनीकी सहायता और प्रबंधन निरीक्षण के लिए अस्थायी आधार पर अमेरिका की सरकार 20 या अनुबंध में शामिल कंपनियों के 25 प्रतिनिधियों की भारत की यात्रा की जरूरत होगी।

ट्रंप के राष्ट्रपति पद संभालने से पहले बंधकों को तत्काल रिहा करें

अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हमास को धमकी दी है। ट्रंप ने कहा कि अगर जनवरी 2025 में उनके राष्ट्रपति पद संभालने से पहले इजराइली और अन्य बंधकों को रिहा नहीं किया तो इसके गंभीर परिणाम होंगे। ट्रंप ने अपने ट्रुथ सोशल पर लिखा- हर कोई बंधकों के बारे में बात कर रहा है जिन्हें मध्य पूर्व में अमानवीय परिस्थितियों में रखा गया है, लेकिन सिर्फ बातें हो रही हैं, कोई ठोस कार्रवाई नहीं। उन्होंने कहा कि अगर 20 जनवरी 2025 से पहले बंधकों को रिहा नहीं किया गया, तो मध्य पूर्व को नर्क का सामना करना होगा। जो इन अत्याचारों के लिए जिम्मेदार हैं, उन्हें अमेरिका के इतिहास में सबसे कठोर सजा दी जाएगी। बता दें 7 अक्तूबर 2023 को हमास ने इजरायल पर बड़े पैमाने पर हमला किया था, जिसमें 250 से ज्यादा लोगों को बंधक बनाकर गाजा ले जाया गया।

खलीदा के बेटे ने कहा-अगर हत्याएं जारी रहीं तो यह सरकार नहीं टिक पाएगी

शेख हसीना ने की रहमान की तारीफ, यूनुस को हटाने दुश्मन से मिला सकती हैं हाथ!

एजेंसी ■ ढाका

बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार रुकवाने के लिए पूर्व पीएम शेख हसीन सक्रिय हो गई हैं। इस वक्त शेख हसीना भारत में रह रहीं हैं। यहीं से वह बांग्लादेश की स्थिति पर नजर रखे हुए हैं। शेख हसीना ने बांग्लादेश में हिंदू समुदाय पर हो रहे हमले के लिए वहां की अंतरिम सरकार के मुखिया मोहम्मद यूनुस को जिम्मेदार ठहराया है। उन्होंने कहा कि यूनुस जनसंहार करवा रहे हैं। इस कारण देश में अराजकता की स्थिति पैदा हो गई है। अपनी पार्टी अवामी लीग के एक कार्यक्रम को वर्चुअली संबोधित करते हुए शेख हसीना ने कहा कि देश में अल्पसंख्यकों पर हो रहे हमले के लिए मोहम्मद यूनुस जिम्मेदार हैं। उन्होंने कहा कि मेरे ऊपर जनसंहार के आरोप लगाए गए जबकि सच्चाई यह है कि यूनुस कट्टरपंथी छात्र नेताओं के साथ मिलकर जनसंहार करवा रहे हैं। तारिक रहमान ने लंदन से कहा है कि अगर हत्याएं जारी रहती हैं तो यह सरकार नहीं टिक पाएगी। अब शेख हसीना की ओर से रहमान की तारीफ के कई मायने निकाले जा रहे हैं। तारिक रहमान पूर्व पीएम शेख हसीना और बीएमपी नेता खालिदा जिया के बेटे हैं। वह एक मामले में दोषी करार दिए जाने के बाद से लंदन में ही रह रहे हैं। हालांकि बीते एक दिसंबर को बांग्लादेश की हाईकोर्ट ने उन्हें उस मामले में बरी कर दिया। बीते दिनों भारत आ रहे इस्कॉन के कई पुजारियों को देश से निकलने से रोक दिया। इसी संदर्भ में शेख हसीना ने कहा कि आज बांग्लादेश में हिंदू ही नहीं अहमदिया, शिक्षक, पुलिस हर किसी पर हमले हो रहे हैं।

बॉलीवुड अभिनेत्री नरगिस की बहन आलिया फाखरी गिरफ्तार

न्यूयार्क। बॉलीवुड अभिनेत्री नरगिस फाखरी की बहन आलिया को अपने एक्स-बॉयफ्रेंड और उसकी गर्लफ्रेंड की हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। यह घटना न्यूयॉर्क में हुई। जहां आलिया पर अपने एक्स-बॉयफ्रेंड एडवर्ड जैकब्स और उसकी गर्लफ्रेंड अनास्तासिया एटिएन की हत्या का आरोप है। रिपोर्ट्स के मुताबिक आलिया ने जानबूझकर उनके घर के गैरेज में आग लगा दी, जिसमें दोनों की दुखद मृत्यु हो गई। आलिया फाखरी अपने एक्स-बॉयफ्रेंड एडवर्ड से पैचअप करना चाहती थीं, लेकिन एडवर्ड ने उनके साथ दोबारा रिश्ते में आने से इनकार कर दिया। अभियोजक के मुताबिक आलिया ने आग लगाने से पहले चिल्लाकर कहा कि तुम सब आज मरने वाले हो। गैरेज की दूसरी मंजिल पर एडवर्ड सो रहे थे और उसकी गर्लफ्रेंड एटिएन ने उन्हें बचाने की कोशिश की, लेकिन दोनों वहीं आग की लपटों में फंसकर मारे गए। आलिया पर फर्स्ट डिग्री मर्डर के चार और सेकंड डिग्री मर्डर के चार आरोप लगाए गए हैं। इसके अलावा उन पर आगजनी के भी आरोप हैं। यदि ये आरोप साबित हो जाते हैं तो आलिया को उम्रकैद की सजा हो सकती है। आलिया को 26 नवंबर को गिरफ्तार किया गया था और उनकी अगली सुनवाई 9 दिसंबर को होना है।

कश्मीर घाटी शीतलहर से कांपी: गुलमर्ग में हल्की बारिश, मुगल रोड पर बर्फबारी

एजेंसी ■ जम्मू/ श्रीनगर

तीन दिन से हो रही बर्फबारी के बाद से कश्मीर घाटी शीतलहर से कांप रही है। विश्व प्रसिद्ध पर्यटन स्थल गुलमर्ग में हल्की बारिश और मुगल रोड पर बर्फबारी हुई। गुलमर्ग का न्यूनतम तापमान माइनस 2.9 डिग्री सेल्सियस रहा। वहीं, बारिश न होने से जम्मू का मौसम खुश्क चल रहा है।

श्रीनगर में हल्के बादल छाए रहे और ठंडी हवाएं भी चलती रहीं। जम्मू संभाग में हल्की धूप खिली। सुबह धुंध छाई रही, जिससे स्कूल जाने वाले बच्चों और राहगीरों को परेशान होना पड़ा। मौसम विभाग के अधिकारी ने बताया कि बर्फबारी के बाद दिन के तापमान में भी गिरावट दर्ज हुई है। तापमान सामान्य से नीचे दर्ज किया गया है, जबकि रात को बादल छाए रहने से न्यूनतम तापमान में बढ़ोतरी दर्ज की गई है। उन्होंने बताया कि श्रीनगर का अधिकतम तापमान 11.8 डिग्री रहा, जो सामान्य से 0.7 डिग्री नीचे है। वहीं, न्यूनतम पारा माइनस 0.8 डिग्री रहा जो सामान्य से 0.4 डिग्री ऊपर है। जम्मू में अधिकतम पारा 25.4 और न्यूनतम 10.6 डिग्री दर्ज किया गया। पर्यटन स्थल पहलगाम में अधिकतम पारा 10.3 डिग्री रहा, जो सामान्य से 0.1 डिग्री नीचे है। न्यूनतम पारा माइनस 0.6 डिग्री रिकॉर्ड किया गया, जो सामान्य से 1.1 डिग्री ऊपर है। गुलमर्ग का अधिकतम तापमान 4.2 डिग्री जो सामान्य से 2.3 डिग्री नीचे रहा।

पर्वतीय इलाकों में मंगलवार को हल्की बारिश और बर्फबारी के आसार : मौसम विभाग श्रीनगर के अधिकारी ने बताया कि 3 दिसंबर की सुबह ऊंचाई वाले इलाकों में हल्की बारिश और बर्फबारी हो सकती है। 7 दिसंबर तक मौसम शुष्क रहेगा। 8 दिसंबर को फिर बारिश और हल्की बर्फबारी की संभावना है। फिर 10 दिसंबर तक मौसम शुष्क रहेगा।

मध्यप्रदेश सरकार बनी श्रमिकों का संबल

मुख्यमंत्री जनकल्याण (संबल) योजना अंतर्गत

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव

द्वारा

10,236 श्रमिक परिवारों को ₹225 करोड़ की अनुग्रह राशि का अंतरण

4 दिसम्बर, 2024 । मंत्रालय, भोपाल

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री | डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

संबल योजना में अब गिग वर्कर्स भी शामिल

- संबल योजना में 1 करोड़ 73 लाख से अधिक श्रमिक भाई-बहन पंजीयन करा चुके हैं।
- अब तक कुल 6 लाख 16 हजार से अधिक प्रकरणों में ₹5 हजार 626 करोड़ से अधिक का हितलाभ वितरण किया गया है।
- पंजीकृत श्रमिक की सामान्य मृत्यु पर ₹2 लाख, दुर्घटना मृत्यु पर ₹4 लाख की अनुग्रह सहायता।
- पंजीकृत श्रमिक की स्थायी अपंगता पर ₹2 लाख, आंशिक स्थायी अपंगता पर ₹1 लाख की सहायता।
- पंजीकृत श्रमिक व पंजीकृत श्रमिक के परिवार के सदस्य की मृत्यु होने पर ₹5 हजार की अंत्येष्टी सहायता।
- सभी संबल हितग्राहियों को आयुष्मान भारत निरामयम योजना अंतर्गत पात्र श्रेणी में चिन्हित किया गया है।
- संबल हितग्राहियों को रियायती दरों पर राशन की सुविधा।
- संबल हितग्राहियों के बच्चों को महाविद्यालय शिक्षा प्रोत्साहन योजना अंतर्गत महाविद्यालय (मेडिकल, विधि, इंजीनियरिंग, पॉलीटेक्निक आदि) में शिक्षा हेतु सम्पूर्ण शिक्षण शुल्क राज्य सरकार द्वारा वहन किया जाता है।
- पंजीकृत महिला श्रमिक व पुरुष श्रमिक की पत्नी को प्रसूति सहायता योजना अंतर्गत कुल 16 हजार की राशि की सहायता।

सीधा प्रसारण Webcast.gov.in/mp/cmevents @Cmmadhyapradesh @jansampark.madhyapradesh @Cmmadhyapradesh @jansamparkMP JansamparkMP

D-11108/24

मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी | आकल्पन : म.प्र. माध्यम/2024

जहां देखो वहीं जंग, फिर सुरक्षित कौन

यह तो सच है कि दुनियां कभी भी जंग से खाली नहीं रही। पहले कभी राज-पाट को लेकर राजा-महाराजा आपस में भिड़ते थे, लेकिन उसके बाद जो दो विश्वयुद्ध हुए उसमें दुनियां दो हिस्सों में बंटती नजर आई। इसी के साथ लोकतांत्रिक सरकारों का शानदार उदय हुआ, जिससे उम्मीद जागी कि अब युद्ध जैसे हालात नहीं बनेंगे और मिल-बैठकर समस्याओं का समाधान निकाल लिया जाएगा। पर अफसोस कि दुनियां के अनेक देश गृहयुद्ध जैसी स्थिति में खुद से ही जंग करते देखे गए। इसके अलावा कभी अंतर्राष्ट्रीय सीमाओं को लेकर तो कभी वैश्विक नीतियों को लेकर जंग जारी रही। इससे और आगे बढ़ें तो कभी दुनियां में आर्थिक बादशाहत कायम करने को लेकर तो कभी हथियारों की मंडी को कब्जियाने को लेकर जंग होती देखी गई। अब हालात इस कदर बदतर हो चले हैं कि जहां नजरें दौड़ाइये बेबजह ही जंग होती नजर जा जाती है। इसी तारतम्य में लंबे समय तक ईराक जंग में रहा, क्योंकि उस पर जैविक हथियार बनाने और छुपाए रखने का अंदेशा था। इस कथित जुर्म में ईराक प्रमुख सद्दाम हुसैन को फांसी के फंदे तक पहुंचाने वाले अमेरिका को कहां चैन मिली? इसके बाद अनेक मोर्चों समेत अफगानिस्तान में तालिबान ने किस तरह अमेरिका को हार मिली, यह किसी से छुपा नहीं है। अफगानिस्तान में पहले रुस को पस्त करवा चुके अमेरिका को इस बात का अंदाजा भी नहीं था कि उसे भी तालिबान से लड़ते-लड़ते एक दिन पस्त हो भागना पड़ सकता है। अपनी जिद की खातिर दूसरे देशों पर जंग लाजमी है जैसे हालात पैदा करने की कुनीति से दुनियां के अनेक देश दो-चार होते देखे गए। सीरिया का गृह युद्ध और उस पर अमेरिका और रुस जैसे देशों की कार्रवाई भी नजरअंदाज नहीं की जा सकती है। अब मौजूदा वक्त में मिडिल ईस्ट के इजराइल समेत लेबनान और ईरान भी लड़ते-भिड़ते नजर आ रहे हैं। हालांकि इजराइल के अलावा बाकी अन्य देश सीधे मोर्चे पर नहीं दिखते, लेकिन उनके मिलिटेंट ग्रुप जरुर अहम काम करते देखे जा रहे हैं। मानों इंसानीयत को ताक पर रख सभी मशीनी मानव एक-दूसरे के खून के प्यासे हो चले हैं। रूस और यूक्रेन की जंग को भी तीन साल होने को आ गए हैं, लेकिन कहीं से कोई शांति स्थापित होती दिखाई नहीं दे रही है, उल्टा परमाणु हथियारों के

इस्तेमाल की धमकी बहुतायत में दी जा रही है। अफ्रीकी देशों में भी गृह युद्ध जारी हैं। इसी बीच उत्तर कोरिया अलग ही स्तर पर आक्रामकता दिखाता नजर आता है। उत्तर कोरिया के प्रमुख नेता किम जोंग उन तो सीधे हमले की धमकी देते दिखते हैं और अमेरिका के खिलाफ सीना तान खड़े नजर आ जाते हैं। कुल मिलाकर दुनिया में इस समय जहां जंग का माहौल है तो वहीं भारी राजनैतिक उठापटक भी जारी है। बांग्लादेश जैसे छोटे-छोटे देशों में भी सत्ता को लेकर जंग जारी है। इस समय दुनिया के कई देशों में युद्ध छिड़ा हुआ है। हालात अस्थिर हैं इसलिए परमाणु हमले की भी आशंका जोर पकड़ती चली जा रही है।

मौत के संदेश में क्या सच है, राम ही जाने

विहाल ही में ब्लैक एंड वाइट विश्लेषण में आजतक टीवी में मौत के संकेत पहले मिल जाते है दिखाया गया और उसमें अस्पताल में एक मैना का संवाद भी दिखाया कि हम भी आ रहें हैं जैसा की मालूम होगा बिहार की लोक गायिका शारदा सिन्हा जिंदगी और मौत से जूझते हुए अपने जीवन के अंतिम दिनों में जब अस्पताल में थी तो का मंगलवार रात दिल्ली के एम्स अस्पताल में निधन हो गया। उन्हें कैंसर था। गायिका मल्टीपल मायलोमा नामक रक्त कैंसर से जूझ रही थीं, जिसने 2018 से उनके स्वास्थ्य को काफी प्रभावित किया है। उन्होंने छठ पूजा के पहले दिन यानि 5नवंबर 24को अंतिम सांस ली, यह दिन उनके प्रशंसकों के लिए विशेष रूप से उनके प्रतिष्ठित छठ महापर्व गीतों के कारण महत्वपूर्ण है।जहाँ तक मौत को जानने का संदेश मिलने की बात है यह कहीं विज्ञान ने सिद्ध तो नहीं किया है

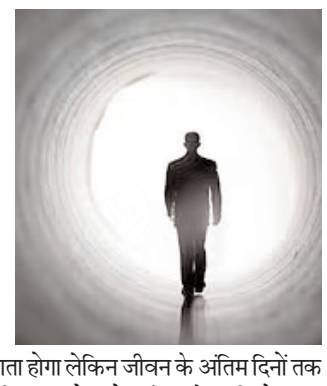

लेकिन कभी कदाल दिव्य मनुष्य को हो जाता होगा लेकिन जीवन के अंतिम दिनों तक केवल जिसे फांसी पर चढ़ाई जाती है उसे ही मालूम होता होगा ईश्वर ने सभी को समय पर जन्म व मौत उनके कर्मों के आधार पर मिलता है आखिर दिन क्या अंतिम समय तक स्थूल शरीर में जीवन की आस में मनुष्य रहता है ईश्वर ने सबको एक ही समय दिया है लेकिन इंसान गलतियां कर बैठता है और अकाल मौत हो जाता है यानि मौत भी दो प्रकार से होती है एक अकाल मौत दूसरा समयानुसार मौत, मौत तो जीवन का सत्य है लेकिन लोग जानकर भी अनजान बन जाते हैं, मैं एक बार इसी तरह काल के चक्र में फंसकर 2002 में अस्पताल में प्रभु राम की कृपा से बाहर निकला हूँ मुझे

संजय गोस्वामी

फरवरी 2002 में पटना से मुंबई आने के क्रम में काल ने पकड़ लिया था मैं ईश्वर को ही अपना सबकुछ मानता हूं घर परिवार आपका कुछ भी अपना नहीं है जिसे आप अपना मानते हैं वहीं आपके मरने पर जला देते हैं रोते हैं चिल्लाते हैं और फिर कुछ दिनों बाद भूलकर फिर माया के दलदल में धंसते चले जाते हैं मेरी मौत तो बहुत ही पहले तय थी आप 2002 का अस्पताल में पड़ा मौत और जीवन की जंग से लड़ रहा था देखें जब मैं टाइफाइड में कभी 104-105 डिग्री रूम से निचे जा ही नहीं रहा था करीब 1महीने हो गए डॉ ने लगभग सभी दवाई चलाई लेकिन क़ोई सूट नहीं कर रहा था उस उस समय एक ही सहारा मेरे माता-पिता थे जो खारघर से आते जाते थे जब एक महीने से ऊपर हो गया और उस समय न कुछ खा पा रहा था सिर्फ पानी चढ़ रहा था कोई भी दवा शुट नहीं कर रहा था बर्फ की सिल्ली से कुछ बाहर से बड़े बड़े डाक्टर को बुलाया गया अंत मेंजब डॉक्टर ने जबाव दे दिया डॉक्टर ने आठ मे हार मान ली क्योंकि उस समय जो वार्ड में शिफ्ट किया था वहां सब पटापट मर रहे थे सारे घर से आ गए थे डॉक्टर बोल दिया 2दिन के अंदर आपका लड़का चला जाएगा मैं ,चल नहीं पा रहा था उस समय आपकी स्थिति बड़ी विचित्र रहती उस समय मेरी नई शादी हुई थी और मेरी एक बच्ची हुई थी मैं सबका रोते रोते बुरा हाल था मैं बेहोश की अवस्था में था एक ही जिच अपने अंदर ध्यान किया था वो थे गुरु गोबिंदसिंहजी का ध्यान अचानक पैर हाथ सुन हो गए और एक का काली सी परछाई दिखाई देती है और आंख बंद हो रहा था यानि यमराज मेरी प्राण लेने के लिए कमरे में आया तो जरूर था लेकिन गुरु गोबिंदसिंह जी महाराज घोड़े पर सवार होकर आए थे और यमराज को भगा दिया आप इसे कुछ भी माने मैं तो मानता हूं एक अद्भुत सा प्रकाश मेरे खड़े से टकराती है और कुछ समय बाद कुछ ताकत सा आ गया।

डाक्टर ने निर्णय लिया अतः में एक दवाई चलाकर देखता हूं जो हाई एंटीबायोटिक था मोनोसेफ इंजेक्शन नस में पानी चढ़ने का ट्युब लगा था और उसी से दिया गया और धिरे धिरे सब दवा सुट करने लगा ओर कुछ दिनों बाद ठीक हुआ सपने में गुरु गोबिंदसिंह जी महाराज ने कहा कि अगर तुम इस दुनिया से चला जाता तो तुम्हारे? माता पिता का मेरे ऊपर से विश्वास उठ जाता ,मेरे टिचर डा शमशेर सिंह फिजिक्स पढ़ाते भक्त कुछ अच्छी बातें भी करते थे जैसे उन्होंने बताया कि एक राजा ने गुरु नानक देव को मारना चाहा पानी आग जब कुछ कर नहीं पाया तब पत्थर ही पत्थर उनके शरीर पर रख दिया और गुरु नानक देव जी पत्थर के ऊपर लेटे हुए थे और उसने क्षमा मांगी गुरु नानक देव जी ने उनसे कहा लंगर चला एक बार गुरु नानक देव जी मरे हुए हाथी को जिंदा कर देते हैं और फिर राजा के कहने पर उसे पुनः मौत दे देते हैं तभी राजा पुछता है अब आप इसे जिंदा क्यों नहीं कर रहे हैं गुरु जी कहते हैं यह प्रकृति का नियम है तो आया है वो जाएगा भी मैंने मालिक से फरियाद लगाई और जिंदा हो गया था?।अतः जो असमय मरते हैं उनकी आत्मा भटकती है जब तक जीवन का एक्सपायरी डेट ना पूर्ण हो जाए जब भी क़ोई दवाई बनाई जाती है तो बनाने का डेट तथा एक्सपायरी डेट भी लिखा होता है लेकिन कभी कभी बोतल हाथ से समय से पहले ही टूट जाती है और फिर कहीं ना कहीं उसका अस्तित्व रहता है उसी तरह अकाल मौत भी हो सकता है जैसे किसी महामारी की चपेट में आना, दुर्घटना का शिकार होना, आत्महत्या के वजह से होता है जो प्रेतयोनी में भटकता है जब तक उसकी आयु पूर्ण नहीं हो जाता है जिसका जिक्र रामायण के रचना करनेवाले गोस्वामी तुलसीदास से भी मिलता है जब तुलसीदास सुबह स्नान के लिए एक पानी का घड़ा लेकर वाराणसी के बाहर जंगल में जाते थे। शहर लौटने पर, वह बचा हुआ पानी एक निश्चित पेड़ को अर्पित करते थे।

निरंतर मजबूत हो रही है भारतीय नौसेना

योगेश कुमार गोयल

भारतीय नौसेना मुख्य रुप से तीन भागों (वेस्टर्न नेवल कमांड, ईस्टर्न नेवल कमांड तथा दक्षिणी नेवल कमांड) में बंटी है। वेस्टर्न नेवल कमांड का मुख्यालय मुंबई में, ईस्टर्न नेवल कमांड का विशाखापत्तनम में और दक्षिणी नेवल कमांड का कोच्चि में है। वेस्टर्न तथा ईस्टर्न कमांड ऑपरेशनल कमांड है, जो अरब सागर और बंगाल की खाड़ी को संभालती है जबकि दक्षिणी नेवल कमांड ट्रेनिंग कमांड है।

प्रतिवर्ष 4 दिसम्बर को भारतीय नौसेना के जांबाजों को याद करते हुए 'भारतीय नौसेना दिवस' मनाया जाता है। यह दिवस 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध में भारतीय नौसेना की शानदार जीत के जश्न के रूप में मनाया जाता है। दरअसल 3 दिसम्बर 1971 को पाकिस्तानी सेना ने हमारे हवाई और सीमावर्ती क्षेत्र में हमला कर दिया था। दुष्ट पाकिस्तान को उस हमले का मुहतोड़ जवाब देने के लिए पाकिस्तानी नौसेना के कराची स्थित मुख्यालय को निशाने पर लेकर 'ऑपरेशन ट्राइडेंट' चलाया गया था और भारतीय नौसेना की मिसाइल नाव तथा दो युद्धपोतों के आक्रमणकारी समूह ने कराची के तट पर जहाजों के समूह पर हमला कर दिया था। हमले में पाकिस्तान के कई जहाज और ऑयल टैंकर तबाह कर दिए गए थे।

भारतीय नौसेना का वह हमला इतना आक्रामक था कि कराची बंदरगाह पूरी तरह बर्बाद हो गया था और कराची तेल डिपो पूरे सात दिनों तक धू-धूकर जलता रहा था। तेल टैंकरों में लगी आग की लपटों को 60 किलोमीटर दूर से भी देखा जा सकता था। उस हमले में कराची हार्बर फ्यूल स्टोरेज तबाह होने के कारण पाकिस्तानी नौसेना की कमर टूट गई थी। भारतीय नौसेना द्वारा किए गए हमले में तीन विद्युत क्लास मिसाइल बोट, दो एंटी-सबमरीन और एक टैंकर शामिल थे और युद्ध में भारतीय नौसेना ने पहली बार जहाज पर मार करने वाली एंटी शिप मिसाइल से हमला किया था। ऑपरेशन ट्राइडेंट की सफलता के बाद भारत-पाकिस्तान युद्ध में जीत हासिल करने वाली भारतीय नौसेना की शक्ति और बहादुरी को सलाम करने के लिए 4 दिसम्बर को भारतीय नौसेना दिवस मनाने की शुरूआत हुई। नौसेना दिवस हर साल एक खास थीम के साथ मनाया जाता है और 2024 के नौसेना दिवस का विषय है 'नवाचार और स्वदेशीकरण के माध्यम से शक्ति और शक्ति'।

नौसेना दिवस समारोह में आयोजित किए जाने वाले कार्यक्रमों की योजना विशाखापट्टनम स्थित भारतीय नौसेना कमान द्वारा तैयार की जाती है। समारोह की शुरुआत युद्ध स्मारक पर पुष्प अर्पित करके की जाती है, उसके बाद नौसेना की पनडुब्बियों, जहाजों, विमानों आदि की ताकत और कौशल का प्रदर्शन किया जाता है। नौसेना के मुंबई स्थित मुख्यालय में इस अवसर पर नौसैनिक अपने शौर्य का प्रदर्शन करते हैं और गेटवे ऑफ इंडिया बीटिंग रीट्रिट सेरेमनी का आयोजन किया जाता है। भारतीय नौसेना मुख्य रुप से तीन भागों (वेस्टर्न नेवल कमांड, ईस्टर्न नेवल कमांड तथा दक्षिणी नेवल कमांड) में बंटी है। वेस्टर्न नेवल कमांड का मुख्यालय मुंबई में, ईस्टर्न नेवल कमांड का विशाखापत्तनम में और दक्षिणी नेवल कमांड का कोच्चि में है। वेस्टर्न तथा ईस्टर्न कमांड ऑपरेशनल कमांड है, जो अरब सागर और बंगाल की खाड़ी को संभालती है जबकि दक्षिणी नेवल कमांड ट्रेनिंग कमांड है। केरल स्थित एझिमाला नौसेना अकादमी एशिया की सबसे बड़ी नौसेना अकादमी है। भारत के राष्ट्रपति भारतीय नौसेना के सुप्रीम कमांडर हैं। वॉइस एडमिरल राम दास कटारी 22 अप्रैल 1958 को भारतीय वायुसेना के पहले भारतीय चीफ बने थे। भारतीय नौसेना का नीति वाक्य है 'शं नो वरूणः' अर्थात् जल के देवता वरूण हमारे लिए मंगलकारी रहें।

भारतीय नौसेना का कार्य भारत की समुद्री सीमाओं की सुरक्षा करना है और इसके गठन का इतिहास ब्रिटिश काल से जुड़ा है। ईस्ट इंडिया कम्पनी ने भारतीय नौसेना की स्थापना वर्ष 1612 में ब्रिटिश व्यापारियों के जहाजों की सुरक्षा के लिए 'ईस्ट इंडिया कम्पनी मरीन' के रूप में की थी। वर्ष 1686 तक ब्रिटिश व्यापार पूरी तरह से बॉम्बे में स्थानांतरित हो जाने के बाद इस दस्ते का नाम 'ईस्ट इंडिया मरीन' से बदलकर 'बॉम्बे मरीन' कर दिया गया, जिसने मराठा, सिंधी युद्ध के साथ-साथ वर्ष 1824 में बर्मा युद्ध में भी हिस्सा लिया था। वर्ष 1892 में इसका नाम 'रॉयल इंडियन नेवी' रखा गया। देश की आजादी के बाद वर्ष 1950 में नौसेना का गठन फिर से किया गया और 26 जनवरी 1950 को भारत के लोकतांत्रिक गणराज्य बनने के बाद इसका नाम रॉयल इंडियन नेवी से बदलकर इंडियन नेवी (भारतीय नौसेना) कर दिया गया।

भारतीय नौसेना वर्तमान में विशालकाय और एडवांस फीचर से लैस अपने युद्धक पोतों, सबमरीन्स इत्यादि के बलबूते दुनियाभर में चौथे स्थान पर है। मौजूदा समय में भारतीय नौसेना की ताकत पर नजर डालें तो भारतीय नौसेना के बेड़े में दो विशाल विमानवाहक पोत आईएनएस विक्रमादित्य तथा आईएनएस विक्रांत के अलावा अनेक अत्याधुनिक एयरक्राफ्ट, वॉरफेयर शिप, सबबमरीन तथा अन्य सैन्य साजो-सामान हैं, जो इसे दुनिया में चौथी सबसे मजबूत नौसेना बनाते हैं। बहरहाल, यह गर्व की बात है कि हिन्द महासागर में ड्रैगन के कब्जे की रणनीति को नाकाम करने के लिए भारत अपनी समुद्री ताकत बढ़ाने के लिए लगातार विध्वंसक युद्धपोतों और पनडुब्बियों के निर्माण में लगा है। इसी कड़ी में आईएनस कलवरी, खंडेरी और आईएनएस करंज के बाद स्वदेशी पनडुब्बी आईएनएस वेला को नौसेना में शामिल किया जा चुका है, जो अत्याधुनिक मशीनरी और टैक्नोलॉजी के साथ-साथ घातक हथियारों से भी लैस है।

इस सबमरीन को 'साइलेंट किलर' कहा जाता है, जो दुश्मन को उसकी मौत की भनक तक नहीं लगने देती। कुल मिलाकर, भारतीय नौसेना की ताकत दिनों-दिन बढ़ रही है और वर्तमान में इसकी ताकत के आगे पाकिस्तानी नौसैना कहीं नहीं ठहरती तथा चीन की चुनौतियों का भी हमारी नौसेना डटकर मुकाबला कर रही है।

राजकाज

एआई की क्यों नहीं, एक्यूआई की ही क्यों हो बात

दिल्ली का वायुप्रदूषण और पराली जलाने के मामले पर कोर्ट में भी सुनवाई हो चुकी है, लेकिन उसी गंभीरता के साथ एआई को लेकर चर्चा अभी होना बाकी है, क्योंकि अनेक जानकारों ने कहा है कि एआई आने वाले वक्त में लाखों की नौकरी खाने जा रहा है। मामला वाकई गंभीर है, लेकिन यहां राज्यसभा में सांसद राघव चड्ढा ने पराली मामले को लेकर कहा कि पंजाब ने धान की खेती इसलिए शुरू की क्योंकि देश का पेट पालना था। पंजाब में जलस्तर काफी नीचे चला गया है और खासा नुक्सान भी हुआ है। ऐसे में पराली जलाने से रोकने के लिए किसानों को ढाई हजार रुपये प्रति एकड़ दे दिया जाए तो किसान खुद ही पराली जलाना छोड़ देंगे, इस तरह से अब एक्यूआई की बात करनी होगी। यह मांग वाकई विचारणीय है, क्योंकि इससे वायुप्रदूषण का मामला जो जुड़ा हुआ है, लेकिन इसके साथ ही एआई पर भी चर्चा लगतार होनी चाहिए, क्योंकि विशेषज्ञ ऐसा चाहते हैं, ताकि आगे किसी को कोई नुक्सान न हो।

रिजिजू की समझाईश या चेतावनी?

संसद का शीतकालीन सत्र पूरे सप्ताह हंगामें की भेंट चढ़ गया है। इसके साथ ही 6वें दिन विपक्षी सदस्यों ने अडानी और संभल हिंसा मामले को लेकर सरकार के खिलाफ जबरदस्त प्रदर्शन किया। इस विरोध प्रदर्शन में लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और उनकी बहन व कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी भी शामिल हुई, लेकिन सपा और टीएमसी सदस्यों ने इससे दूरी बनाए रखी। इसी बीच केंद्रीय संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजिजू का बयान सामने आया है जिसमें उन्होंने कहा, कि देश चलाने के लिए संसद का चलना आवश्यक है। संसद की कार्यवाही यदि ठीक से नहीं चलेगी तो उसका सबसे ज्यादा नुक्सान देश और विपक्ष पर पड़ेगा। इसी के साथ उन्होंने यह भी कह दिया, कि बिना चर्चा के भी हम बिल पास कर सकते हैं, क्योंकि बहुमत में हैं। अब इसे लेकर लोग पूछ रहे हैं कि रिजिजू विपक्ष को समझाईश दे रहे हैं या चेतावनी, यह समझने वाली बात है। कुछ ने कहा यदि विपक्ष एक है तो इसे समझाईश समझा जाए और यदि विपक्ष टूट रहा तो इसे चेतावनी समझना होगा!

आदत से मजबूर मंत्रीजी क्या करें

कभी-कभी ऐसा कुछ हो जाता है कि इंसान अपनी आदत के मुताबिक कार्य करता दिखने लगता है। कुछ ऐसा ही हुआ लोकसभा में, जबकि प्रश्नकाल के दौरान कांग्रेस सांसद ने कपास की एमएसपी को लेकर सवाल पूछा और जवाब देने खड़े हुए कृषि राज्यमंत्री भगीरथ चौधरी ने यूपीए सरकार के समय का जिक्र कर आरोप पर आरोप लगाने शुरु कर दिए। इस पर स्पीकर ओम बिरला ने उन्हें टोका और कहा, कि मंत्री जी सवाल का जवाब दें, आरोप-प्रत्यारोप से बचें। बावजूद इसके कांग्रेस सांसद को अपने सवाल का जवाब नहीं मिला, जिसका दर्द बयां करते उन्होंने कहा कि हमने कपास की एमएसपी को लेकर सवाल किया था जिसका जवाब नहीं मिला है। अब लोग तो यही कह रहे हैं कि सबकी अपनी आदत है, इसमें किसी का कोई दोष नहीं।

फीचर

सफेद बालों से बचने इस प्रकार के तरीके अपनाये

सफेद बालों का आना, समय से पहले बूढ़ा दिखने का एहसास कराता है और यह आपके चेहरे की खूबसूरती को भी कम कर सकता है। यदि आप इस समस्या से निजात पाना चाहती हैं, तो यहां कुछ महत्वपूर्ण टिप्स दिए गए हैं, जिन्हें अपनाकर आप अपने बालों की देखभाल कर सकती हैं।

अजकल युवतियां कम उम्र में ही बालों के सफेद होने से परेशान हैं। सफेद बालों की समस्या आजकल की एक आम परेशानी बन गई है। यह केवल आपके लुक को प्रभावित नहीं करते, बल्कि आपकी आत्म-विश्वास को भी कम कर सकते हैं। सफेद बालों का आना, समय से पहले बूढ़ा दिखने का एहसास कराता है और यह आपके चेहरे की खूबसूरती को भी कम कर सकता है। यदि आप इस समस्या से निजात पाना चाहती हैं, तो यहां कुछ महत्वपूर्ण टिप्स दिए गए हैं, जिन्हें अपनाकर आप अपने बालों की देखभाल कर सकती हैं। मसाज बालों की नियमित मसाज से न केवल रक्त संचार बढ़ता है, बल्कि यह बालों को पोषण भी देती है। हफ्ते में दो बार नारियल तेल, बादाम तेल या ऑलिव ऑयल से बालों की मसाज करें। यह सफेद बालों की समस्या को कम करने में मदद करती है और बालों को स्वस्थ बनाती है।आपका शैम्पू और कंडीशनर भी सफेद बालों के लिए जिम्मेदार हो सकते हैं। इसलिए, ऐसे प्रोडक्ट का चुनाव करें जो आपके बालों के प्रकार के लिए उपयुक्त हो। किसी अच्छे हेयर एक्सपर्ट से सलाह लेकर सही प्रोडक्ट का चुनाव करें। प्राकृतिक शैम्पू और हर्बल प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करें। गर्म या अत्यधिक ठंडे पानी से बालों को धोने से बाल कमजोर हो सकते हैं। गुनगुने पानी से बालों को धोना उनकी चमक और स्वास्थ्य बनाए रखने में मदद करता है। यह बालों की त्वचा के लिए भी फायदेमंद होता है। सूरज की किरणें, धूल और प्रदूषण बालों को नुकसान पहुंचा सकते हैं। बाहर जाते समय स्कार्फ, टोपी या बालों को कवर करने वाले अन्य साधनों का उपयोग करें। यह आपके बालों को धूप और प्रदूषण से बचाएगा।

प्रेरणा

अनुभव का लाभ

एक विदेशी राजा ने भारत पर आप्रमण करना चाहा। उसने सोचा कि आप्रमण से पूर्व यह जान लेना चाहिए कि उस राजा के पास कोई बुद्धिमान व्यक्ति है या नहीं? उस राजा ने सुरमे की एक डिबिया देकर एक दूत भेजा। उस डिबिया में दो आंखों में ही लगाने लायक सुरमा था। वह सुरमा अंधे को आंख देने में समर्थ था। दूत आया। दूत ने कहा, दो आंखों में ही आ जाए, इस डिबिया में इतना-सा सुरमा है। हमें इसकी अधिक आवश्यकता है। आपके पास हो तो हमें दें। या इस सुरमे के आधार पर कोई व्यक्ति ?सा ही सुरमा बना सके तो हम उस आदमी को अपने साथ ले जाना चाहेंगे। राजा ने मंत्रियों से सलाह ली। किन्तु सा सुरमा कौन बना सके? किसी को समाधान नहीं आया। राजा ने सोचा, एक बूढ़ा मंत्री था, जो अभी सेवानिवृत्त हुआ है, उससे पूछा जाए। राजा ने उसे बुला भेजा। वह अंधा हो गया था। वह आया। मंत्री ने डिबिया ली। एक आंख में सुरमा लगाया।

कुछ ही क्षणों बाद उसे दिखने लगा। जो शेष सुरमा बचा था, उसे अपनी जीभ पर रख लिया। स्वाद से उसने सुरमे के सारे द्रव्यों का विश्लेषण कर लिया। घर जाकर वैसा ही सुरमा बनाया। परीक्षण के लिए अपनी दूसरी आंख में उसे लगाया। आंख खुल गई। उसने शेष सुरमा डिबिया में भरकर दूत से कहा, जाओ, अपने सम्राट से कहना कि ?सा सुरमा जितना चाहे यहां से मंगा लें। दूत गया। सम्राट को वृत्तान्त सुनाया। सम्राट ने सोचा, जिस देश में ?से अनुभवी और वृद्ध रहते हैं, इतने बुद्धिमान मंत्री हैं, उस देश पर आप्रमण करना भयंकर भूल होगी।

अपनी बात

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तीन नए आपराधिक कानूनों के सफल कार्यान्वयन को राष्ट्र को समर्पित किया। उन्होंने कहा कि देश में संविधान निर्माण के 75 वर्ष पूरे होने के अवसर पर संवैधानिक मूल्यों पर आधारित भारतीय न्याय संहिता का आरंभ होना महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि नए आपराधिक कानून सभी नागरिकों के लाभ के लिए संविधान में निहित आदर्शों को साकार करने की दिशा में ठोस कदम को दर्शाते हैं।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने लोकसभा में कहा कि भारत और चीन के संबंध 2020 से असामान्य थे, जब चीन की कार्रवाइयों की वजह से सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति बाधित हुई। सतत कूटनीतिक साझेदारी को दर्शाने वाले हालिया घटनाक्रम ने भारत-चीन संबंधों को कुछ सुधार की दिशा में बढ़ाया है। हम चीन के साथ इस दिशा में काम करने के लिए प्रतिबद्ध हैं कि सीमा मुद्दे पर समाधान के लिए निष्पक्ष और परस्पर स्वीकार्य रूपरेखा पर पहुंचें।

ब्रीफ न्यूज

बस चालक की लापरवाही से मोटरसाइकिल सवार घायल

गुना। जिले के धरनावदा थानांतर्गत ग्राम कनेरा निवासी 14 वर्षीय भानू प्रताप पारदी अपनी मोटरसाइकिल से मां दवाई लेकर घर लौटते समय हादसे का शिकार हो गया। फरियादी ने चौकी झागर में रिपोर्ट दर्ज कराई कि गत दिवस वह अपनी मोटरसाइकिल पर गौरव पारदी के साथ ग्राम रत्नागिर से कनेरा लौट रहा था। रास्ते में ज्ञान सिंह यादव के घर के पास उन्नति पब्लिक स्कूल की बस क्रमांक एमपी 07-1269 के चालक ने तेज गति और लापरवाही से बस चलाते हुए उनकी मोटरसाइकिल को सामने से टक्कर मार दी। हादसे में भानू प्रताप को सिर, कंधे, गर्दन और पैर में गंभीर चोटें आई, जबकि गौरव को मामूली चोटें आई। घटना के बाद मौके पर मौजूद ग्रामीणों ने इसकी जानकारी भानू प्रताप के परिजनों को दी। परिजनों ने उसे पहले सचिन अस्पताल, गुना और फिर जिला बारां (राजस्थान) में इलाज के लिए भर्ती कराया।

मांझी-केवट समाज का युवक-युवती परिचय सम्मेलन 29 को

गुना। मांझी-केवट समाज द्वारा युवक-युवती परिचय सम्मेलन का आयोजन 29 दिसम्बर को शहर के मानस भवन में किया जाएगा। आयोजन को लेकर समाज की बैठक रखी गई, जिसमें तैयारियों पर विचार-विमर्श हुआ। समाज के वरिष्ठ पदाधिकारियों की उपस्थिति में आयोजन समिति का गठन किया गया है। बैठक में तय किया गया कि समाजबंधु अधिक से अधिक संख्या में विवाह योग्य युवक-युवतियों के अभिभावकों से संपर्क करेंगे और उन्हें 29 दिसम्बर को आयोजित होने वाले सम्मेलन में आमंत्रित किया जाएगा। समस्त मांझी-केवट समाज के मुताबिक सम्मेलन में भाग लेने वाले युवक-युवती और उनके अभिभावक रजिस्ट्रेशन फॉर्म के लिए हनुमान चौराहा स्थित बागवानी टूल्स पर संपर्क कर सकते हैं।

खेत में पानी के विवाद में बड़ा भाई घायल, आरोपी छोटे भाई पर मामला दर्ज

गुना। जिले के आरोन थानांतर्गत रातीखान गांव में खेत में पानी बदलने को लेकर हुए विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। फरियादी अमोल सिंह सहरिया (45) ने थाना पहुंचकर रिपोर्ट दर्ज कराई कि उनका छोटा भाई शिशुपाल सिंह ने झगड़े के दौरान उन पर हमला किया और गंभीर चोटें पहुंचाई। प्राप्त जानकारी के अनुसार घटना गत रात करीब 9 बजे की है। अमोल सिंह अपने खेत में पानी फैला रहे थे, तभी शिशुपाल वहां पहुंचा और अपने खेत में पानी बदलने की बात कही। अमोल ने पानी का प्रवाह खत्म होने के बाद ऐसा करने की बात कही। जिस पर शिशुपाल ने गुस्से में गाली-गलौज शुरू कर दी। जब अमोल ने इसका विरोध किया, तो शिशुपाल ने पास पड़ा पत्थर उठाकर उनकी नाक और आंख के पास मारा, जिससे खून बहने लगा। इसके बाद शिशुपाल ने उन्हें जमीन पर पटक दिया, जिससे उनके सिर और पैर में चोटें आई। घटना के समय अमोल का भाई मालम सिंह और बेटा रामराज मौके पर मौजूद थे, जिन्होंने बीच-बचाव किया। जाते-जाते शिशुपाल ने धमकी दी कि यदि उसके खेत में पानी नहीं दिया गया, तो वह जान से मार देगा। फिलहाल मामले में पुलिस ने फरियादी की शिकायत पर आरोपी पर मारपीट सहित अन्य धाराओं में मामला दर्ज किया है।

बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों पर हो रहे अत्याचार के विरोध में गुना में जन आक्रोश सभा का आयोजन

सत्ता सुधार ■ गुना

बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों पर हो रहे हिंसा और उत्पीड़न के विरोध में सकल हिंदू समाज जिला गुना द्वारा हनुमान चौराहा पर एक जन आक्रोश सभा का आयोजन किया गया। सभा में विभिन्न सामाजिक, धार्मिक और सांस्कृतिक संगठनों के प्रमुख वक्ताओं ने भाग लिया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के मध्य भारत प्रांत के सह बौद्धिक प्रमुख प्रमोद पवार थे। मंच पर खड़ेश्वरी मंदिर के महंत खड़ेश्वरी महाराज साध्वी राधा किशोरी, कल्याणेश्वर महाराज, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विभाग संघ चालक अशोक कुशवाह जैसे विशिष्ट जन मौजूद रहे। सभा का संचालन विभाग संपर्क प्रमुख गोपाल स्वर्णकार ने किया। सभा के उपरांत राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के नाम एक ज्ञापन सौंपा गया। जिसे लेने स्वयं एसडीएम शिवानी पांडे धरना स्थल पर पहुंची। जिसमें बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों पर हो रहे इस्लामिक अत्याचारों पर भारत सरकार से कूटनीतिक हस्तक्षेप की मांग की गई।

ज्ञापन सौंपकर उठाई मांगें: इस दौरान सकल हिंदू समाज द्वारा राष्ट्रपति को सौंपे गए ज्ञापन में बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों पर बढ़ती हिंसा की घटनाओं का हवाला देते हुए मानवाधिकारों की रक्षा और अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए मांग उठाई। जिसमें कूटनीतिक हस्तक्षेप करते हुए भारत सरकार से बांग्लादेश सरकार के समक्ष इन घटनाओं पर कड़ी आपत्ति दर्ज कराने और हिंदू समुदाय की सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु आवश्यक कदम उठाने की मांग की। वहीं संयुक्त राष्ट्र और अन्य मानवाधिकार संगठनों से इन अत्याचारों का संज्ञान लेने और प्रभावी कार्रवाई की अपील की गई। साथ ही मांग गई कि इन घटनाओं को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मीडिया में प्रमुखता दी जाए, ताकि विश्व समुदाय इस गंभीर समस्या से अवगत हो सके। इसके अलावा राहत एवं पुनर्वास के तहत पीड़ित परिवारों को आर्थिक, कानूनी और मानसिक सहायता प्रदान करने और उनके पुनर्वास के लिए आवश्यक उपाय करने की मांग की गई।

बांग्लादेश में हिंदू समुदाय पर अत्याचार की हालिया घटनाएं

दरअसल बांग्लादेश में हाल ही में हुए तख्तपलट के बाद अल्पसंख्यक खासकर हिन्दूओं पर हमले और प्रताड़ना के मामलों में तेजी आई है। ज्ञापन में पिछले कुछ महीनों में हुई घटनाओं का हवाला दिया गया। जिसमें रंगपुर में ऐतिहासिक काली मंदिर पर हमला और मंदिर को आग के हवाले करने, चटगांव में हिंदू किशोरी का अपहरण, धर्मांतरण और नृशंस हत्या, कुमिला में दुर्गा पूजा के दौरान पंडाल पर हमला और देवी प्रतिमाओं का अपवित्रीकरण करने, नरेनगंज में हिंदू व्यवसायियों की दुकानों को आग के हवाले करने, सिलहट में प्रतिष्ठित हिंदू पुजारी की दिनदहाड़े हत्या करने के मामला का जिक्र किया गया। इसके अलावा गाजीपुर में हिंदू परिवारों को जबरन घरों से बेदखल करने, बारीसाल में हिंदू महिला के साथ सामूहिक बलात्कार, फेनी में हिंदू बहुल गांव में आगजनी और सैकड़ों लोगों का विस्थापन करने, राजशाही में होली उत्सव पर हिंदुओं पर हमला और संपति की लूटपाट तथा राजधानी ढाका में ही प्रमुख हिंदू मंदिर पर हमला और धार्मिक ग्रंथों का अपवित्रीकरण करने के मामलों का जिक्र किया गया।

सभा में बोले वक्ता, यह मानवता के मूल्यों पर सीधा हमला

सभा में वक्ताओं ने इन घटनाओं पर कड़ी आपत्ति जताई और कहा कि यह केवल धार्मिक अल्पसंख्यकों का उत्पीड़न नहीं है, बल्कि मानवता के मूल्यों पर सीधा हमला है। उन्होंने कहा कि भारत, जो धार्मिक सहिष्णुता और सांस्कृतिक विविधता का प्रतीक है, अपने पड़ोसी देशों में मानवाधिकारों की रक्षा के लिए हमेशा अग्रसर रहा है।

भारत सरकार से कार्रवाई की अपील

सभा में वक्ताओं ने मांग की कि भारत सरकार इन घटनाओं पर तुरंत हस्तक्षेप करे और बांग्लादेश सरकार पर कूटनीतिक दबाव बनाए। साथ ही, अंतरराष्ट्रीय मंचों पर इस मुद्दे को उठाकर हिंदू समुदाय को सुरक्षा और न्याय दिलाने का प्रयास करे। सभा में बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक, सामाजिक कार्यकर्ता और विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित थे। यह जन आक्रोश सभा एकजुटता और न्याय की मांग का प्रतीक बनी, जिसने बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों के दर्द को जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास किया।

सकतपुर रोड पर महिला सहित परिवार को बंधक बनाकर लाखों की डकैती, बदमाशों का पीछा किया तो जमकर किए फायर

एक दर्जन के करीब बदमाशों ने रात 3 बजे दिया वारदात को अंजाम, जांच में जुटी कोतवाली पुलिस

सत्ता सुधार ■ गुना

शहर के सकतपुर रोड बूढ़े बालाजी इलाके में एक परिवार को बंधक बनाकर डकैती का सनसनीखेज मामला सामने आया है। घटना मंगलवार तड़के 3-4 बजे के बीच की है। इस दौरान एक दर्जन से अधिक हथियारबंद बदमाशों ने घर का ताला तोड़कर प्रवेश कर गए। यहां उन्होंने घर में मौजूद बुजुर्ग महिला को गोली मारने की धमकी देकर लूट की। इस दौरान महिला के बेटे ने बदमाशों का पीछा किया तो उस पर फायर कर दिया। जिसके छर्रे दुकान की शटर में लगे। इस दौरान बदमाश महिला के गले से मंगलसूत्र, चैन, कानों की झुमकी सहित घर में रखे नगदी एवं एलईडी टीवी ले गए।

प्राप्त जानकारी के अनुसार सिटी कोतवाली थानांतर्गत सकतपुर रोड निवासी यूको बैंक से रिटायर्ड हेड कैशियर पार सिंह कुशवाह के घर में उनकी पत्नी, बेटे और बहू रहती हैं। उनके घर के सामने ही उनका एक दूसरा मकान भी है। सोमवार रात लगभग 11 बजे पार सिंह दूसरे मकान पर सोने चले गए थे। इस वाले घर पर उनकी पत्नी, बेटा और तीन बहुएं थीं।

उनके छोटे बेटे एक शादी समारोह में शामिल होने के लिए गए हुए थे। इसलिए वह मेन गेट पर बाहर से ताला लगाकर चले गए थे कि रात में वापस लौटेंगे तो गेट खोल लेंगे, किसी को परेशान नहीं करना पड़ेगा। उन्हें शादी से मंगलवार सुबह वापस लौटना था। रात लगभग 3 बजे के आसपास बदमाश गेट का ताला खोलकर अन्दर घुसे। ताला देखकर उन्हें लगा कि शायद घर में कोई नहीं है। बदमाश जैसे ही अंदर घुसे, कमरे में सो रहीं पार सिंह की पत्नी मुन्नी बाई जाग गईं। बदमाशों ने उन्हें बंधक बना लिया। उनके गले में पहना हुआ मंगलसूत्र छीन लिया। इसके बाद वह पास वाले कमरे में पहुंचे और अलमारी का लॉक तोड़कर अंदर रखी ज्वैलरी और नगदी लूट लिए। इसके बाद वह कमरे में रखी एलईडी नकालने लगे। इसी दौरान उसके ऊपर रखा कनेक्टर गिरा। इसके गिरने की आवाज सुनकर पहली मंजिल पर सो रहे पार सिंह के बेटे हरिओम कुशवाह की नींद खुल गई। वह उतरकर नीचे आए तो बदमाश भागने लगे। हरिओम एक डंडा लेकर उनके पीछे दौड़े, तो बदमाश ने उन पर फायरिंग कर दी। फायर के छर्रे दुकान की शटर पर लगे। हरिओम ने बताया कि चार बाइक से बदमाश आए थे। लगभग 12-13 बदमाशों ने वारदात को अंजाम दिया है। मंगलवार सुबह सूचना पर से कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची। प्रभारी सीएसपी भरत नौटिया भी घटनास्थल पर पहुंचे और जांच पड़ताल की।

खौफजदा महिला ने बताया वाकया

इस बारे में पीड़ित महिला मुन्नीबाई ने बताया कि बदमाशों ने उन्हें बंधक बनाते हुए उनके गले से दो मंगलसूत्र और कानों के झुमके लूट लिए। इसके अलावा घर के कमरों में घुसकर अलमारी आदि तोड़कर जेवरात, नगदी, एलईडी टीवी और अन्य कीमती सामान ले गए। इस दौरान बेटे ने बदमाशों का पीछा किया तो बदमाशों ने उस पर फायर कर दिया। जिसमें कई छर्रे दुकान की शटर में लगे। लेकिन गनीमत रही कि गोली उन्हें नहीं लगी और शटर पर जाकर छर्रे लगे। डकैतों की संख्या अधिक होने और उनके हथियारों के डर से परिवार पूरी तरह असहाय हो गया।

परिवार में दहशत का माहौल

घटना के बाद परिवार के सदस्य बेहद दहशत में हैं। मुन्नी बाई माताजी और अन्य परिजनों ने बताया कि बदमाशों ने पूरे घर की तलाशी ली और उन्हें लगातार जान से मारने की धमकी देते रहे। बुजुर्ग महिला को बदमाश गोली मारने की धमकी देते रहे, जिससे वे किसी तरह का विरोध नहीं कर सके। मुन्नी बाई ने बताया कि बदमाश बोलचाल से पारदी लग रहे थे।

स्थानीय लोगों में भय

इस घटना ने स्थानीय लोगों में डर का माहौल पैदा कर दिया है। इलाके के निवासियों ने पुलिस प्रशासन से सुरक्षा बढ़ाने की मांग की है। यह घटना न केवल पुलिस की कार्यशैली पर सवाल खड़े करती है, बल्कि यह भी दर्शाती है कि अपराधियों के हौसले किस कदर बुलंद हैं। वहीं बदमाश आभूषणों व नकदी के साथ चाबियां भी नहीं छोड़ी। बदमाश 2 चार पहिया वाहन, 3 मोटरसाइकिल, 4 दुकान और 2 मकानों की चाबी भी अपने साथ ले गए।

पुलिस जांच में जुटी

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। सिटी कोतवाली थाना प्रभारी ने बताया कि अपराधियों की तलाश के लिए विशेष टीम गठित की गई है। इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। पुलिस का दावा है कि जल्द ही बदमाशों को पकड़ लिया जाएगा।

अमानत में खयानत: किराये से डीजे सिस्टम लगवाकर डीजे गायब करने वाले तीन आरोपी गिरफ्तार

सत्ता सुधार ■ गुना

जिले के कैंट थानांतर्गत प्रोग्राम में किराये पर डीजे सिस्टम लगवाकर उसे गायब कर अमानत में खयानत करने वाले तीन आरोपियों को पुलिस ने पकड़ा है। वहीं गायब हुए डीजे सिस्टम को बरामद किया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार 18 नवम्बर को आवेदक जगदीश जकोदिया निवासी बायपास रोड भुल्लनपुरा गुना द्वारा केंट थाने पर एक आवेदन पत्र पेश किया था कि 16 नवम्बर को उसके पास तीन लड़के आए। जिन्होंने अपने नाम राहुल, अभिषेक एवं रोहित निवासी ग्राम गणेशपुरा के बताए। जो उससे बोले की टेकरी मंदिर के नीचे धर्मशाला में उनका प्रोग्राम है, जिसमें उन्हें डी.जे सिस्टम लगवाना है। जिस पर उसने अपने ऑपरेटर सूरज जाटव को सिस्टम लगाने के लिये भेजा था। टेकरी पर उन लड़कों की बताई जगह पर उसका ऑपरेटर सूरज जाटव चार डीजे सउण्ड, एक एम्पलीफायर मशीन और दो पैरा लाईट लगाकर वापस आ गया था। दो घंटे बाद ऑपरेटर सूरज जाटव सिस्टम बापस लेने के लिये टेकरी पहुंचा तो वहां पर उसे न तो वह तीनों लड़के मिले और न ही उसका डी.जे सिस्टम मिला। तब उसने उन लड़कों द्वारा दिये गये मोबाईल नंबर पर संपर्क किया तो वह बंद आया इसके बाद उनके बताये गांव में भी उन्हें तलाश किया तो उन नामों के कोई भी लड़के उस गांव में रहना नहीं पाये गये ।

केंट थाना पुलिस द्वारा आवेदक जगदीश जकोदिया के आवदेन पत्र पर जांच शुरू की गई, जांच के दौरान घटना स्थल व आसपास के सीसीटीव्ही फुटेज चैक करने पर उक्त डी.जे. सिस्टम एक पिकअप वाहन में लोड कर ले जाते पाया गया। जिससे पिकअप मालिक एवं उसके चालक को तलब किया गया। चालक ने बताया कि उस दिन तीन लड़कों के कहने पर 1700 रूपये भाड़े पर वह डी.जे. सिस्टम बदरबास छोड़ने गया था और जिन्होंने बदरबास में रोड़ पर डी.जे. सिस्टम उतारा और भाड़े के पैसे दिये बिना ही जो उसे चकमा देकर चले गये थे। पुलिस द्वारा उन लड़कों द्वारा दिये गये मोबाईल नंबर के आधार पर उनकी पहचान प्रमोद पुत्र फूल सिंह लोधा, सौरभ पुत्र जसवंत लोधी निवासीगण ग्राम टोरिया थाना इंदार जिला शिवपुरी एवं बलबीर पुत्र फूल सिंह आदिवासी निवासी ग्राम इमलौदा थाना इंदार जिला शिवपुरी के रूप में की जाकर जिनके विरूद्ध केंट थाने में अप.क्र. 1144/24 धारा 316(2), 318(4) बीएनएस के तहत अपराध दर्ज किया। जिन्हें गत् दिवस को हिरासत में लेकर पूछताछ करने पर उनके द्वारा 16 नवम्बर को गुना में डी.जे. वाले को अपने गलत नाम पते बताकर टेकरी पर किराये से डी.जे. लगवाया था और रूपये कमाने के लालच में उसे किराये पर एक पिकअप गाड़ी से बदरवास ले गये थे।

केंट थाना पुलिस द्वारा प्रकरण में उक्त तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर उनकी निशादेही से चार डी.जे. सउण्ड, एक एम्पलीफायर मशीन व दो पैरा लाईट बरामद कर आरोपियों को न्यायालय पेश किया गया। पुलिस की इस कार्यवाही में थाना प्रभारी निरीक्षक अनूप कुमार भार्गव, प्रधान आरक्षक विपिन ओझा, प्रधान आरक्षक मनीष शर्मा, आरक्षक राजीव रघुवंशी, आरक्षक रानू रघुवंशी, आरक्षक नवदीप अग्रवाल, सीसीटीव्ही कंट्रोल से आरक्षक ओमचरण कुशवाह, आरक्षक राजेश जाटव एवं सायबर सेल से आरक्षक कुलदीप भदौरिया की सराहनीय भूमिका रही है ।

एकल अभियान की बैठक संपन्न, खेल प्रतियोगिता पर हुई चर्चा

गुना। एकल अभियान की अंचल बैठक में बांग्लादेश में हिंदू समुदाय पर हो रहे अत्याचारों पर गहरी चिंता व्यक्त की गई। बैठक में कार्यकर्ताओं से ग्रामीण क्षेत्रों में पहुंचकर इन घटनाओं के प्रति जागरूकता फैलाने का आह्वान किया गया। बैठक का आयोजन एकल अभियान कार्यालय में किया गया। जिसमें गुना अंचल से जुड़े गुना, अशोकनगर और शिवपुरी जिलों के 14 संचों के प्रमुख एवं संच व्यास उपस्थित थे। प्रमुख अतिथियों में रेखा टटबारे, नारायण सिंह मीना, पप्पू सिंह नायक, विजय सिंह और विजय गुर्जर शामिल रहे। वक्ताओं ने बांग्लादेश में संतों और हिंदू समुदाय पर हो रहे अत्याचारों को लेकर चिंता जताई और सभी कार्यकर्ताओं से गांव-गांव जाकर हिंदू एकता का संदेश फैलाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि संगठित रहकर ही समाज अपनी सुरक्षा सुनिश्चित कर सकता है। बैठक में आगामी इंदौर में आयोजित होने वाली खेल प्रतियोगिता पर भी चर्चा हुई।

काम से लौट रहे फर्नीचर मिस्त्री की दुर्घटना में मौत

सत्ता सुधार ■ गुना

जिले के पुरानी छावनी इलाके में एक दर्दनाक सड़क हादसे में एक युवक की जान चली गई। मृतक दीपक पुत्र मुकेश ओझा फर्नीचर का काम करता था और बीते कुछ दिनों से बदरवास में एक साईड पर कार्यरत था। हादसे के वक्त वह काम से लौटकर अपने घर आ रहा था। प्राप्त जानकारी के अनुसार दीपक की बाइक को गलत साइड से आ रहे एक ट्रैक्टर-ट्राली ने टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि वह ट्राली के पहिए के नीचे आ गया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। दीपक अपने परिवार का इकलौता बेटा था और तीन बहनों का भाई था। परिवार में उसकी नौ महीने की मासूम बेटी भी है, जो अब पिता के साए से वंचित हो गई है। घटना के बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू की और शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेजा। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर जांच तेज कर दी है। दीपक के निधन से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। परिजनों ने प्रशासन से मांग की है कि हादसे के दोषी वाहन चालक के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए।

विभिन्न मांगों को लेकर सफाई मजदूर कांग्रेस ने सौंपा ज्ञापन

सत्ता सुधार ■ गुना

अखिल भारतीय सफाई मजदूर कांग्रेस की गुना शाखा ने अपनी मांगों को लेकर नगर परिषद कार्यालय का रुख किया। संगठन के सदस्यों ने जिलाध्यक्ष महेश पारोछिया के नेतृत्व में सीएमओ तेज सिंह यादव को ज्ञापन सौंपते हुए अपनी समस्याओं पर तत्काल कार्रवाई की मांग की। सफाई कर्मचारियों ने बताया कि उनकी समस्याएं लंबे समय से अनसुनी की जा रही हैं। ज्ञापन में उन्होंने वर्ष 2007 से 2016 के बीच शेष कर्मचारियों के विनियमितीकरण, रिक्त पदों पर नियमित नियुक्ति, सातवें वेतनमान का लाभ, और आउटसोर्स प्रणाली को समाप्त करने की मांग की। इसके साथ ही परिषद द्वारा पारित संकल्प के अनुसार 185 नए सफाई कर्मचारियों की भर्ती की मांग भी की गई। ज्ञापन में जनसंख्या के आधार पर कर्मचारियों के पद सृजित करने और ठंड के मौसम में सफाई कर्मचारियों को गर्म वर्दी उपलब्ध कराने का भी अनुरोध किया गया। इसके अतिरिक्त, नगरीय निकायों को मिलने वाली चुंगी क्षतिपूर्ति राशि में हर साल 10 प्रतिशत की वृद्धि की मांग की गई, ताकि कर्मचारियों को समय पर वेतन और भत्ते दिए जा सकें। संगठन ने स्पष्ट किया कि यदि उनकी मांगों पर शीघ्र कार्रवाई नहीं हुई, तो वे बड़े आंदोलन के लिए बाध्य होंगे। इस दौरान कर्मचारियों ने अपनी नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि वे लंबे समय से इन समस्याओं का समाधान चाहते हैं, लेकिन प्रशासन की उदासीनता के कारण अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है।

एसपी ने की जनसुनवाई

गुना। जन सुनवाई में पुलिस अधीक्षक संजीव कुमार सिंहा द्वारा एएसपी व एसडीओपी सहित आवेदकों की शिकायतें सुनी। इस दौरान संबंधित अधिकारियों को शिकायतों का त्वरित व वैधानिक निराकरण के निर्देश दिए। प्राप्त जानकारी के अनुसार एसपी श्री सिंहा द्वारा मंगलवार को पुलिस कंट्रोल रूम स्थित मीटिंग हॉल में जन सुनवाई की गई। इस दौरान अपनी समस्याओं, शिकायतों के आवेदन लेकर आये आवेदकों को पुलिस अधीक्षक संजीव कुमार सिंहा एवं जन सुनवाई में मौजूद एएसपी मानसिंह ठाकुर, एसडीओपी राघौगढ़ दीपा डोडवे, एसडीओपी विवेक अष्ठाना आदि अधिकारियों द्वारा उन्हें बारी-बारी से सुना और समझा गया। जिनकी शिकायतों, समस्याओं पर त्वरित व वैधानिक कार्यवाही कर उनका समय सीमा में निराकरण हेतु जनसुनवाई में वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से जुड़े संबंधित पुलिस अधिकारियों को निर्देशित किया गया। जन सुनवाई में 30 आवेदकों द्वारा अपनी शिकायतों, समस्याओं के आवेदन पत्र दिए।

नाबालिग बच्ची को जबलपुर से किया दस्तयाब

गुना। जिले के म्याना थाना क्षेत्र से गायब हुई नाबालिग बच्ची को पुलिस ने जबलपुर से खोज निकाला। प्राप्त जानकारी के अनुसार म्याना थाना क्षेत्र से 11 नवंबर 24 की रात में 13 वर्षीय एक नाबालिग बच्ची के घर पर किसी को बिना कुछ बताये कहीं चले जाने पर बालिका की मां की ओर से उसके गुम होने संबंधी रिपोर्ट 15 नवम्बर को म्याना थाने पर दर्ज कराई गई थी। जिस पर म्याना थाने में अपराध क्रमांक 423/24 धारा 137(2) बीएनएस के तहत अपराध कायम कर विवेचना में लिया गया था । थाना क्षेत्र से एक नाबालिग बच्ची के अपहरण की घटना को पुलिस द्वारा गंभीरत से लिया और म्याना थाना प्रभारी उपनिरीक्षक गोपाल चौबे अपनी टीम के साथ अपहृत बच्ची की तलाश में सक्रियता से जुट गए। इस हेतु अपना मुखबिर तंत्र सक्रिय कर विभिन्न तकनीकी संसाधनों की मदद से बालिका को खोजने के निरंतर प्रयास किए। जिसके परिणाम स्वरूप बालिका के जबलपुर में होने की जानकारी मिलने पर म्याना थाना पुलिस द्वारा गत् दिवस को अपहृत बालिका को जबलपुर से दस्तयाब कर उसके परिजनों से मिलाया गया है ।

पार्टी के लिए बालों को दें खूबसूरत लुक

पार्टी का नाम सुनते ही हर युवती उत्साह से भर जाती है, परंतु पार्टी के लिए हेयर स्टाइल कैसा हो या अपने बालों को हम खूबसूरत लुक कैसे दें, यह सवाल हर किसी को परेशान करता है। पार्टी में सबसे अलग दिखने के लिए अनजाने में हम सब कुछ गलतियां कर ही बैठते हैं। यदि आप ऐसी गलतियों से बचना चाहती हैं तो ये टिप्स आप के लिए कारगर साबित होंगे।

क्या करें

✸एक रात पहले सिर की त्वचा और बालों की गर्म तेल से मालिश करें। इसके लिए कोकोनट, ऑलिव ऑयल या फिर कैस्टर ऑयल उपयुक्त रहेंगे, फिर कुछ देर के लिए गर्म पानी में भीगा हुआ तौलिया सिर पर अच्छी तरह लपेटें, इससे बालों की कंडीशनिंग होगी, साथ ही उनका रूखापन दूर हो जाएगा। सुबह उठ कर बालों को शैंपू कर लें।

✸जिन युवतियों के बाल हमेशा उलझे और रूखे से रहते हैं, वे एक रात पहले बालों में दही लगा सकती हैं। इसे 20 मिनट तक लगा कर रखें, सुबह शैंपू करके सैट करने पर वे वैट लुक देंगे।

✸पार्टी हेयर स्टाइल बनवाने के लिए पार्लर जाने से पहले शैंपू करना न भूलें। साथ ही हेयर स्टाइल बनवाने से पहले बालों में 1-2 बूंद सीरम जरूर लगा लें ताकि बालों को किसी तरह का नुक्सान न हो।

✸सुबह बालों को ब्रश जरूर करें ताकि धूल-मिट्टी निकल जाए और बाल उलझें नहीं। इससे रक्तसंचार भी बढ़ता है और बालों की जड़ों पर सीरम फैल जाता है। इस तरह उनमें कुदरती चमक आ जाती है।

✸बालों में वॉल्यूम देने के लिए स्टाइलिंग क्रीम का इस्तेमाल करें। कुछ देर बाद ब्रश से सैट करें। आजकल फ्रिंज का काफी चलन है, आप साइड में इन्हें सैट कर सकती हैं।

✸बालों के सिरों पर टैक्सचर क्रीम लगा कर आप उन्हें चमकदार बना सकती हैं।

क्या न करें

✸जब घर पर बालों में आयरनिंग करनी हो तो बिना प्रोटैक्टिंग स्प्रे लगाए न करें।

✸यह ध्यान रखें कि आपके सिर की त्वचा पर जरा भी तेल न रह गया हो, अन्यथा हेयर स्टाइल बनाने में दिक्कत होगी।

✸कभी भी अपनी उम्र, परिधान और चेहरे के आकार को नजरअंदाज न करें।

✸बालों में जरूरत से अधिक एक्सैसरीज न लगाएं। हमेशा कम और क्लासी एक्सैसरीज का ही चयन करें, जो आपके लुक को भी काम्प्लीमैंट करे।

✸यदि बाल छोटे हैं तो बहुत सारा हेयर जैल या तेल न लगाएं।

✸बालों को जरूरत से अधिक वॉल्यूम न दें। —**हेमा शर्मा,** चंडीगढ़

पुराने सामान से घर की सजावट

यह जरूरी नहीं कि घर की सजावट महंगे शोपीस, एक्सैसरीज या फर्नीचर से ही की जाए। इन सबके लिए आप घर पर पड़े सामान को नया लुक दे कर या दूसरी चीजों के साथ अटैच करके अपने घर के इंटीरियर को एक नया लुक दे सकती हैं जिसे देखने वाले आपके हुनर की तारीफ तो करेंगे ही साथ ही आपके स्पर्श से घर का हर कोना भी मुस्कुरा उठेगा।

आप अपने पुराने सामान को कुछ इस प्रकार के आइडिया से एक नया लुक दे सकती हैं या फिर अपनी क्रिएटीविटी भी इस्तेमाल कर सकती हैं।

✸कॉटन या सिल्क की पुरानी साड़ियों में प्लीट्स डालते हुए उन्हें दीवारों एवं खिड़कियों पर लहरदार शेप में टांग दें। पर्दों के ऊपर से आता यह स्टाइल घर को एक नया लुक देगा।

✸कांच की पुरानी चूड़ियों से बोर हो गई हैं तो उन्हें फैंकने की अपेक्षा उनके छोटे-छोटे टुकड़े करके उन्हें ग्लास बोल में डाल कर ऐसी जगह रखें जहां सीधी लाइट उन टुकड़ों पर पड़े। उस में से निकलते अलग-अलग शेड्स आपके रूम के डैकोर को बढ़ा देंगे।

✸घर में अक्सर कपड़ों की छोटी-छोटी कतरनें बच जाती हैं। इनसे आप बच्चे के कमरे के लिए कार्टून कैरेक्टर बना कर पर्दे पर लगाएं बच्चे खुश हो जाएंगे।

✸जो फूल सूख जाते हैं उनका भी सजावट में अच्छा इस्तेमाल हो सकता है। गेंदे के फूल अलग-अलग कर लें और बाजार में मिलने वाला स्प्रे पेंट ले आएं। व्हाइट एंड पर्पल किसी भी रंग से कलर कर इन्हें कांच के जार में डाल कर सजा दें। जब भी कलर करें ग्लव्स पहनना न भूलें।

✸पुरानी पड़ी ईयररिंग्स या नैकलेस को फैंकें नहीं। उन्हें तोड़ लें और मोटे धागे में पिरो कर पर्दे के आस-पास वाली जगह पर टांग दें। इसके नीचे घंटी बांध दें। यह विंड चाइम का काम करेगी।

✸कुशंस से घर को फ्रैश एवं कलरफुल लुक दें। डिफरैंट लुक के लिए राऊंड, ट्रायंगल, ट्री शेप या फिर एनिमल शेप के कुशंस से घर को सजाएं। इन दिनों आर्ट पेंटिंग वाले कुशंस भी चलन में हैं। यदि आपको एथनिक टच चाहिए तो पुरानी बनारसी साड़ी या एंटीक दुपट्टे के कुशन कवर्स बनाएं।

मॉडर्न जमाने में भले ही पांवों में बिछिया पहनने का चलन कम होता जा रहा है परंतु एक सुहागन के पांव में आज भी बिछिया खास मौकों पर पहनी हुई नजर आ जाती है। यदि आप चाहें तो लेटैस्ट डिजाइन की बिछिया पहन सकती हैं जिससे आपके पांव और भी खिल उठेंगे। तीज-त्यौहार या शादी-ब्याह पर आप भी मॉडर्न डिजाइन वाली बिछिया पहन कर खुद को ट्रैडीशनल लुक दे सकती हैं।

पांवों में खिल उठे बिछिया

स्टोन के साथ पर्ल वाली बिछिया

यदि आपको ज्यादा बड़े डिजाइन की बिछिया पसंद नहीं है तो आप स्टोन वाली या स्टोन के साथ पर्ल वाली बिछिया पहन सकती हैं। यह आप को यूनीक और एलीगैंट लुक देगी।

पांव की सभी उंगलियों में

जिन महिलाओं को बिछिया पहनना बहुत ज्यादा पसंद है, वे पांव की सारी उंगलियों में भी बिछिया पहन सकती हैं। सिंपल डिजाइन वाला इस प्रकार का सैट नई दुल्हनों के पांवों में ही नहीं बल्कि हर किसी के पांवों में खास मौकों पर खूबसूरत लुक देता है। यह बिछिया सैट चांदी के अलावा फैंसी और आर्टीफिशियल ज्यूलरी में भी मिल जाता है।

पांव के अंगूठे में बिछिया

यूं तो बिछिया पांव के अंगूठों के साथ वाली उंगलियों में ही पहनी जाती है परंतु यदि आप खुद को डिफरैंट लुक देना चाहती हैं तो आप पांव के अंगूठे में भी बड़े साइज की बिछिया पहन सकती हैं।

ट्रैडीशनल डिजाइन

आप चाहें तो बिछिया में ट्रैडीशनल डिजाइन भी प्रैफर कर सकती हैं। फूल, पत्ती या मछली वाले डिजाइनों में पहनी गई ये बिछिया पांवों को खूबसूरत लुक देती हैं।

इलास्टिक वाली बिछिया

इन दिनों मॉडर्न युवतियों को चांदी की बिछिया उतनी पसंद नहीं आती, जितनी कि इलास्टिक वाली बिछिया भा रही है। ब्रेसलैट की तरह इसमें लगे चमकते हुए स्टोन इन्हें अलग ही लुक प्रदान करते हैं। इन्हें पहनने के बाद न तो एडजस्ट करने का झंझट रहता है और न ही इनसे चुभन महसूस होती है।

पायल के साथ जुड़ी बिछिया

किसी भी पारीवारिक फंक्शन या शादी-ब्याह में आप पायल के साथ चेन से जुड़ी हुई बिछिया भी पहन सकती हैं। इससे आपके पांवों की नजाकत भी देखते ही बनेगी और आपको एक रॉयल लुक भी मिलेगा।

उपहार में दें

यदि आप अपनी किसी सहेली या रिश्तेदार को शादी पर कोई हट कर गिफ्ट देने की सोच रही हैं तो इस प्रकार की स्टाइलिश एवं रूटीन से हट कर डिजाइन वाली बिछिया उसे गिफ्ट में दे सकती हैं जिसे वह आसानी से पहन कर अपना मॉडर्न लुक भी कायम रख सकती है।

ऐसे मिलती है सफलता

कई बार हम बिना सोचे-समझे दूसरों की आलोचना कर देते हैं लेकिन ऐसा करते हुए हम यह नहीं सोचते कि इसका परिणाम क्या होगा। दूसरों की आलोचना पर ध्यान देने या उनकी कमियां निकालने में समय गंवाने की अपेक्षा हमें खुद को सशक्त बनाने पर ध्यान देना चाहिए। अपने आप को कमजोर या हीन समझने की अपेक्षा यह देखें कि आखिर वह कौन-सी खासियत है, जो आपके भीतर है तथा जिसे आगे बढ़ा कर आप कामयाबी के शिखर की तरफ बढ़ सकती हैं। ऐसा कभी न सोचें कि आपके भीतर कोई हुनर नहीं है। यदि आपको लगता है कि आप में सच में ऐसी कोई अच्छाई नहीं है, तो कुछ दिन पूरी एकाग्रता के साथ आत्ममंथन करें, अपनी रुचियों, आदतों, व्यवहार, बातचीत, प्रतिक्रिया आदि पर ध्यान दें, तो आपको जरूर पता चल जाएगा कि आप में कौन सी अच्छाई है। आप चाहें तो घर के किसी सदस्य, अध्यापक या फिर काऊंसलर की मदद से खुद की ताकत को जान एवं समझ सकती हैं।

हार से न घबराएं

यदि आप कभी किसी परीक्षा या टैस्ट में फेल हो जाती हैं या किसी टीम का हिस्सा होते हुए भी बेहतर परफॉर्म नहीं कर पाती हैं, तो हताश न हों, बल्कि अपना धैर्य बनाए रखें। यह सोचें कि आखिर आपकी असफलता का कारण क्या रहा या आप कहां चूक गईं, अपनी हार या असफलता में छिपे कारणों को ढूंढें। जब तक आप उन कारणों को ढूंढ कर उन्हें दूर करने का प्रयत्न नहीं करेंगी, कामयाबी तब तक आपसे दूर ही रहेगी। यदि आप खुद को विजेता के रूप में देखता चाहती हैं, तो अपनी कमियों और कमजोरियों को ढूंढ कर उन्हें दूर करने का प्रयास करें। दुनिया में ऐसे बहुत कम कामयाब लोग होंगे, जिन्होंने कभी असफलता का स्वाद नहीं चखा होगा। अपनी बार-बार की असफलता से एक दिन वे कामयाबी के ऐसे शिखर पर पहुंच गए, जहां दुनिया ने उन्हें सलाम किया। यदि आप भी किसी परीक्षा या प्रतियोगिता में असफल हो जाती हैं, तो इसे जिंदगी का अंतिम इम्तिहान मानने की अपेक्षा अपनी कमियों को दूर कर दोगुने उत्साह के साथ प्रयास करें।

आत्म मुग्धता छोड़ें

अक्सर यह भी देखने में आता है कि छोटी-छोटी सफलताएं पाकर हम आत्म मुग्ध हो जाते हैं। इसका नतीजा यह होता है कि बड़े लक्ष्य को पाने के लिए किए जाने वाले हमारे प्रयास शिथिल पड़ने लगते हैं। कई बार हम खुद को बेहद काबिल मान कर यह सोच लेते हैं कि हमें सफलता तो मिल ही जाएगी, परंतु जब ऐसा नहीं होता और असफलता हाथ लगती है, तो हमें शॉक लगता है। तब हमें एहसास होता है कि काश दूसरों की तारीफों के कारण हम आत्म मुग्धता के शिकार न हुए होते।

सकारात्मकता का साथ

आप चाहे पढ़ाई कर रही हों या नौकरी, अपनी सोच को हर समय सकारात्मक बनाए रखें। परिस्थितियां चाहे कैसी भी हों, भले ही कितना ही संघर्ष करना पड़े यदि सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ेंगी, तो इसके अच्छे परिणाम भी जरूर दिखेंगे। किसी के बारे में बुरा सोचने या उसकी निंदा करने की अपेक्षा अच्छा सोचें और अच्छा करें। अपने काम में नित नई पहल करते हुए जिम्मेदारी के साथ आगे बढ़ेंगी, तो सफलता भी मिलेगी और नई पहचान भी बनेगी।

जब मांगें रिश्तों में उधार

रिश्तों में लेन-देन से बचना जरूरी

बहुत से लोगों ने अपनी जिंदगी में यह उसूल बनाया होता है कि यदि संबंधों को बचाए रखना है, तो बेहतर है कि किसी रिश्तेदार या दोस्त से उधार न मांगा जाए। इसका एक कारण यह भी है कि सामने वाला भले ही आपसे ब्याज का पैसा नहीं ले रहा है, परंतु यदि आपसे किसी कारणवश समय पर पैसा न लौटाया गया, तो अच्छे-भले संबंध बिगड़ने में देर नहीं लगती है। फिर भी गंभीर बीमारी, दुर्घटना, नौकरी जाना, आर्थिक नुक्सान, चोरी या बिजनैस में नुक्सान जैसी कुछ परिस्थितियों में लोगों को दूसरों से मदद मांगनी ही पड़ती है।

हर बात स्पष्ट करें

भले ही आपका सामने वाले से कितना ही प्यार क्यों न हो, परंतु पैसा उधार देते समय या मांगते समय हर बात को पहले ही स्पष्ट कर लें। हर बात को व्यावहारिक रूप से तय कर लें, ताकि भविष्य में

आपको कोई मुश्किल न आए। पैसा कब और किस तरह से वापस किया जाना है, इस विषय पर स्पष्ट बात का हो जाना बेहद जरूरी है। आप एक निश्चित तारीख पर एक साथ पैसा वापस करने वाले हैं या किस्तों में पैसा वापस लौटाने वाले हैं, इसके साथ ही मासिक किस्त की रकम भी पहले ही तय कर लें। पैसा उधार लेते और देते समय पहले ही सारे दस्तावेज तैयार कर लें और हर बात को स्पष्ट कर लें।

समय सीमा तय करें

पैसे उधार लेने के बाद उसे चुकाना भी होता है, इसके लिए समय निर्धारित करें क्योंकि कोई भी अपना पैसा लंबे समय के लिए नहीं दे सकता। अत: पैसा लौटाने की सही समय सीमा निर्धारित करें, ताकि न तो देने वाले को और न ही लेने वाले को परेशानी हो। यदि रकम छोटी है, तो जल्दी लौटा दें और यदि बहुत बड़ी है तो एक निर्धारित धन राशि के लिए समय फिक्स करके उसे जल्दी लौटा दें और बाकी के लिए थोड़ा समय मांग लें।

हर किसी के जीवन में उतार-चढ़ाव आते रहते हैं, कभी बिजनैस में घाटा होने के कारण तो कभी अपना घर बनाने के लिए, कभी नौकरी चले जाने पर तो कभी किसी बड़े समारोह के आयोजन पर अक्सर अपनों से पैसे उधार मांगने या उधार देने की आवश्यकता पड़ती है। ऐसे में यदि कुछ व्यावहारिक बातों का ध्यान रखा जाए, तो जाहिर-सी बात है कि पैसा रिश्ते में दरार पड़ने की वजह नहीं बनेगा। यूं तो ऐसे लोगों की भी कमी नहीं, जो रिश्तेदारों और दोस्तों से पैसा उधार मांगने की अपेक्षा बैंक से लोन लेना पसंद करते हैं, क्योंकि यह उन्हें किसी अन्य से पैसा मांगने से ज्यादा सहज महसूस होता है।

दबाव में न आएं

सामने वाले की आर्थिक मदद आप तभी कर सकते हैं, यदि आप स्वयं आर्थिक रूप से सक्षम हों। भले ही आपका उससे कितना ही प्यारा या नाजुक रिश्ता क्यों न हो, जो उस समय आर्थिक संकट से गुजर रहा हो, उसकी मदद तभी करें, यदि आपके पास उतनी धन राशि उसे देने के लिए हो। न तो पैसा किसी से उधार लेकर सामने वाले की मदद करें और न ही तब करें कि उसे अपनी बचत की पाई पाई देने के बाद आप स्वयं आर्थिक संकट में घिर जाएं। यदि इस प्रकार की कोई दुविधा हो, तो सामने वाले को गोल-मोल जवाब देने की अपेक्षा उसे स्पष्ट बताएं कि आप उसकी मदद करने में असमर्थ हैं, ताकि वह कहीं और ट्राई कर सके।

ब्याज न लें

यदि आप अपने किसी रिश्तेदार या दोस्त की मदद कर रहे हैं, तो उस राशि पर ब्याज लगा कर मुनाफा कमाने की न सोचें, क्योंकि अमूमन अपनों से पैसा तभी उधार मांगा जाता है, जब देने वाला ब्याज देने की स्थिति में न हो। यूं भी आप ब्याज लगा कर अपनी रिश्तेदारी और दोस्ती पर एक सवालिया निशान लगा देंगे, क्योंकि मांगने वाले को उस समय जरूरत है, इसलिए वह ब्याज देने को भी मान जाएगा, परंतु उसके मन में एक बात रह जाएगी कि आपने भी उसके नाजुक समय का फायदा उठाया है, उसकी मदद नहीं की।

धोखे में न फंसें

पैसा उधार देते हुए इस पहलू पर अवश्य गौर कर लें कि सामने वाला भविष्य में आपका पैसा वापस कर पाएगा या नहीं, क्योंकि बहुत से लोग समय निकल जाने के बाद पैसा वापस नहीं करना चाहते। इसके अलावा यह भी जांच लें कि कहीं पैसा उधार मांगना उसकी आदत तो नहीं, क्योंकि बहुत से लोग सामने वाले की भावनाओं का फायदा उठा कर भी पैसा उधार मांगना अपनी आदत बना लेते हैं और उधार वापस करने के नाम पर कन्नी काटने लगते हैं।

ध्यान रखें

✸पैसा तभी उधार मांगें, जब कोई अन्य विकल्प न बचे।

✸लेन-देन के समय किसी परिचित को साथ रखें।

✸जब तक उधार मांगे पैसे न लौटा दें अपने गैर जरूरी खर्चों पर रोक लगाएं।

✸यदि समय पर पैसा वापस नहीं कर पा रहे हैं, तो जिससे पैसा लिया है उससे मिल कर विनम्रता से अपनी स्थिति बता कर और समय मांग लें, परंतु उसके फोन कॉल्स एवं उससे मिलने को नजरअंदाज न करें, इससे गलतफहमी पैदा होगी।

थोड़े वक्त में निपटाएं बड़े काम

कभी किसी का इंतजार करते हुए तो कभी एक काम से दूसरे काम के बीच में मिले ब्रेक के रूप में, कभी लंबी दूरी की ट्रेन यात्रा में, तो कभी ट्रैफिक जाम में ऐसा खाली वक्त मिल ही जाता है। इन अनमोल पलों को बस यही सोच कर न खो दें कि इस समय मैं क्या करूं क्योंकि समय बेहद कीमती होता है। इसे व्यर्थ न जाने दें। इसके लिए कुछ ज्यादा सोचने या बहुत ज्यादा प्लान करने की जरूरत नहीं है। समय, सिचुएशन और जरूरत के अनुसार आप अपने स्पेयर टाइम का सदुपयोग कर जरूरी काम आसानी से निपटा सकती हैं।

काफी हैं पांच मिनट

✸बिजली, टैलीफोन या वाटर सप्लाई के जिन बिलों का भुगतान करना है उन्हें बाहर निकाल लें। चैक से भुगतान करना है तो चैक भर कर बिल के साथ पिनअप कर दें या कैश गिन कर अलग कर लें और बिल में मोड़ कर रख दें।

✸सुबह का अखबार अभी तक नहीं पढ़ पाई हों तो उसे भी एक नजर में देख लें।

✸लिखने की शौकीन हैं और कोई नया आइडिया दिमाग में आया है तो उसे तुरंत रफ ड्राफ्ट कर लें।

✸सैंडल और जूतों पर ब्रश मार सकती हैं।

✸पॉकेट या वॉलेट में बेकार पड़ी पर्चियां, रसीदें एवं टिकट आदि चैक कर फालतू कागज हटा कर वॉलेट हल्का कर लें।

✸रैगुलर चैकअप के लिए रोज डॉक्टर से अप्वाइंटमैंट लेना टाल रही थीं, तो आज फोन कर के अप्वाइंटमैंट बुक कर सकती हैं।

✸नाखून शेपअप करें या आई ब्रो प्लक कर लें।

✸बाजार से सामान लाने की लिस्ट बना लें।

पंद्रह मिनट का कमाल

✸हल्की-फुल्की एक्सरसाइज कर सकती हैं।

✸घर में खाली डिब्बे, कार्टन या बोतल आदि पड़े हैं तो उन्हें एक जगह इकट्ठा कर लें ताकि कबाड़ी को दिए जा सकें।

✸ऑफिस में हैं तो अपना ड्रॉअर साफ कर लें। सभी कागज ठीक से फाइल कर लें। फालतू पैन या बेकार कागज आदि डस्टबिन में फैंक दें। ऑलपिन इत्यादि एक छोटी डिब्बी में रख लें।

✸कपड़े आयरन करके आने वाले दिनों की सुबह की भागदौड़ से खुद को बचा सकती हैं।

✸बिजी रहने के कारण चेहरा रूखा-सा लग रहा हो तो जरा मॉयश्चराइजर लगा कर तरोताजा हो जाएं।

रिलीज से पहले ही पुष्पा 2 ने तोड़ा 52 साल का यह रिकॉर्ड, ऐसा करने वाली पहली फिल्म बनी

पुष्पा 2- द रूल मुंबई के प्रतिष्ठित गेयटी-गैलेक्सी मल्टीप्लेक्स में सभी छह स्क्रीनों पर प्रदर्शित होने वाली पहली फिल्म बनकर एक नया रिकॉर्ड स्थापित करने के लिए तैयार है। फिल्म के हर दिन कुल 18 शो होंगे। इस तरह अल्लू अर्जुन की यह फिल्म सिनेमा जगत में 52 साल के रिकॉर्ड को तोड़कर इतिहास रचने वाली है। फिल्म की एडवांस बुकिंग को पहले से ही शानदार प्रतिक्रिया मिल रही है, सीटें तेजी से भर रही हैं। मुंबई में हाल ही में एक कार्यक्रम में, मुख्य अभिनेता अल्लू अर्जुन ने खुलासा किया कि फिल्म विश्व स्तर पर रिकॉर्ड तोड़ 12,000 से अधिक स्क्रीन पर रिलीज होगी। अब यह गेयटी-गैलेक्सी के सभी छह स्क्रीनों पर प्रदर्शित होने वाली पहली फिल्म है, एक मल्टीप्लेक्स जो आमतौर पर केवल दो या तीन स्क्रीनों पर फिल्में दिखाता है।

गेयटी-गैलेक्सी मल्टीप्लेक्स में तोड़ा यह रिकॉर्ड

पुष्पा 2- द रूल छह सिनेमाघरों में प्रदर्शित की जाएगी जिनमें गेयटी, गैलेक्सी, जेमिनी, गॉसिप, जेम और ग्लैमर शामिल हैं। अतीत में, अधिकांश फिल्में इनमें से केवल दो या तीन थिएटरों में दिखाई जाती थीं। 1000 सीटों वाली गेयटी में दोपहर 1-00 बजे, शाम 5-00 बजे और रात 9-00 बजे शो होंगे, जबकि 800 सीटों वाली गैलेक्सी में दोपहर 12-00 बजे, शाम 4-00 बजे और 8-00 बजे फिल्म दिखाई जाएगी। अन्य थिएटर भी दिन भर में अलग-अलग समय पर फिल्म की मेजबानी करेंगे।

प्रतिदिन चलेंगे 18 शो

प्रतिदिन 18 शो चलाने का निर्णय इस मल्टीप्लेक्स के लिए पहला है, जो फिल्म की भारी मांग और लोकप्रियता को उजागर करता है। शो की संख्या को सीमित करने वाले 200 मिनट के लंबे समय के बावजूद, फिल्म उत्साह बनाए रखने में कामयाब रही है। विशेष रूप से तेलुगु राज्यों तेलंगाना और आंध्र प्रदेश में टिकट की कीमतों में उल्लेखनीय वृद्धि को लेकर चिंताएं व्यक्त की गई हैं।

पुष्पा 2- द रूल की उच्च मांग को मद्देनजर रखते हुए दोनों राज्य सरकारों ने टिकट की कीमत 600 रुपये प्रति व्यक्ति निर्धारित करते हुए बढ़ोतरी को मंजूरी दे दी है। यह केवल रिलीज के पहले चार दिनों, 5 दिसंबर से 9 दिसंबर तक लागू होगा। सुकुमार द्वारा निर्देशित और अल्लू अर्जुन, रश्मिका मंदाना और फहद फासिल अभिनीत यह फिल्म 5 दिसंबर को सिनेमाघरों में दस्तक देगी।

9 साल बाद पर्दे पर साथ दिखेंगे सूर्या और तृषा कृष्णन

साउथ सुपरस्टार सूर्या की 45वीं फिल्म अपने एलान के बाद से ही सुर्खियों में है। इसका अस्थायी शीर्षक सूर्या 45 है। दर्शकों को इस फिल्म से काफी उम्मीदे हैं क्योंकि सूर्या की हालिया रिलीज फिल्म कंगुवा बॉक्स ऑफिस पर बुरी तरह पस्त रही है। सूर्या 45 का इंतजार कर रहे प्रशंसकों के लिए खुशखबरी है। अभिनेता को तमिलनाडु के पोलाची में श्री मसानिअम्मन मंदिर में निर्देशक आरजे बालाजी के साथ आगामी फिल्म के लिए पूजा समारोह में भाग लेते देखा गया। एकादशी के शुभ अवसर पर, सूर्या और आरजे बालाजी के साथ उनकी टीम समारोह के लिए प्रसिद्ध मंदिर में एकत्रित हुई। भगवान के आशीर्वाद के साथ फिल्म का मुहूर्त शॉट लिया गया। आइए इसके शूटिंग शेड्यूल पर गौर फरमा लेते हैं-

सूर्या 45 की शूटिंग का पहला शेड्यूल 28 नवंबर, 2024 को कोयंबटूर में होगा। सूर्या 45 लगभग दो दशकों के बाद सूर्या और तृषा कृष्णन को स्क्रीन पर साथ ला रही है। दोनों को आखिरी बार 2005 की फिल्म आरू में एक साथ देखा गया था। यह फिल्म सूर्या और आरजे बालाजी के बीच पहले सहयोग का प्रतीक है। ड्रीम वॉरियर पिक्चर्स प्रोडक्शन के बैनर तले बन रही इस फिल्म के लिए एआर रहमान को संगीतकार के रूप में चुना गया है। सूर्या 44 पर भी चल रहा काम सूर्या अगली बार कार्तिक सुब्बाराज की एक्शन फिल्म में दिखाई देंगे, जिसका अस्थायी नाम सूर्या 44 है। सूर्या के साथ, फिल्म में पूजा हेगड़े, जयराम, जोजू जॉर्ज, करुणाकरण, नासर और प्रकाश राज जैसे अन्य कलाकार हैं। फिल्म का संगीत संतोष नारायणन ने तैयार किया है। शूटिंग पूरी होने और पोस्ट-प्रोडक्शन का काम जोरों पर होने के साथ, निर्माता इसे 2025 की गर्मियों में रिलीज की योजना बना रहे हैं।

पर्दे पर पस्त हुई कंगुवा

सूर्या 44 और सूर्या 45 के अलावा अभिनेता की पाइपलाइन में वेत्री मारन की वादीवासल और लोकेश कनगराज की रोलेक्स स्टैंडअलोन फिल्म भी है। इस तरह अभिनेता की आगामी लाइन-अप आशाजनक लगती है। वहीं, सूर्या की हालिया रिलीज फिल्म कंगुवा सिनेमाघरों में चल रही है, जिसे ज्यादातर नकारात्मक प्रतिक्रियाएं मिलीं। दरअसल, फिल्म को उनके जोरदार बैकग्राउंड म्यूजिक के कारण नकारात्मक समीक्षाएं मिलीं। समीक्षाओं का असर बॉक्स ऑफिस पर भी पड़ा है। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर बड़ी फ्लॉप साबित हुई है।

बाहुबली की सफलता के बाद अपनी भूमिकाओं पर तमन्ना भाटिया का खुलासा

तमन्ना भाटिया ने 2005 में हिंदी फिल्म चांद सा रोशन चेहरा से अपने अभिनय करियर की शुरुआत की थी। उसी साल उन्होंने फिल्म श्री से तेलुगु इंडस्ट्री में भी कदम रखा और उसके अगले साल केडी से तमिल में डेब्यू किया। तब से तमन्ना ने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा और आज वह सभी की पसंदीदा अभिनेत्री हैं। लेकिन ब्लॉकबस्टर हिट फिल्म बाहुबली 1 और बाहूबली 2 उनके जीवन का एक बहुत महत्वपूर्ण मोड़ था। बाहुबली की आपार सफलता के बाद तमन्ना का जीवन कैसा था। तमन्ना भाटिया जब फिल्म इंडस्ट्री में आई थीं, तब वह नई थीं। इसलिए, ग्लैमर और चकाचौंध की दुनिया की भाषा और संस्कृति से तालमेल बिठाने के दौरान अभिनेत्री को शुरुआती सालों में काफी संघर्ष करना पड़ा था। अब तक, उन्होंने केवल 19 सालों में 80 से अधिक फिल्मों में काम किया है। बहरहाल, तमन्ना इन दिनों अविनाश तिवारी और जिमी शेरगिल के साथ आगामी फिल्म सिकंदर का मुकद्दर के प्रचार में व्यस्त हैं।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, अपने करियर में शुरुआती संघर्षों के बारे में बात करते हुए तमन्ना ने कहा, मुझसे बहुत बड़े लोगों के साथ और ऐसी जगह पर काम करना जहां मुझे भाषा नहीं आती थी, मेरी सबसे बड़ी सीखों में से एक थी। मैंने एक पूरी तरह से अलग संस्कृति को समझा और अब मैं तमिल और तेलुगु दोनों में बोल सकती हूं।卐 मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, तमिल और तेलुगु में अपनी बैक-टू-बैक ब्लॉकबस्टर फिल्मों की व्यावसायिक सफलता के बाद अपने करियर में आए बदलाव के बारे में बताते हुए तमन्ना ने कहा, मुझे व्यावसायिक सफलता तो मिली, लेकिन एक अभिनेत्री के तौर पर मैं अभी भी सीख रही थी। मैं अलग-अलग तरह की चुनौतीपूर्ण भूमिकाएं निभाना चाहती थी, जब कोई अभिनेता व्यावसायिक रूप से अच्छा प्रदर्शन कर रहा होता है, तो यह धारणा बन जाती है कि इससे दूर जाना और भूमिकाओं के साथ प्रयोग करना अनावश्यक है, लेकिन मेरा फंडा हटके था... मैं शुरू से ही अलग-अलग भूमिकाएं निभाना चाहती थी। तमन्ना ने अपनी जीवन पर बाहुबली के प्रभाव के बारे में बात करते हुए कहा, यह सभी के लिए एक गेम-चेंजर फिल्म थी, लेकिन इसने वास्तव में मेरी सोच और समझ को व्यापक बनाया। आप बाहुबली से बड़ा कुछ कैसे कर सकते हैं? मुझे आगे क्या करना चाहिए? क्या मुझे कुछ बड़ा करना चाहिए? या मुझे फिर से आविष्कार करना चाहिए।

काली काली आंखें को मिली तारीफ से गदगद हैं आंचल

आंचल सिंह की सीरीज काली काली आंखें का दूसरा सीजन नेटफ्लिक्स पर रिलीज हो चुका है। इसमें उनके साथ ताहिर राज भसीन, सौरभ शुक्ला, श्वेता त्रिपाठी और आंचल सिंह नजर आ रहे हैं। इनके अलावा इस बार गुरमीत चौधरी भी उनका साथ देते हुए नजर आ रहे हैं। शो में एक बार फिर से रणनीति और लुका-छिपी का खेल देखने को मिल रहा है। इसका पहला सीजन साल 2022 में आया था और अब दो साल बाद इसका अगला सीजन रिलीज हुआ है। अभिनेत्री ने सीजन 2 को मिले प्यार पर दर्शकों का आभार जताया है। उन्होंने कहा कि लोगों से इतने ज्यादा प्यार की उन्हें उम्मीद नहीं थी। दर्शकों ने इस शो को उनकी उम्मीद से भी ज्यादा प्यार दिया है। अभिनेत्री ने आगे बताया कि उन्हें लगातार अलग-अलग शहरों से लोग कमेंट और मैसेज के जरिए प्यार जता रहे हैं। अभिनेत्री ने आगे कहा कि अक्सर लोग कहते हैं कि सीजन 2 सीजन 1 से अच्छा नहीं होता है, लेकिन लोगों को इसका सीजन 2 काफी ज्यादा पसंद आ रहा है। हम सभी ने इसे बहुत प्यार और शिद्दत से बनाया है। मैं बहुत खुश हूं कि हमारी सीरीज ट्रेंडिंग में है।

चुनौती भरा रहा शूटिंग का अहसास

आंचल ने इस बातचीत में आगे बताया कि इस बार काली काली आंखे में बहुत कुछ हो रहा है। इसमें पॉलिटिक्स, प्यार के साथ और भी कई चीजें देखने को मिल रही हैं। हालांकि, लोग इसमें प्यार के लिए हदें पार करते हुए नजर आ रहे हैं। यह सीजन दो साल के बाद आया है। इस गैप के पीछे की वजह है कि लोगों द्वारा इसे प्यार मिल रहा है। कई लोगों को इस बार की स्टोरी लाइन, ड्रामा काफी नया लग रहा है और लोग इसकी तारीफ कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि इस सीरीज को मुंबई, मनाली और लंदन में शूट किया गया है। इसके लिए उन्हें तीन बजे सुबह उठना पड़ता था। बर्फ के बीच इसकी शूटिंग करना उनके लिए काफी चुनौती भरा था, लेकिन उन्हें ये करने में काफी मजा आया।

इस किरदार के बाद लगा मेरा नया जन्म हुआ है

अभिनेत्री ने अपने किरदार अपूर्वा को लेकर कहा कि उसमें उन्हें काफी गहराई नजर आती है। उनका किरदार इमोशनल है, फाइटर है और वो हर परिस्थिति से लड़ने को तैयार रहती है। अभिनेत्री ने आगे कहा कि उन्होंने अपने किरदार से सीखा कि इंसान को वास्तविक जीवन में अपने स्वाभाव के प्रति ईमानदार रहना चाहिए। उन्होंने कहा, अपूर्वा प्यार करती है, तो छिपाती नहीं है। वो हमेशा अपनी चीजों को दिखाने और कहने के प्रति ईमानदार रहती है। यह किरदार मेरे लिए जिंदगी भर खास रहेगा। इस किरदार के बाद लगा कि मेरा नया जन्म हुआ है।

चंकी पांडे ने संघर्षों पर की बात बताया कैसे बन गए प्रॉपर्टी डीलर

चंकी पांडे बॉलीवुड के मशहूर अभिनेता रहे हैं। उन्होंने इंडस्ट्री में एक लंबा सफर तय किया है। अस्सी और नब्बे के दशक की शुरुआत में एक सफल करियर के बाद बतौर मुख्य किरदार उनके लिए अवसर कम होते चले गए। इसके बाद उन्होंने चरित्र भूमिकाएं निभानी शुरू कर दी। हाल में ही बातचीत के दौरान अभिनेता ने अपनी बेटी अनन्या पांडे के साथ बातचीत की। इस दौरान उन्होंने बांग्लादेश में काम करने और वहां जीविका कमाने के लिए किए गए संघर्ष को याद किया। इस बातचीत के दौरान चंकी ने बांग्लादेश में काम करने और जीविका कमाने के लिए संघर्ष करने को याद किया। इसे लेकर अनन्या ने उनसे पूछा कि 90 के दशक की शुरुआत के बाद चंकी का करियर ढलान पर आ गया, तो क्या उन्हें कभी ऐसा लगा कि यह अंत है। चंकी ने जवाब देते हुए कहा, हां हां। अंत का मतलब है कि यह म्यूजिकल चेयर्स की तरह था और जब संगीत बंद हो गया, तो आपके पास बैठने के लिए कुर्सी नहीं थी। मेरा मतलब है, मेरे पास ब्लॉकबस्टर फिल्में थीं।

बंग्लादेश में प्रॉपर्टी डीलर और इवेंट मैनेजमेंट में किया काम

अभिनेता ने आगे कहा, इसलिए मैं बांग्लादेश चला गया, वहां फिल्में कीं। सौभाग्य से वे कामयाब रहीं और मैंने 4-5 साल तक उसे अपना घर बना लिया, लेकिन यह डरावना था।असल में मैंने काम करना बंद नहीं किया। मैंने एक इवेंट कंपनी खोली। फिर मैंने इवेंट करना शुरू किया। मैंने जमीन का सौदा करना, प्रॉपर्टी खरीदना शुरू किया। मैंने बस अपने अहंकार को किनारे रखा और खुद से कहा कि मुझे जीवित रहने की जरूरत है और इसलिए मैंने ये सब किया लेकिन मैंने उस प्रक्रिया में बहुत कुछ सीखा।

तमाम चुनौतियों के बाद डटे रहे चंकी

इन तमाम चुनौतियों के बावजूद, चंकी पांडे का करियर चलता रहा है। 1980 के दशक में तेजाब और आंखें जैसी हिट फिल्मों से स्टारडम हासिल करने के बाद, उन्होंने 2000 के दशक में खुद को एक चरित्र अभिनेता के रूप में फिर से स्थापित किया। इस दौरान उन्होंने हाउसफुल जैसी फिल्मों में अपनी कॉमिक टाइमिंग के लिए काफी तारीफ भी हासिल की। इस लगातार बदलते उद्योग में खुद को ढालने और बने रहने की उनकी क्षमता और प्रतिभा को दर्शाती है।

पुष्पा की शूटिंग जल्दी खत्म करना चाहते थे अल्लू अर्जुन

तेलुगू स्टार और नेशनल अवॉर्ड विनिंग अभिनेता अल्लू अर्जुन ने अपने काम के अनुभव को लेकर बात की। फिल्म पुष्पा- द राइज को लेकर प्रेस कॉन्फ्रेंस में शूटिंग से जुड़ी कुछ खास बातें साझा की हैं। अल्लू अर्जुन ने बताया कि पिछले पांच साल से इस फिल्म के लिए काम कर रहे हैं। वे जल्द से जल्द पुष्पा की शूटिंग खत्म करना चाहते थे। वे अपने किरदार के लिए अपनी दाढ़ी बढ़ाने के लिए बाध्य थे, इसलिए वे जल्दी शूटिंग खत्म कर उसे हटाना चाहते थे। अल्लू अर्जुन ने कहा, मैंने इस फिल्म की शूटिंग लगभग पांच साल तक की, जिसमें पहला और दूसरा भाग भी शामिल है। मैं इस फिल्म के खत्म होने का इंतजार कर रहा था ताकि मैं क्लीन शेव कर सकूं। मेरी बेटी मेरे पास नहीं आती क्योंकि मैं उसे चूम नहीं सकता क्योंकि मेरी दाढ़ी है। मैंने पिछले तीन-चार सालों में उसे ठीक से चूमा नहीं है। अल्लू अर्जुन ने कहा कि जब उन्होंने पुष्पा की शूटिंग पूरी कर ली तो अगले दिन वे काफी भावुक हो गए। उन्होंने कहा, अगले दिन जब शूटिंग पूरी हो गई, मैं शांत सा हो गया। ये मेरे लिए बहुत कठिन समय था। मैं जिन चेहरों को पिछले पांच साल से देख रहा था, उन्हें मैंने फिर देखा।

ब्रीफ न्यूज

नुक्कड़ नाटक कर बालिकाओं ने दिया सही उम्र में विवाह करने का संदेश

खरगोन। हम होंगे कामयाब पखवाड़े के अंतर्गत महिला एवं बाल विकास विभाग भीकनगांव के तत्वाधान में महिलाओं के खिलाफ होने वाली हिंसा एवं लिंग समानता के मुद्दे पर जिला कार्यक्रम अधिकारी भारती अवास्या एवं भीकनगांव एसडीएम श्रीमती आकांक्षा करोठिया के निर्देशानुसार नेताजी सुभाष चंद्र बोस छात्रावास की बालिकाओं द्वारा भीकनगांव हाट बाजार में नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया। नाटक के माध्यम से संदेश दिया गया कि लड़के और लड़की का विवाह सही उम्र में करना चाहिए और बाल विवाह होने की स्थिति में क्या करना चाहिए और बाल विवाह के क्या-क्या नुकसान है। नुक्कड़ नाटक के दौरान महिला बाल विकास विभाग की पर्यवेक्षक श्रीमती भारती, श्रीमती ममता मगरे, श्रीमती सलिता बिल्लौरे, कल्पना भावसार, सुषमा मंडलोई, तरंग वाजपई, संगीता, उर्मिला, ममता, नंदा, बबलु चौहान, शिक्षिका विद्या वास्कले, सीमा निगवाल, संतोषी मंडलोई एवं साधना कानूनगो सहित अन्य उपस्थित थे।

ग्राम पिपराटा में फार्मर रजिस्ट्री एवं आधार से खसरा लिकिंग की दी गई जानकारी

खरगोन। राजस्व विभाग के लंबित प्रकरणों के निराकरण के लिए खरगोन जिले में भी राजस्व महा अभियान-3.0 चलाया जा रहा है। इस अभियान के अंतर्गत डिप्टी कलेक्टर सुश्री पूर्वा मण्डलोई, तहसीलदार खरगोन ग्रामीण के साथ ग्राम पिपराटा पहुंची और ग्रामीणों के साथ चर्चा कर उन्हें राजस्व महा अभियान की जानकारी दी। डिप्टी कलेक्टर सुश्री मण्डलोई ने ग्रामीणों व किसानों को बताया कि राजस्व महा अभियान के अंतर्गत फार्मर रजिस्ट्री का कार्य किया जा रहा है। सभी किसानों को फार्मर रजिस्ट्री करवाना अनिवार्य है। इससे किसानों को शासन की योजनाओं का लाभ लेने में आसानी हो जाएगी। यदि वे फार्मर रजिस्ट्री नहीं कराएंगे तो उन्हें शासन की योजना के लाभ से वंचित होना पड़ सकता है। इस दौरान किसानों को बताया गया कि अपने आधार नंबर को खसरा से अनिवार्य रूप से लिंक कराएं। खसरे के आधार नंबर से लिंक नहीं होने पर उन्हें प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना का लाभ नहीं मिलेगा।

सुदूर वन में हम फाउंडेशन भारत विवेकानंद शाखा ने किया कवि सम्मेलन का आयोजन,

खंडवा। राष्ट्रीय संगठन हम फाउंडेशन भारत के विवेकानंद शाखा खंडवा ने जिला मुख्यालय से 50 किलोमीटर दूर घाटी खास के जंगल में स्थित महादेव मंदिर में कवि सम्मेलन, साहित्यकार प्रताप राव कदम के मुख्य आतिथ्य में आयोजित किया, समाजसेवी सुनील जैन ने बताया कि जहां राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त कवियों और साहित्यकारों की उपस्थिति रही वहीं कवियों की श्रंगार और ओजपूर्ण वीर रस से पगी हुई कविताओं को सुनने के लिए ग्रामीणों में खासा उत्साह रहा, कवि सम्मेलन की शुरुआत में शाखा अध्यक्ष अमित मिश्रा ने सभी कवियों और साहित्यकारों का परिचय श्रोताओं से कराया,महादेव मंदिर में पूजन अर्चन के बाद कवि सम्मेलन की शुरुआत की गई, कवि नीरज पाराशर ने अपनी ओजपूर्ण शैली में कविता पाठ श्रोताओं का दिल जीत लिया।

युवा स्वरोजगार अपनाकर अन्य लोगों को रोजगार उपलब्ध कराएं

आईटीआई खरगोन में किया गया रोजगार, स्व-रोजगार एवं अप्रेंटिसशिप मेले का आयोजन

सत्ता सुधार ■ खरगोन

03 दिसंबर को उमरखली रोड़ खरगोन स्थित आईटीआई परिसर में रोजगार, स्वरोजगार एवं अप्रेंटिसशिप मेले का आयोजन किया गया। इसमें 09 कंपनियों को आमंत्रित किया गया था। जिनके द्वारा युवाओं का रोजगार के लिए चयन किया गया है। इस मेले में शासन की रोजगारमूलक योजनाओं के अंतर्गत 17 हितग्राहियों को 34 लाख 35 हजार रुपये का ऋण वितरण भी किया गया। मेले का शुभारंभ कलेक्टर श्री कर्मवीर शर्मा द्वारा द्वीप प्रज्वलन कर किया गया। इस अवसर पर जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र के महाप्रबंधक श्री आत्माराम सोनी, सहायक प्रबंधक श्री धनजय शुक्ला, जिला रोजगार अधिकारी श्रीमती प्रीतिबाला सस्ते, अग्रणी बैंक प्रबंधक श्री एसएस सोलंकी, शहरी विकास अभिकरण के श्री उमेश जोशी, पॉलिटेक्निक कॉलेज के प्राचाय श्री सुमेर सिंह मुकाती, आईटीआई के प्राचार्य श्री हितेशी सुरागे, मेले में आये कंपनियों के प्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में युवा उपस्थित थे। कलेक्टर श्री कर्मवीर शर्मा ने मेले के शुभारंभ अवसर पर युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि युवाओं को स्वरोजगार के अवसर सुलभ कराने के लिए हर माह रोजगार मेले का आयोजन किया जा रहा है। यह मेले विभिन्न क्षेत्रों में तकनीकी प्रशिक्षण प्राप्त युवाओं के लिए रोजगार उपलब्ध कराने के अच्छा माध्यम बन रहे हैं। उन्होंने युवाओं से कहा कि वर्तमान समय स्वरोजगार का है। अतः युवा सरकारी नौकरी के पीछे भागने के बजाय स्वरोजगार पर ध्यान दें। स्वरोजगार अपनाकर युवा अन्य युवाओं को रोजगार देने में सक्षम बनेंगे। प्रदेश एवं केन्द्र सरकार स्वरोजगार के लिए युवाओं को विभिन्न योजनाओं में ऋण एवं अनुदान उपलब्ध करा रही है। खरगोन जिले में चालू वित्तिय वर्ष में 26 हजार युवाओं को स्वरोजगार के लिए ऋण दिया गया है। मार्च 2025 तक 10. हजार और युवाओं को स्वरोजगार के लिए ऋण उपलब्ध कराया जाएगा। कलेक्टर श्री शर्मा ने युवाओं से कहा कि वे स्वरोजगार की दिशा में आगे बढ़ें। स्वरोजगार अपने शहर में एवं अपने घर-परिवार के आस-पास स्थापित किया जा सकता है। आज इस मेले में 09 कंपनियां आयी है। एलआईसी द्वारा खरगोन जिले से 700 एजेंट का चयन किया जाना है। इसमें वे बालिकाओं को प्राथमिकता दे रहे हैं। बालिकाएं अपनी पढाई के साथ पार्ट टाईम जॉब कर एलआईसी एजेंट बन सकती है और अपने लिए आय का जरिया तैयार कर सकती है। उन्होंने युवाओं से कहा कि वे तकनीकी रूप से प्रशिक्षित हो जाए और उसके बाद स्वरोजगार योजनाओं में ऋण के लिए आवेदन करें। उन्होंने बताया कि आईटीआई द्वारा प्रधानमंत्री इंटर्नशीप योजना का संचालन किया जा रहा है। इसमें चयनित युवाओं को देश की शीर्ष 500 कंपनियों में रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे।

प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना में मोटर साईकिल आईस बॉक्स का वितरण

इस मेले में मत्स्य विभाग द्वारा प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा के अंतर्गत 0.9 हितग्राहियों को अनुदान पर मोटर साईकिल एवं आईस बॉक्स प्रदान किया गया है। कलेक्टर श्री शर्मा ने इन हितग्राहियों को मोटर साईकिल की चॉबी सौंपी। इन हितग्राहियों में हिरमल पिता गौरेलाल, नाथू पिता फत्या, रबा पिता इन्जनिया, भूरसिंग पिता वासलिया, कन्हैया पिता नाथू, सिंगदार पिता इन्जनिया, गिलदार पिता वासलिया, रामा पिता इन्जनिया एवं गौरेलाल पिता रेडिया शामिल है। इन हितग्राहियों को मोटर साईकिल एवं आईस बॉक्स मिलने से वे अब मछलियों का विक्रय गांव-गांव घूमकर कर सकेंगे।

बांग्लोदश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार को लेकर आमसभा का आयोजन किया गया

अल्पसंख्यक हिंदुओं पर अत्याचार को लेकर एक आमसभा का आयोजन किया गया

सत्ता सुधार ■ अशोकनगर

जिले में समस्त हिंदू समाज द्वारा एकत्रित होकर प्रात कालीन नगर भ्रमणकर हिंदू जागरण रैली निकाली गई। जिसमें मुख्य बाजार के सभी व्यापारी बंधुओ से अपने-अपने प्रतिष्ठान बंद करने हेतु निवेदन किया। समाज व्यापारी ने स्वेक्षिक बंद रखा दोपहर 1 बजे विमान चबूतरा पर एकत्रीकरण के साथ बांग्लादेश में हो रहे। अल्पसंख्यक हिंदुओं पर अत्याचार को लेकर एक आमसभा का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य वक्ता नवनीत शर्मा धर्म जागरण प्रांत संयोजक बांग्लादेश में हिंदू अत्याचार के बारे में बताया बांग्लादेश में 77 वर्षो के बाद इतिहास दोहराया जा रहा है। कारण क्रंदन वही आंसुओं से गड़बड़ाई आंखें वहि बहन बेटियों का बलात्कार के बारे में की गई विवश लाश है। भाई उजड़े हुए जलते हुए घर बही खामोशी में स्थानीय प्रशासन जिस् प्रकार से 1971 में पश्चिमी पाकिस्तान की तानाशाह जनरल टिक्का खाने ऑपरेशन सच लाइट चला कर हिंदुओं का जिनोसाइड प्रारंभ किया था। 23 मार्च 1970 को चालू किया आक्रमण में तत्कालीन अभी का बांग्लादेश 30 लाख हिंदू को मात्र कुछ ही महीना में पास भी तरीके से मार दिया गया था। चार लाख से ज्यादा जवान बहू बेटियों को निर्मम बलात्कार किया गए थे। इन सब के बाद भी बांग्लादेश का साथी चार लाख से ज्यादा जवान बहू बेटियों को निर्मम बलात्कार किए गए थे। इन सब के बाद भी बांग्लादेश का जिज्विश के साथ डाटा हुआ है उसने अपनी मातृभूमि को नहीं छोड़ा 5 अगस्त के बाद बांग्लादेश में हिंदुओं की रातों की की नींद नहीं ली। हजारों हिंदुओं हजारों हिंदुओं की अब तक हत्याएं हो चुकी हैं। इनमें बांग्लादेश की प्रसिद्ध उद्योगपति कलाकार गायकवाड खिलाड़ी पुलिस अधिकारी सभी का समावेश है। बांग्लादेश की हिंदुओं की दुर्दशा पर पूरे देश के हिंदुओं में आक्रोश इस प्रकार घटनाओं का क्रम चल रहा है। कार्यक्रम में मुख्य रूप से 1008 महामंडलेश्वर रामगोपाल दास जी महाराज ने कहा कि जात-पात खत्म करके हिंदू समाज को एक होना पड़ेगा सभी समाजों हमारे मठ में हमारे उसमें आमंत्रित हैं जो सब धर्म में लौटेगा उनके लिए हम सब स्वागत करते हैं। युवराज रामचंद्र दास जी ने भी बांग्लादेश की घटनाओं पर चिंता व्यक्त की वृंदावन से आए बोल मुरारी बापू ने कहा कि हिंदू समाज को एक होना पड़ेगा तब हिंदू धर्म की रक्षा होगी तब समाज की रक्षा होगी। हिंदू को एक होना पड़ेगा तभी हिंदू बचेगा एक रहेंगे तो नेक रहेंगे के साथ साथ हिंदू समाज को खड़ा करने का विषय बताया। इस अवसर पर महंत रामेश्वर दास ,जगदीश दास महाराज चित्रकूट, मनमोहन दास महाराज भरका, विष्णु दास महाराज लहरघाट ,रामनिवास दास महाराज जोगिया ,सुखदेव दास महाराज टेकरी साडोरा प्रमुख संत मंचासीन थे । बताया आयोजन में समस्त संत समाज उपस्थिति रही संतो का स्वागत महेश त्यागी ने किया सन्तो द्वारा मंच से बांग्लादेश में हो रहे अत्याचारों का व्याख्यान किया गया एवं समस्त हिंदुओं के हित की बात रखी गई।

परख राष्ट्रीय उपलब्धि सर्वे 4 दिसंबर को होगा संपन्न

खरगोन। परख राष्ट्रीय उपलब्धि सर्वेक्षण आज जिले की चयनित 88 शालाओं में होगा ।जिसमें डाइट बजरंगगढ़ एवं जिले में संचालित अशासकीय शिक्षा महाविद्यालय के छात्र-छात्राएं जो की राष्ट्रीय उपलब्धि सर्वेक्षण में क्षेत्र अन्वेषक की भूमिका में कार्य कर रहे है इन्हीं के द्वारा सर्वे की सम्पूर्ण कार्यवाही की जाना है।सभी क्षेत्र अन्वेषको को प्रशिक्षित किया जा चुका है। सहायक जिला परियोजना समन्वयक महेंद्र जैन ने बताया कि पूरे देश में 4 दिसंबर को परख राष्ट्रीय उपलब्धि सर्वेक्षण का आयोजन एनसीईआरटी के द्वारा किया जा रहा है ।जिसमें जिले के 88 स्कूलों की 101 कक्षाएं जिसमें कक्षा 3, कक्षा 6 ,कक्षा 9 के विद्यार्थियों का एवं इन कक्षाओं में पढ़ाने वाले शिक्षकों का एवं शाला का सर्वेक्षण किया जाना है। इस पूरे सर्वेक्षण हेतु 88 ऑब्जर्वर की नियुक्ति भी डीएलसी के द्वार की गई है। जिला शिक्षा अधिकारी नीरज शुक्ला ने बताया कि जिले का आरसीसी केंद्र संस्कृति विद्यालय को बनाया गया है ।आरसीसी केंद्र के प्रभारी संस्कृति स्कूल के प्राचार्य के संरक्षण में ही सर्वे से संबंधित संपूर्ण सामग्री का वितरण ऑब्जर्वर को किया जाएगा एवं सर्वे उपरांत संपूर्ण सामग्री आब्जर्वर के द्वारा आरसीसी सेंटर पर ही जमा की जावेगी। जिला परियोजना समन्वयक राहुल शर्मा ने बताया कि संपूर्ण फील्ड इन्वेस्टिगेटर को ड्यूटी आदेश प्रदान कर दिए गए हैं।

चल रहे संगठन पर्व में लोकतंत्र की मर्यादा हो राजतंत्र की नहीं: गांधी

सत्ता सुधार ■ खंडवा

आपसी तालमेल और समन्वय के साथ भाजपा के संगठन पर्व अंतर्गत बूथ समितियों के गठन पश्चात अब मंडल का पुर्नगठन होगा। मंडल अध्यक्ष बनने के लिए कार्यकर्ता का सक्रिय सदस्य होना आवश्यक है। उसकी आयु 45 वर्ष से अधिक न हो। पूर्व में किसी न किसी संगठनात्मक पद पर रहा हो, उस पर किसी प्रकार की अनुशासनात्मक कार्यवाही नहीं की गई हो। उसने किसी भी प्रकार का आर्थिक अपराध न किया हो, यह बात जिला कार्यशाला की आयोजित बैठक को संबोधित करते हुए संगठन पर्व के जिला प्रभारी राय सिंह सेंधव ने कहीं, श्री सेधव ने कहा कि पार्टी कार्यक्रमों के लिए जो समय दे सके उन्हें ही पदाधिकारी एवं अन्य जवाबदारी दी जाए, बुथ समिति के संपन्न चुनाव के रजिस्टर शीघ्र जिला कार्यालय में जमा हो ताकि आगे की कार्यवाई की जा सके, हमारा संगठन का पर्व लोकतंत्र व्यवस्था के अनुरूप चल रहा है, मंडल अध्यक्ष के चुनाव में भी आपसी समन्वय एवं पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के तालमेल के साथ संपन्न हो साथ ही मंडल अध्यक्ष के चुनाव में भी अपेक्षित महिलाएं, अजा और अजजा वर्ग के लोग भी समिति में शामिल हो, मंडल अध्यक्ष के चुनाव 5 से 10 दिसंबर के बीच संपन्न हो इसकी चिंता करें, प्रवक्ता सुनील जैन ने बताया कि पूरे देश में भाजपा का संगठन महापर्व मनाया जा रहा है, जिसके तहत बूथ स्तर से लेकर राष्ट्रीय स्तर तक के अध्यक्ष का चुनाव किया जाना है, जिला अध्यक्ष सेवा दास पटेल,जिला प्रभारी इकबाल सिंह गांधी एवं संगठन पर्व के प्रभारी राय सिंह सेंधव के मार्गदर्शन में पहले चरण में बुथ स्तर की समितियां समन्वय के साथ बन चुकी है, हर्ष का विषय है कि इस कार्य में खंडवा जिला अग्रणी नहीं रहा है, पर्व के दूसरे चरण जिसमें मंडल अध्यक्ष का चुनाव किया जाना है, प्रक्रिया शुरू हो चुकी है,दूसरे चरण की प्रक्रिया के लिए सोमवार को जिला कार्यालय में जिला पदाधिकारी एवं अपेक्षित कार्यकर्ताओं की कार्यशाला का आयोजन किया गया, कार्यशाला को संबोधित करते हुए जिले के प्रभारी इकबाल सिंह गांधी ने बूथ संख्या, सक्रिय सदस्य संख्या, बूथ समितियों की ऑन लाइन इंट्री आदि की जानकारी ली। हरियाणा के बाद अब महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में पार्टी को प्रचंड बहुमत मिलने पर कहा यह वरिष्ठ नेताओं के प्रति जनता के विश्वास व कार्यकर्ताओं की मेहनत का परिणाम है।

शा. मॉडल स्कूल में 'हम होंगे कामयाब' अभियान के तहत जेंडर आधारित हिंसा रोकथाम पर जागरूकता कार्यक्रम

सत्ता सुधार ■ अशोकनगर

महिला सुरक्षा, सम्मान और जेंडर आधारित हिंसा के उन्मूलन के लिए 25 नवंबर से 10 दिसंबर 2024 तक चल रहे विशेष जागरूकता अभियान हम होंगे कामयाब के अंतर्गत आज शासकीय मॉडल स्कूल ईसागढ़ में महिला एवं बाल विकास विभाग और पुलिस विभाग के संयुक्त तत्वावधान में विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

इस कार्यक्रम का आयोजन पुलिस अधीक्षक अशोकनगर विनीत कुमार जैन के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक गजेन्द्र सिंह कँवर और अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) अनुभाग चंदेरी शैलेन्द्र शर्मा के मार्गदर्शन में किया गया। थाना प्रभारी ईसागढ़ उनि. मीना रघुवंशी और महिला एवं बाल विकास परियोजना अधिकारी श्रीमती रजनी बालू ने विद्यार्थियों को महिलाओं और छात्राओं के अधिकारों, कानूनों और लाभकारी योजनाओं की जानकारी प्रदान की। महत्वपूर्ण विषयों पर जागरूकता कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को गुड टच-बैड टच,भ्रूण हत्या लिंगानुपात, और महिला हेल्पलाइन नंबर 100, 1090, 1930, 1098 के बारे में जागरूक किया गया।

बाईपास और खंडवा में बटालियन खुले इस हेतु अनुरोध पत्र सुनील जैन ने सांसद पाटिल को सौंपा

खंडवा। शहर में रिंग रोड बायपास की मांग लंबे समय से चली आ रही है। इंदौर-इच्छापुर हाइवे से देशगांव-रूधि तक बायपास रोड तो बन रहा है, लेकिन इंदौर रोड छैगांव से हरसूद रोड तक बायपास के लिए अब तक कार्रवाई शुरू नहीं हो पाई है, आशीर्वाद यात्रा में खंडवा आए राष्ट्रीय राजमार्ग परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने मंच से रूधि-डुल्हार बायपास की फिजिबिलिटी रिपोर्ट तैयार कराने की घोषणा की थी, समाजसेवी व प्रवक्ता सुनील जैन ने बताया कि इस बायपास मार्ग के लिए सांसद ज्ञानेश्वर पाटिल ने केंद्रीय परिवहन राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी को कुछ वर्ष पूर्व लोक निर्माण द्वारा निर्माण द्वारा बनाए गए एस्टीमेट व मांग पत्र सोंपकर इस बाईपास की स्वीकृति का अनुरोध किया था, रविवार को संसद ज्ञानेश्वर पाटिल के खंडवा आगमन पर चैंबर ऑफ़ कॉमर्स के पदाधिकारी ने जहां खंडवा को संभाग बनाने की मांग रखी।

निर्देश

संबंधित विभाग के अधिकारियों को उनका त्वरित निराकरण करने के निर्देश दिए

जनसुनवाई में सुनी 67 आवेदकों की समस्याएं, दिए निर्देश

सत्ता सुधार ■ खरगोन

प्रत्येक मंगलवार को होने वाली जनसुनवाई की कड़ी में 03 दिसंबर को कलेक्ट्रेट कार्यालय में जनसुनवाई का आयोजन किया गया। इसमें संयुक्त कलेक्टर श्री सत्यनारायण दर्रे एवं श्रीमती हेमलता सोलंकी ने आवेदकों की समस्याओं को सुना और संबंधित विभाग के अधिकारियों को उनका त्वरित निराकरण करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई में 67 आवेदक अपनी समस्याएं लेकर आए थे। जनसुनवाई में महेश्वर जनपद की ग्राम पंचायत जलकोटा की शानु पति कालू कहार संबल योजना की फाईल तकनीकी खराबी होने से ऑनलाइन नहीं होने की शिकायत लेकर आयी थी। उनका कहना था कि पति कालू कहार की 22 मई 2024 को मृत्यु हो गई थी। संबल योजना में उनका पंजीयन है लेकिन फाईल तकनीकी खराबी होने से ऑनलाईन नहीं हो पायी है। अतः उसे संबल योजना का लाभ दिलाया जाए। जनपद पंचायत भीकनगांव की ग्राम पंचायत अमनखेड़ी के सरपंच एवं सचिव ग्राम लखापुर ढाक बैड़ी मार्ग पर अपर नदी पर पुलिया निर्माण की मांग लेकर आये थे। उनका कहना था कि नदी पर पुलिया नहीं होने से ग्रामीणों एवं किसानों को परेशानी होती है। ग्राम पंचायत कोदला जागीर के ग्रामीण शिकायत लेकर आये थे।

बांग्लादेश के कट्टरपंथियों द्वारा अल्पसंख्यक हिन्दुओं पर किये जा रहे अत्याचार के विरोध में सौंपा ज्ञापन

सभी हुए एक जुट सीहोर रहा शत्प्रतिशत बंद

सत्ता सुधार ■ खरगोन

बांग्लादेश में हिन्दुओं तथा अन्य सभी अल्पसंख्यकों पर बांग्लादेश के कट्टरपंथियों द्वारा हमले, हत्या, लूट, आगजनी तथा महिलाओं पर हो रहे अमानवीय अत्याचार के विरोध में सकल हिन्दू समाज बाल विहार मैदान में एकत्रित हुआ है। सभी संत महात्माओं ने युवाओं का आव्हान किया कि वे आगे आयें और हिंदू संस्कृति के संरक्षण व संवर्धन में अपना योगदान दें। विश्व में कहीं भी हिंदू संस्कृति पर प्रहार हो तो हमें एकजुटता से उसका प्रतिकार करना है। जिले से पधारे प्रमुख संत महात्माओं , धर्म गुरुओं से मार्गदर्शन प्राप्त कर सभी समाजजनों व मातृशक्ति ने जन आक्रोश रैली निकाल कर राष्ट्रपति महोदय के नाम बांग्लादेश के पीड़ितों के साथ खड़े होकर अपना समर्थन प्रकट करने के लिये सीहोर कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। समस्त हिन्दू समाज के प्रयास व सहयोग से रैली सफल हो सकी है।

ब्रीफ न्यूज

होंडा एक्टिवा की अक्टूबर में 2,66,806 यूनिट्स की बिक्री

नई दिल्ली। पिछले महीने अक्टूबर 2024 में होंडा एक्टिवा ने 2,66,806 यूनिट्स की बिक्री की। इसी के साथ होंडा एक्टिवा ने पिछले साल की तुलना में 22 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की। यह आंकड़ा भारतीय बाजार में स्कूटरों की बढ़ती मांग को दर्शाता है।

इसकी बेहतरीन परफॉर्मेंस और बजट-फ्रेंडली कीमत इसे भारतीय ग्राहकों के बीच बेहद लोकप्रिय बनाती है। वहीं, टीवीएस जुपीटर ने 1,09,702 यूनिट्स के साथ दूसरा स्थान हासिल किया, जबकि सुजुकी एक्सेस 74,813 यूनिट्स की बिक्री के साथ तीसरे स्थान पर रहा। इलेक्ट्रिक स्कूटर सेगमेंट में, ओला एस 1 ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए 41,651 यूनिट्स की बिक्री की, और इसकी सालाना वृद्धि 74 प्रतिशत रही। इसके अलावा, टीवीएस एनटॉर्क ने 40,000 यूनिट्स की बिक्री के साथ टॉप लिस्ट में अपनी जगह बनाई। अक्टूबर 2024 में टॉप 10 स्कूटर्स की कुल बिक्री 6.64 लाख यूनिट्स रही, जो पिछले साल से 27 प्रतिशत अधिक है।

भारतीय करेंसी अपने इतिहास के सबसे कमजोर स्तर पर

नई दिल्ली। भारतीय करेंसी अपने इतिहास के सबसे कमजोर स्तर पर दिखाई दे रही है। सोमवार को डॉलर के मुकाबले रुपया 12 पैसे टूटकर 84.71 के स्तर पर बंद हुआ, जो अब तक का सबसे कमजोर स्तर है। वैसे रुपये में यह गिरावट इसलिए भी ज्यादा दिख रही, क्योंकि अमेरिका के बनने वाले नए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ब्रिक्स मुद्रा के खिलाफ सख्य बयान दिया था। उन्होंने कहा था कि अगर ब्रिक्स मुद्रा आती है तो वे आयात करना बंद कर देंगे। अगर डॉलर को कमजोर किया जाएगा तो ब्रिक्स देशों पर 100 फीसदी आयात शुल्क लगा दिया जाएगा। इस बयान के बाद रुपया टूटकर ऐतिहासिक कमजोर स्तर पर पहुंच गया। डॉलर के मुकाबले रुपये में गिरावट आने से बाहर से आने वाली वस्तुएं महंगी हो जाती हैं। अगर पेट्रोल-डीजल महंगा हुआ तो माल ढुलाई भी बढ़ जाएगी और इसका सीधा असर आम आदमी के इस्तेमाल वाली वस्तुओं पर होगा और देश में महंगाई बढ़ जाएगी।

रुपया अपने सर्वकालिक निचले स्तर 84.76 प्रति डॉलर पर

मुंबई। वैश्विक बाजारों में अमेरिकी मुद्रा की मजबूती और विदेशी पूंजी की निरंतर निकासी की वजह से निवेशकों की धारणा प्रभावित हुई जिससे रुपया मंगलवार को शुरुआती कारोबार में चार पैसे की गिरावट के साथ अपने सर्वकालिक निचले स्तर 84.76 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि रुपये में गिरावट की मुख्य वजह डोनाल्ड ट्रंप की ब्रिक्स मुद्रा को लेकर दी गई चेतावनी, यूरोक्षेत्र में राजनीतिक अस्थिरता, कमजोर घरेलू समष्टि आर्थिक संकेतक और निरंतर विदेशी पूंजी की निकासी रही। रुपया सोमवार को 12 पैसे की गिरावट के साथ अपने सर्वकालिक निचले स्तर 84.72 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.07 प्रतिशत की बढ़त के साथ 106.51 पर रहा।

चालू वित्त वर्ष में जैविक खाद्य उत्पादों का निर्यात पिछले वर्ष के आंकड़े को कर सकता है पार

भारत के जैविक खाद्य उत्पादों का निर्यात 448 मिलियन डॉलर पहुंचा

एजेंसी ■ नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने देश के प्रमुख खाद्य प्रसंस्करण उद्योग के विस्तारित विकास के लिए नवीनतम आंकड़ों की घोषणा की है। वित्त वर्ष 2024-25 के पहले आठ महीनों में भारत ने 447.73 मिलियन डॉलर के जैविक खाद्य उत्पादों का निर्यात किया है। यह आंकड़ा पिछले पूरे वित्त वर्ष में निर्यात किए गए 494.80 मिलियन डॉलर के बहुत करीब है। इस प्रगति के साथ उम्मीद की जा रही है कि चालू वित्त वर्ष में जैविक खाद्य उत्पादों का निर्यात पिछले वर्ष के आंकड़े को पार करेगा। केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री नवनीत सिंह बिट्टू ने एक लिखित उत्तर में यह जानकारी साझा की कि वित्त वर्ष 2023-24 में भारत ने 494.80 मिलियन डॉलर के जैविक खाद्य उत्पादों का निर्यात किया था। मंत्रालय ने जैविक उत्पादों के उत्पादन के लिए उद्योगों को प्रोत्साहित करने के लिए कोई विशिष्ट निधि आवंटित नहीं की है, लेकिन वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के तहत कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) जैविक उत्पादों के निर्यातकों सहित वित्तीय सहायता प्रदान करता है। भारत में राष्ट्रीय जैविक उत्पादन कार्यक्रम के अंतर्गत जैविक प्रमाणित प्रसंस्करण इकाइयों की कुल संख्या 1,016 है, एपीडा ने जानकारी प्रदान की। सितंबर में, एपीडा ने ग्लोबल रिटेल चेन लुलु ग्रुप इंटरनेशनल (एलएलसी) के साथ साझेदारी की घोषणा की है। इस साझेदारी के तहत भारतीय जैविक उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंखला को यूएई में ले जाने का भी निर्णय लिया गया है। एपीडा किसान उत्पादक संगठनों, किसान उत्पादक कंपनियों, सहकारी समितियों, और लुलु समूह सहित जैविक उत्पादकों के बीच कनेक्शन के लिए काम कर रहा है ताकि भारत के जैविक उत्पाद वैश्विक बाजार में पहुंच सकें। एपीडा भारतीय कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। इसकी अग्रसर भूमिका रही है विभिन्न देशों में बी2बी प्रदर्शनियां करने, नए संभावित बाजारों की खोज करने, और भारतीय जैविक कृषि-उत्पादों को विश्वस्तरीय स्तर पर पहुंचाने में मदद करने में निपुण है।

नवंबर महीने में घरेलू बाजार में कारों और एसयूवी की बिक्री में बढ़ोतरी

प्रमुख कंपनियों का बेहतरीन प्रदर्शन, ऑटो उद्योग के लिए सकारात्मक संकेत

एजेंसी ■ नई दिल्ली

घरेलू बाजार में नवंबर महीने में कारों और एसयूवी की बिक्री में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। प्रमुख कंपनियों जैसे मारुति सुजुकी, टाटा मोटर्स और टोयोटा किर्लोस्कर ने अपने थोक बिक्री आंकड़ों में बढ़ोतरी दर्ज की है, जो भारतीय ऑटो उद्योग के लिए सकारात्मक संकेत हैं। मारुति सुजुकी ने नवंबर 2023 में 1,41,312 यूनिट्स की घरेलू यात्री वाहन बिक्री की, जो पिछले साल की इसी अवधि में 1,34,158 यूनिट्स से ज्यादा है। खासकर एसयूवी सेगमेंट में रिकॉर्ड वृद्धि हुई है। मारुति के पॉपुलर मॉडल जैसे ब्रेजा, ग्रैंड विटारा और जिम्नी की बिक्री में वृद्धि देखी गई और यह नवंबर 2023 में 49,016 यूनिट्स से बढ़कर 59,003 यूनिट्स हो गई।

टोयोटा किर्लोस्कर मोटर (टीकेएम) ने नवंबर 2024 में 25,586 यूनिट्स की मासिक बिक्री की जो पिछले साल इसी माह में बेची गई 17,818 यूनिट्स से 44 फीसदी ज्यादा है। कंपनी ने 1,140 यूनिट्स का निर्यात भी किया। टीकेएम के वाइस प्रेसिडेंट ने बताया कि कंपनी ने अपनी उत्पाद रेंज में विविधता लाते हुए हैचबैक से लेकर एसयूवी तक के वाहन पेश किए हैं, जो कई ग्राहकों की लाइफस्टाइल के मुताबिक उपयुक्त हैं। टाटा मोटर्स ने नवंबर 2024 में 47,117 यूनिट्स की यात्री वाहनों की बिक्री दर्ज की, जो सालाना आधार पर 2 फीसदी बढ़ोतरी को दर्शाता है। हालांकि, वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री में 1 फीसदी की गिरावट आई, जो 27,636 यूनिट्स रही। नवंबर 2024 में टाटा मोटर्स की कुल वाहन बिक्री बढ़कर 74,753 यूनिट्स हो गई, जबकि पिछले साल यह आंकड़ा 74,172 यूनिट्स था। हुंडई मोटर इंडिया लिमिटेड (एचएमआईएल) ने नवंबर में 61,252 यूनिट्स की कुल बिक्री की, जिसमें से 48,246 यूनिट्स घरेलू बिक्री के थे और 13,006 यूनिट्स का निर्यात किया गया। हालांकि, कंपनी की कुल बिक्री में मामूली गिरावट आई है। एचएमआईएल के सीईओ ने बताया कि कंपनी ने एसयूवी सेगमेंट में अपनी स्थिति मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित किया था और इस सेगमेंट ने घरेलू बिक्री में 68.8 फीसदी का योगदान दिया। इसके अलावा, कंपनी की ग्रामीण क्षेत्रों में पहुंच भी मजबूत हुई, जहां नवंबर में बिक्री का 22.1 फीसदी हिस्सा आया। नवंबर के आंकड़े दर्शाते हैं कि भारतीय ऑटो उद्योग में बढ़ोतरी बनी हुई है और कंपनियां अपनी बिक्री को बढ़ाने के लिए कई सेगमेंट में नयापन ला रही है।

एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी के शेयरों ने शेयर बाजार में जबरदस्त प्रदर्शन किया

मुंबई। हाल ही में लिस्ट हुई कंपनी एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड के शेयरों ने शेयर बाजार में जोरदार प्रदर्शन किया है। बीएसई पर मंगलवार को शेयर 10 फीसदी की तेजी के साथ 142.10 रुपए पर पहुंच गए, जो कंपनी के लिस्टिंग के बाद का सबसे बड़ा उछाल है। 27 नवंबर को लिस्टिंग के बाद यह पहला मौका है जब कंपनी के शेयरों में अपर सर्किट लगा। सोमवार को शेयर 129.20 रुपए पर बंद हुए थे, जिससे निवेशकों को मिले शानदार रिटर्न। शेयर अब तक 31 फीसदी की वृद्धि दर्ज कर चुके हैं।

मोबाइल मैलवेयर हमलों के मामले में भारत सबसे आगे

जून 2023 से मई 2024 के बीच कुल हमलों में से 28 फीसदी हमले भारत में हुए

एजेंसी ■ नई दिल्ली

भारत में मोबाइल मैलवेयर हमले बढ़ रहे हैं, जो एक चिंताजनक विकास है। एक रिपोर्ट के अनुसार इस समय भारत मोबाइल मैलवेयर हमलों का सबसे बड़ा निशाना बन गया है। जून 2023 से मई 2024 के बीच कुल हमलों में से 28 फीसदी हमले भारत में हुए हैं, जो काफी चिंताजनक है। रिपोर्ट बताती है कि बैंकिंग मैलवेयर हमलों में 29 फीसदी की वृद्धि और मोबाइल स्पाइवेयर हमलों में 111 फीसदी की चौंका देने वाली वृद्धि हुई है। इससे दिखता है कि साइबर खतरे भारत में तेजी से बढ़ रहे हैं। भारतीय उद्यमों के लिए इस बढ़ते संकट का सामना करना महत्वपूर्ण है। एक रिपोर्ट के अनुसार लीगेसी सिस्टम और असुरक्षित आईओटी/ओटी परिवेश साइबर अपराधियों का मुख्य निशाना बन रहे हैं। इसलिए उद्यमों को अपने सुरक्षा ढांचे को मजबूत करने की जरूरत है ताकि उन्हें साइबर हमलों से बचाया जा सके। चिंताजनक बात यह है कि गूगल प्ले स्टोर पर 200 से अधिक खतरनाक ऐप थे जो संकेत करते हैं कि सुरक्षा के मामले में हमें और भी सतर्क रहना चाहिए। आईओटी मैलवेयर में भी 45 फीसदी की वृद्धि होना भी गंभीर बात है, जो साइबर खतरों की चुनौतियों को दिखाता है। भारत को लेन-देन सुरक्षा में सुधार करने की जरूरत है ताकि उन्हें साइबर अपराधों से निपटने में मदद मिल सके। यहाँ तक कि भारत ने एपीएसी क्षेत्र में भी अपनी स्थिति सुधारी है, जो एक सकारात्मक वातावरण बनाने के लिए एक अच्छा उदाहरण है।

अर्थव्यवस्था में तेजी से नवंबर में पेट्रोल डीजल, जेट ईंधन की अधिक बिक्री हुई

त्योहारी महीने में ईंधन की मांग बढ़ने से पेट्रोल बिक्री 8.3 प्रतिशत बढ़ी

एजेंसी ■ नई दिल्ली

भारत में सार्वजनिक क्षेत्र की तेल कंपनियों द्वारा जारी किए गए आंकड़ों के अनुसार इस साल नवंबर में पेट्रोल, डीजल और जेट ईंधन की बिक्री में पिछले साल की समान अवधि की तुलना में बढ़ोतरी हुई है। यह वृद्धि देश में आर्थिक गतिविधियों के उच्च स्तर को दर्शाती है। त्योहारी महीने में ईंधन की मांग में वृद्धि के कारण इंडियन ऑयल, भारत पेट्रोलियम और हिंदुस्तान पेट्रोलियम की पेट्रोल बिक्री नवंबर में 8.3 प्रतिशत बढ़कर 3.1 मिलियन टन हो गई। जिसकी तुलना में पिछले साल इसी महीने में 2.86 मिलियन टन की खपत हुई थी। ईंधन की बिक्री में सरकारी स्वामित्व वाली इन दिग्गज कंपनियों का हिस्सा 90 प्रतिशत से अधिक है। इसी तरह राजमार्गों पर माल की आवाजाही बढ़ने और रबी फसल की बुवाई के मौसम के दौरान कृषि क्षेत्र की बढ़ती मांग के कारण नवंबर के दौरान डीजल की खपत 5.9 प्रतिशत बढ़कर 7.2 मिलियन टन हो गई। वहीं देश में हवाई यात्रा में वृद्धि के कारण नवंबर के दौरान जेट ईंधन (एटीएफ) की बिक्री में सालाना आधार पर 3.6 प्रतिशत की वृद्धि हुई और यह 6,50,900 टन हो गई। अक्टूबर में 6,36,100 टन ईंधन की बिक्री की तुलना में यह मासिक आधार पर 2.3 प्रतिशत अधिक थी। सरकार द्वारा गरीबों के कल्याण के लिए शुरू की गई विभिन्न योजनाओं के तहत अधिक घरों ने रसोई गैस का उपयोग करना शुरू कर दिया है, इसके परिणामस्वरूप नवंबर में एलपीजी की बिक्री भी सालाना आधार पर 7.3 प्रतिशत बढ़कर 2.76 मिलियन टन हो गई। इसके अलावा आर्थिक गतिविधि में वृद्धि नवंबर में जीएसटी संग्रह में उछाल से भी देखी जा सकती है।

नवंबर में बेरोजगारों की संख्या 34 लाख घटी

नई दिल्ली। देश में बेरोजगारी दर में नवंबर महीने में थोड़ी कमी देखने का अनुमान है, लेकिन बेरोजगारों की संख्या में एक बड़ी गिरावट आई है। अक्टूबर महीने में देश में 8.7 फीसदी बेरोजगारी दर थी, जो नवंबर में 8 फीसदी हो गई है। एक रिपोर्ट के अनुसार, नवंबर में बेरोजगारों की संख्या में 34 लाख की गिरावट देखने को मिली है। केवल 5 लाख लोगों को ही रोजगार मिल पाया। इस डेटा के मुताबिक, श्रम बाजार गिरावट के बावजूद ठंडा पड़ गया है। एक्सपर्ट्स का मानना है कि इसमें त्योहारों का असर भी हो सकता है। नवंबर महीने में करीब 29 लाख लोगों ने श्रम बाजार छोड़ दिया। देश में अक्टूबर महीने में 3.97 करोड़ बेरोजगार थे, जो नवंबर में 3.62 करोड़ रह गई है। बेरोजगारी से ग्रस्त लोगों में से 30 लाख लोगों ने रोजगार की तलाश बंद कर दी है, लेकिन इन्हें फिर से रोजगार मिलने की उम्मीद है। दिसंबर में अतिरिक्त रोजगार देने की उम्मीद है, लेकिन बेरोजगारी दर का अधिक होने का खतरा भी बना रहेगा। देश में बेरोजगारी दर अक्टूबर में 8.7 फीसदी के उच्च स्तर पर पहुंचने के बाद नवंबर, 2024 में घटकर 8 फीसदी रह गई।

सरकार ने किया विंडफॉल टैक्स खत्म करने का ऐलान, रिफाइनिंग कंपनियों को होगा लाभ

एजेंसी ■ नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने घरेलू और निर्यात ईंधन पर लागू विंडफॉल टैक्स को पूरी तरह खत्म करने का ऐलान किया है। यह कदम घरेलू तेल उत्पादकों और रिफाइनिंग कंपनियों के लिए बड़ी राहत लेकर आया है। वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने संसद में इस फैसले से संबंधित अधिसूचनाएं पेश कीं, जिससे ओएनजीसी और रिलायंस इंडस्ट्रीज जैसी कंपनियों को सीधा लाभ होगा। विंडफॉल टैक्स एक ऐसा कर है, जो किसी उत्पादक या कंपनी पर तब लगाया जाता है जब उसके मुनाफे में असामान्य बढ़ोतरी हो। यह टैक्स 2022 में रूस-यूक्रेन युद्ध के दौरान कच्चे तेल की कीमतों में तेज उछाल के कारण लगाया था। इसका मकसद तेल कंपनियों के ऊंचे मुनाफे को सरकारी राजस्व में बदलना था। यह घरेलू कच्चे तेल के उत्पादन और पेट्रोल, डीजल, एटीएफ जैसे रिफाइनरी उत्पादों के निर्यात पर लागू था। हाल के महीनों में कच्चे तेल की अंतरराष्ट्रीय कीमतों में गिरावट आई है। ग्लोबल मार्केट में ईंधन और रिफाइनरी उत्पादों की कीमतें घरेलू बाजार के करीब आ गई हैं, जिससे कंपनियों का मुनाफा संतुलित हो गया है। सरकार ने इस स्थिति को देखते हुए 30 महीने पुराना यह टैक्स खत्म कर दिया। ओएनजीसी, जो घरेलू कच्चे तेल का प्रमुख उत्पादक है, अब बिना अतिरिक्त कर के संचालन कर सकेगी। रिलायंस इंडस्ट्रीज जैसी रिफाइनिंग कंपनियों को इससे ज्यादा लाभ होगा। वैश्विक बाजार में प्रतिस्पर्धा के लिए स्वतंत्रता मिलेगी। सरकार का यह निर्णय ऊर्जा क्षेत्र के निवेशकों और कंपनियों के लिए सकारात्मक संकेत है। यह कदम अर्थव्यवस्था को गति देने और वैश्विक प्रतिस्पर्धा में भारतीय कंपनियों को सशक्त बनाने के लिए महत्वपूर्ण साबित हो सकता है।

मार्केट — तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 281 अंक के उछाल के साथ 80,529.20 अंक पर खुला

शेयर बाजार की बढ़त के साथ शुरुआत, सेंसेक्स में 280 की तेजी

एजेंसी ■ नई दिल्ली

वैश्विक बाजार से मिले पॉजिटिव संकेतों के बीच मंगलवार को भारतीय शेयर बाजार की शुरुआत बढ़त के साथ हुई। दोनों प्रमुख इंडेक्स सेंसेक्स और निफ्टी में बढ़त देखने को मिली। तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 281 अंक के उछाल के साथ 80,529.20 अंक पर खुला। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 भी 91.45 अंक की तेजी के साथ 24,367.50 के लेवल पर खुला। वहीं भारतीय शेयर बाजार सोमवार को लगातार दूसरे दिन बढ़त के साथ बंद हुए। रिलायंस इंडस्ट्रीज, इंफोसिस और एचडीएफसी बैंक जैसे बड़े शेयरों में खरीदारी और अमेरिकी बाजारों की मजबूती से बाजार को सहारा मिला। सेंसेक्स शुरुआती गिरावट से उबरकर करीब 446 अंक चढ़ा और फिर से 80 हजार के पार पहुंच गया। निफ्टी 50 में भी अच्छी तेजी देखी गई। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 445.29 अंक या 0.56 फीसदी बढ़कर 80,248.08 पर बंद हुआ। सुबह यह 493.84 अंक गिरकर 79,308.95 तक पहुंच गया था, लेकिन बाद में तेजी आई। कारोबार के दौरान सेंसेक्स 80,337.82 के उच्च स्तर तक भी पहुंचा। निफ्टी 50 भी 144.95 अंक या 0.6 फीसदी की बढ़त के साथ 24,276.05 पर बंद हुआ। दिनभर निफ्टी का कारोबार 24,008.65 से 24,301.70 के बीच हुआ। वैश्विक बाजारों में मजबूती से भारतीय शेयर बाजार को समर्थन मिला है। साथ ही इंडेक्स में हैवी वेटेज रखने वाले एचडीएफसी बैंक और स्टेट बैंक ऑफ़ इंडिया के शेयर में खरीदारी से बाजार में तेजी देखने को मिल रही है। वहीं एशिआई बाजार मंगलवार को पॉजिटिव शुरुआत के साथ खुले। वॉल स्ट्रीट पर एसएंडपी 500 और नैस्डैक ने नए रिकॉर्ड स्तर हासिल किए। जापान का निक्केई 1.1 फीसदी चढ़ा, जबकि ऑस्ट्रेलिया का एएसएक्स 200 0.69 फीसदी और टॉपिक्स इंडेक्स 0.89 फीसदी बढ़ा। इसी तरह दक्षिण कोरिया का कोस्पी भी 1.11 फीसदी की बढ़त के साथ कारोबार कर रहा है। अमेरिकी बाजारों में भी एसएंडपी 500 ने 0.24 फीसदी की बढ़त के साथ 6,047.15 पर बंद होकर नया रिकॉर्ड बनाया। नैस्डैक कंपोजिट भी 0.97 फीसदी बढ़कर 19,403.95 पर बंद हुआ। हालांकि, डाउ जोन्स 0.29 फीसदी गिरकर 44,782.00 पर बंद हुआ, जबकि सेशन के दौरान यह 45,000 अंक को पार कर गया था। एसएंडपी 500 और नैस्डैक दोनों ने इंट्राडे और क्लोजिंग स्तर पर नए रिकॉर्ड बनाए।

आरोप के बाद गिरे शेयरों की अडानी ग्रीन ने सात दिन में कर ली भरपाई

पिछले चार सत्रों में इसमें 60 फीसदी से ज्यादा की तेजी आई

एजेंसी ■ नई दिल्ली

अमेरिका अभियोजकों ने गौतम अडानी पर 26.5 करोड़ डॉलर की रिश्वत देने का आरोप लगाया है। इन आरोपों के बाद अडानी ग्रीन एनर्जी के शेयरों में भारी गिरावट देखने को मिली थी, लेकिन उसने पिछले सात दिन में अपने नुकसान की भरपाई कर ली है। पिछले चार सत्रों में इसमें 60 फीसदी से ज्यादा तेजी आई है। हालांकि इस साल इसमें 16 फीसदी गिरावट आई है। सोमवार को कारोबार के दौरान इसमें नौ फीसदी तेजी आई। हालांकि दोपहर बाद 2 बजे यह 0.10त्न की गिरावट के साथ 1323.25 रुपए पर ट्रेड कर रहा था। कंपनी ने बयान जारी करके अडानी और ग्रुप के दूसरे अधिकारियों पर लगे रिश्वत के आरोपों का खंडन किया है। इससे कंपनी के निवेशकों का विश्वास बढ़ा है। अडानी ग्रुप की सीएफओ ने कहा कि ग्रुप अपनी पहले से रद्द की गई डॉलर बॉन्ड बिक्री को अप्रैल और जून 2025 के बीच फिर शुरू कर सकता है। अडानी ने 60 लाख डॉलर के बॉन्ड की पेशकश वापस ले ली थी। अडानी ग्रीन एनर्जी की आगे की योजनाओं में फरवरी 2025 तक बैंकों या ऑफशोर मार्केट में निजी प्लेसमेंट के जरिए से 50 करोड़ डॉलर तक जुटाना है।

नगर निगम के राजस्व अमले को सुधारने की हो पहलः विनीत कंषाना

वार्डों में शिविर लगाकर चलाया जाए कर वसूली अभियान

निर्माण परमीशन देकर वसूला जाए शुल्क तो होगी ननि की आर्थिक स्तिथि होगी मजबूत

सत्ता सुधार ■ मुरैना

शहर के समस्याओं को सुलझाने की फुर्सत किसी को नहीं हैं, न तो नगर निगम आयुक्त ठोस रणनीति तैयार कर रहे हैं और न ही कोई जनप्रतिनिधि इस ओर प्रयासरत है। जल्द ही समस्याओं के निराकरण की पहल नहीं हुई तो हमे आंदोलन के लिए बाध्य होना पड़ेगा। यह बात प्रेस को जारी एक विज्ञप्ति में नगर निगम के नेता प्रतिपक्ष विनीत कंषाना ने कही है। श्री कंषाना का कहना है कि जनप्रतिनिधि और अधिकारी बैठकर चर्चा करें तो शहर की सम्याओं को सुलझाने का स्थाई समाधान निकल सकता है।

नेता प्रतिपक्ष का कहना है नगर निगम के राजस्व अमला पूरी तरह निष्क्रिय है। कर वसूली

की दिशा में कोई कदम नहीं उठाए जा रहे, यदि सख्ती से नियमानुसार करों की वसूली की जाए तो नगर निगम को आर्थिक लाभ होगा और ये पैसा जनसुविधा के काम आएगा। उनका कहना है कि लंबे अर्से से वसूली अभियान नहीं चलाये जा रहे। शहर में कई कॉलोनियां बना ली गई हैं और भवनों के निर्माण भी हुए हैं, यदि हर वार्ड में शिविर लगाए जाएं और इन शिविरों के माध्यम से ऐसे भवनों के दस्तावेजों की जांच हो जो बिना परमीशन के निर्मित हुए हैं। इन भवनों के आवश्यक दस्तावेज देखकर नगर निगम अपना राजस्व वसूली और नियमानुसार निर्माण की परमीशन प्रदान करे, जिससे नगर निगम को आर्थिक लाभ होगा। इसके अलावा अन्य करों की वसूली के प्रयास भी नगर निगम को करना चाहिए। कंषाना का कहना है कि पिछले समय मे कई वाहन जो कंडम हो गए थे, इसके अलावा अन्य कई ऐसी सामग्री है जो उपयोगी नहीं है, लेकिन ये सामग्री वर्तमान में कहाँ है। मौजूद भी है या नगर निगम के ही कुछ लोगों ने उन्हें खुर्द-बुर्द कर दिया, इस बात की भी जांच कराई जानी चाहिए। उनका कहना है ये एक-दो समस्याएं नहीं हैं बल्कि ऐसी कई अनियमितताएं हैं, इन्हें सामने लाने के लिए नगर निगम आयुक्त को अधीनस्थों के साथ बैठकर चर्चा करना चाहिए और आवश्यक निरीक्षण भी, जिससे नगर निगम के हालातों में सुधार हो। श्री कंषाना का कहना है कि यदि इन सभी बातों पर जल्द ध्यान नहीं दिया गया तो वे अपने स्तर से बड़ा आंदोलन करेंगे।

सफाईकर्मियों की समस्या का हो स्थाई हल

नगर निगम के नेता प्रतिपक्ष का कहना है कि अक्सर देखने मे आता है कि वेतन न मिलने के कारण नगरनिगम के सफाईकर्मियों को हड़ताल करनी पड़ती है। ये हड़ताल लंबे समय तक चलती हैं, जिससे शहर की सफाई व्यवस्था प्रभावित होती है। बावजूद इसके नगर निगम के अधिकारी इस समस्या का स्थाई हल नहीं खोज पाए हैं। यदि नगर निगम के अधिकारी सभी पार्षदों व कर्मचारियों के साथ बैठकर इस समस्या को हल करने की दिशा में प्रयास करें तो एक बड़ी समस्या से निजात मिल सकती है, लेकिन अधिकारी इस ओर तभी ध्यान देते हैं जब सफाईकर्मी हड़ताल पर चले जाते हैं।

बेसमेंट परमीशनों का हो भौतिक परीक्षण

नेता प्रतिपक्ष श्री कंषाना कहते हैं कि शहर में लोगों ने मल्टियों के निर्माण कर लिए हैं, साथ ही बेसमेंट बनाये गए हैं। बेसमेंट का उपयोग वाहन पार्किंग के लिए होना चहिए, लेकिन शहर में बने बेसमेंटों का व्यवसायिक उपयोग किया जा रहा है और नियमों को भी अनदेखा किया जा रहा है। किसी मल्टी या बेसमेंट में कोई आपात स्तिथि आती है तो उससे निपटने के लिए कोई इतजाम नहीं किये गए हैं, जैसे आगजनी, जलभराव से निपटने के लिये कोई भी उपकरण उपलब्ध नहीं है, लेकिन नगरनिगम के अधिकारी इस ओर ध्यान नहीं दे रहे। कुछ समय पहले दिल्ली में हुए एक हादसे के बाद शहर भर के बेसमेंटों पर नगर निगम की कार्यवाही देखने को मिली, लेकिन ये कार्यवाही दो-चार दिन चलकर ही दम तोड़ गई, जबकि इस दिशा में निरंतर कार्यवाही की आवश्यकता है। अन्यथा भविष्य में मुरैना शहर में भी कोई हादसा सामने आ सकता है।

अवैध संबंधों को छुपाने माँ ने की प्रेमी के साथ मिलकर बेटे की हत्या

सराय छोला थाना चंबल के बीहड़ से बालक की लाश बरामद, आरोपी पुलिस अभिरक्षा में

सत्ता सुधार ■ मुरैना

सिविल लाइन थाना अंतर्गत कलयुगी माँ ने चाय वाले से अपने अवैध संबंध छुपाने के लिए 13 वर्षीय नाबालिक बेटे को प्रेमी के साथ मिलकर गला घोटकर मौत के घाट उतार दिया और साक्ष्य छुपाने की नीयत से नाबालिक के शव को चंबल के बीहड़ में फे ंक दिया। पुलिस ने सोमवार की देर शाम बालक की लाश बरामद कर दोनों आरोपियों को पुलिस हिरासत में ले लिया है और उनके विरुद्ध अपहरण तथा हत्या का मामला दर्ज किया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार लोकेंद्र कुशवाह निवासी शिवनगर थाना सिविल लाइन मुरैना मजदूरी कर अपने परिवार का भरण पोषण करता था। उसका 13 वर्षीय पुत्र सीताराम कुशवाह पुराना सिविल लाइन थाना स्थित बगिया में रफीक खान

निवासी अंबाह चाय वाले के यहां काम करता था, जहां सीताराम की माँ गुंजा बाई 35 वर्ष आती रहती थी। बताया जाता है कि गुंजा बाई के रफीक खान से अवैध संबंध स्थापित हो गए, जो डेढ़ वर्ष से निरंतर चल रहे थे। संभावना जताई जा रही है कि बालक सीताराम ने इन दोनों को आपत्तिजनक अवस्था में देख लिया और विरोध प्रकट किया। इसके बाद गुंजाबाई और रफीक खान को लगा कि अब उनके अवैध संबंध ज्यादा समय तक नहीं चल पाएंगे तो दोनों ने उसे ठिकाने लगाने की योजना बना डाली।

बताया जाता है कि 27 नवंबर को सीताराम, रफीक खान की दुकान पर काम करने गया और दोपहर में वहां से अचानक गायब हो गया। उसी दिन गुंजा बाई मां एवं रफीक खान ने सीताराम का गला घोट कर हत्या कर दी तथा दिन में ही उसे सराय छोला थाना अंतर्गत चंबल नदी के किनारे बने बीहड़ में फे ंक कर वापस आ गए, जब 27 नवंबर की शाम तक सीताराम घर नहीं पहुंचा तो उसके पिता लोकेंद्र को चिंता हुई और तलाश की, नहीं मिलने पर परिवार और रिश्तेदार सिविल लाइन थाने पहुंचे पुलिस द्वारा गुमशुदी के बाद अपहरण का मामला दर्ज किया गया। सिविल लाइन थाना प्रभारी दर्शन लाल शुक्ल ने मामले की गंभीरता को देखते हुए इसकी जांच पड़ताल आरंभ की ओर रफीक खान को हिरासत में लिया। पूछताछ करने पर उसने सारा राज उगल दिया। इसके बाद पुलिस टीम ने गुंजाबाई और रफीक खान की निशान देही पर चंबल के बीहड़ से बालक सीताराम की लाश को बरामद कर लिया है और उसका पीएम कराकर शव उसके पिता को सौंप दिया। पुलिस द्वारा दोनों आरोपियों को हिरासत में लेकर मामले की पड़ताल की जा रही है।

इनका कहना है....

सिविल लाइन थाना अंतर्गत शिवनगर में रहने वाले बालक सीताराम की गुमशुदगी के बाद पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेकर इसका पर्दाफाश किया है। इस मामले में मां गुंजाबाई और उसका प्रेमी रफीक खान आरोपी हैं। दोनों के बीच में अवैध संबंध थे और उन्हें छुपाने के लिए दोनों ने मिलकर सीताराम की हत्या कर डाली। दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया है।

-गोपाल धाकड़, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, मुरैना

महिलाओं के अधिकारों के हो रहे शोषण को बदलने की आवश्यकता

सत्ता सुधार ■ मुरैना

जिला कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती उपासना राय के मार्गदर्शन में मंगलवार को समुदाय में जेंडर उन्मुखिकरण के अंतर्गत समुदाय में लैंगिक समानता, गुड टच बेड टच, महिलाओं एवं लड़कियों का सम्मान एवं सुरक्षा आदि के लिये संवाद एवं ड्राइंग कंपटीशन का आयोजन शिव क्लासेज शैक्षणिक संस्थान में आयोजित किया गया।

श्रीमती उपासना राय के द्वारा युवाओं के साथ सीधे संवाद करते हुए समाज में हो रही जेंडर असमानता पर बात करते हुए बताया कि समाज द्वारा वर्षों से महिलाओं के अधिकारों के प्रति हो रहे शोषण को आज की बदलते परिवेश में बदलने की आवश्यकता है। परियोजना अधिकारी मुरैना ग्रामीण श्रीमती निशा शंखवार द्वारा जेंडर समानता, वन स्टॉप सेंटर की प्रशासक अपूर्वा चौधरी द्वारा पॉक्सो एक्ट एवं भारतीय न्याय संहिता चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, महिला हेल्पलाइन 181, वन स्टॉप सेंटर के बारे में विस्तार से बताया गया। गुड टच, बेड

महिलाओं, लड़कियों का सम्मान, सुरक्षा आदि के लिये संवाद एवं ड्राइंग कंपटीशन का आयोजन हुआ

टच पर आयोजित ड्राइंग प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार पूनम गुर्जर, द्वितीय पुरस्कार आशना राठौर, तृतीय पुरस्कार तनु मलिक को जिला कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती उपासना राय द्वारा प्रदाय किया गया। इस अवसर पर सेक्टर पर्यवेक्षक रश्मि शर्मा एवं संस्थान के संचालक पंकज शुक्ला उपस्थित थे।

अम्बाह में जागरूकता के सम्बंध में रैली का आयोजन किया

सत्ता सुधार ■ मुरैना

विकासखंड अम्बाह में पीसी एण्ड पीएनडीटी अधिनियम जागरूकता के सम्बंध में रैली का आयोजन किया गया। रैली में परियोजना अधिकारी महिला एवं बाल विकास अजय प्रताप सिंह व समस्त पर्यवेक्षक, शहरी सेक्टर की समस्त कार्यकृतायें, अन्य महिलाएं उपस्थित थीं। वन स्टॉप सेंटर की प्रशासक श्रीमती अपूर्वा चौधती, अम्बाह शहरी परियोजना से पर्यवेक्षक भगवती द्वारा पीसी और पीएनडीटी पर जागरूकता पर संवाद किया गया। वन स्टॉप सेंटर में महिलाओं और बालिकाओं की किस प्रकार मदद करता है, इसके बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी दी।

विवाह जुलूस, रैली, चल समारोह में शस्त्र प्रदर्शन एवं हर्ष फायर पर पूर्णतः प्रतिबंधित

जिला दण्डाधिकारी ने जारी किए प्रतिबंधात्मक आदेश

मुरैना। जिले में प्रायः देखा गया है कि व्यक्ति शान शौकत के चलते विवाह कार्यक्रम, जुलूस, रैली चल समारोह में व्यक्ति, समूह या संगठन को शस्त्र लेकर चलने, प्रदर्शन एवं हर्ष फायर करते हैं। इसको ध्यान में रखते हुए कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी अंकित अस्थाना ने विवाह कार्यक्रम, जुलूस, रैली चल समारोह में व्यक्ति, समूह या संगठन को शस्त्र लेकर चलने, प्रदर्शन एवं हर्ष फायर पर पूर्णतः प्रतिबंध लगा दिया है। उन्होंने बताया है कि हर्ष फायर से लोक परशांति भंग होती है तथा अन्य व्यक्तियों को भय एवं असुरक्षा महसूस होती है। विवाह एवं अन्य सामाजिक समारोह में कोई भी अप्रिय घटना होने का अंदेशा बना रहता है। इसलिये मुरैना राजस्व सीमा क्षेत्र अंतर्गत कानून व्यवस्था बनाये रखने अंतर्गत भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए 20 नवंबर 2024 से 19 जनवरी 2025 तक शस्त्र के संबंध में प्रतिबंधात्मक आदेश जारी करता हूं। जिला दण्डाधिकारी ने बताया कि समस्त मैरिज गार्डन/ वाटिकाओं/बैंक्वेट हॉल / होटल/धर्मशाला इत्यादि के संचालक या प्रबंधक अपने परिसर में न तो इस प्रकार से शस्त्रों को लेकर चलने वाले व्यक्तियों को प्रवेश करने देंगे और न ही उनके प्रदर्शन एवं हर्ष फायर की अनुमति देंगे। उन्होंने बताया कि समुचित सुलभ दृष्ट स्थानों पर स्पष्टतः यह लिखवाना सुनिश्चित करें कि ÷यहाँ शस्त्र लेकर प्रवेश वर्जित है÷। यदि उसे अपने परिसर में ऐसे प्रदर्शन यह गतिविधि की कोई सूचना मिलती है तो तत्काल संबंधित थाना को सूचित करेगा। सूचित न करने पर संबंधित प्रबंधक/संचालक इत्यादि के विरूद्ध दण्डात्मक कार्यवाई की जावेगी। यह आदेश भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 के प्रावधानों के अन्तर्गत एकपक्षीय रूप से पारित किया जाता है।

05 दिवसीय भारत स्काउट-गाइड चंबल संभाग मुरैना की संभागीय रैली कार्यक्रम सम्पन्न

सत्ता सुधार ■ मुरैना

भारत स्काउट एवं गाइड मध्यप्रदेश चंबल संभाग मुरैना की संभागीय स्काउट गाइड रैली मध्यप्रदेश विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर के नेतृत्व में संभागीय स्काउट प्रशिक्षण केंद्र जींगनी मुरैना में 28 नवंबर से 02 दिसंबर, 2024 तक आयोजित की गई। कार्यक्रम राज्य मुख्य आयुक्त एवं पूर्व शिक्षा मंत्री के मार्गदर्शन में किया गया। जिसमें भिण्ड, मुरैना एवं श्योपुर के लगभग 500 बच्चों ने भाग लिया। कार्यक्रम के समापन अवसर पर सोमवार को मुरैना-श्योपुर के सांसद शिवमंगल सिंह तोमर ने रैली कार्यक्रम को सम्पन्न कराया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजन होते रहना चाहिये, ताकि बच्चों में हौंसला बना रहे। रैली में भिंड, मुरैना, श्योपुर से 399 स्काउट गाइड, 67 स्काउटर और गाइडर 45 रोवर, रेंजर एवं 48 का रेली स्टाफ ने भाग लिया। 05 दिवसीय कार्यक्रम में अपर कलेक्टर सीबी प्रसाद, रैली संचालक एवं सहायक राज्य संगठन आयुक्त स्काउट सुखदेव सिंह चौहान, जिला मुख्य आयुक्त गिर्राज सिंह यादव, कलेक्टर स्टेनो सुरेंद्र सिंह यादव, जिला मुख्य आयुक्त गिर्राज सिंह यादव एवं अन्य अधिकारी गण का पूर्ण सहयोग मिला।

रैली के पश्चात रैली स्थल पर झांकी प्रतियोगिता, साहसिक गतिविधियों, फूड प्लाजा प्रतियोगिता संपन्न हुई। 1 दिसंबर को जिला गेट प्रतियोगिता के पश्चात ध्वजारोहण कार्यक्रम संपन्न हुआ। तत्पश्चात मुरैना, श्योपुर के सांसद शिवमंगल सिंह तोमर ने शिविर का भ्रमण किया। शिविर व्यवस्थित एवं विधिवत रूप से संचालित पाए जाने पर श्री तोमर ने रैली संचालक मंडलएवं स्काउट गाइड, रोवररेंजर को बधाई दी। संयुक्त संचालक लोक शिक्षण संभाग चंबल मुरैना ग्वालियर डॉ. दीपक पांडेय सहित शिक्षा, राजस्व से जुड़े अधिकारियों ने भी सहयोग प्रदान किया। संभागीय रैली में विगत तीन दिवसों में 15 प्रतियोगिताओं में प्रथम एवं द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले जिलों को अतिथियों द्वारा शील्ड एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

अपर कलेक्टर ने जनसुनवाई में 136 आवेदनकर्ताओं को सुना

सत्ता सुधार ■ मुरैना

जिला मुख्यालय पर कलेक्टर अंकित अस्थाना के निर्देश पर अपर कलेक्टर सीबी प्रसाद ने 136 आवेदनकर्ताओं को जनसुनवाई के दौरान सुना। आवेदनकर्ताओं को सुनने के बाद संबंधित विभागीय अधिकारियों से कहा कि आवेदनकर्ता की समस्या का समाधान अधिकारी शीघ्र करें। जनसुनवाई के दौरान 136 आवेदनों में से कई आवेदन गंभीर ऐसे पाये गये है, उनको उन्होंने संबंधित अधिकारियों को समक्ष में बुलाकर समझाईश दी और शिकायत का समाधान करने के निर्देश दिये। इसी प्रकार अनुभाग अम्बाह में एसडीएम अरविन्द माहौर द्वारा जनसुनवाई की गई। उनके समक्ष में खण्ड स्तर के अधिकारी भी मौजूद थे। जो प्राप्त होने वाले आवेदनों को तत्परता से निराकरण करते हुये पाये गये।

फूड विभाग ने घरेलू गैस सिलेण्डरों का दुरूपयोग पाये जाने पर सिलेण्डरों को किया जब्त

सत्ता सुधार ■ मुरैना

कलेक्टर अंकित अस्थाना के निर्देशानुसार जिला आपूर्ति नियंत्रक मुरैना संजीव शर्मा के मार्गदर्शन में जिले में घरेलू गैस सिलेण्डरों का दुरूपयोग पाये जाने पर सिलेण्डरों को जब्त किया जा रहा है।

कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी अम्बाह उमेश चन्द्र शर्मा, कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी सबलगढ जितेन्द्र सिंह राजावतएवं कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी मुरैना सुश्री हुमा अंजुम द्वारा संयुक्त रूप से कार्यवाही करते हुए घरेलू गैस सिलेण्डरों का दुरूपयोग करते पाये जाने पर मैं चित्रकूट मिष्ठान भण्डार मुरैना से 02, सिकरवार होटल एण्ड रेस्टोरेंट से 01, ब्रज स्वीट्स बैरियर चौराहा से 02, श्री चित्रकूट मिष्ठान भण्डार से 01, सांवरिया मिष्ठान भण्डार से 02, कमल गजक भण्डार मुरैना से 01 एवं मां वैष्णों मिष्ठान भण्डार बस स्टेण्ड मुरैना से 302 सिलेण्डर जप्त कर रोशन इण्डेन गैस एजेंसी मुरैना की सुपुर्दगी में दिये गये। सभी होटल, रेस्टोरेंट, नास्ता सेंटर, मैरिज होम संचालकों को निर्देशित किया है कि घरेलू गैस सिलेण्डरों का उपयोग न करें। व्यवसायिक गैस सिलेण्डरों का उपयोग करें, घरेलू गैस सिलेण्डरों का दुरूपयोग पाये जाने पर वैधानिक कार्यवाही की जायेगी।

चम्बल भवन में जनसुनवाई में 07 आवेदनकर्ताओं को सुना गया

सत्ता सुधार ■ मुरैना

चम्बल भवन मुरैना में ग्वालियर-चम्बल संभाग के कमिश्नर मनोज खत्री के निर्देशन में पंचायती राज के उप संचालक अशोक निम ने मंगलवार को जनसुनवाई के दौरान 07 आवेदकों की समस्याओं को सुना। उप संचालक श्री निम ने सातों आवेदकों की समस्याओं को गंभीरता के साथ सुनकर निराकरण करने का आश्वासन दिया।

दिव्यांगजनों की सेवा नारायण सेवा से कम नहीं है : आरती गुर्जर

सत्ता सुधार ■ मुरैना

मानव सेवा, खासकर दिव्यांगजनों की सेवा नारायण सेवा से कम नहीं है। दिव्यांगों की सेवा करने में मन को जो संतुष्टि मिलती है, उतनी किसी और की सेवा करने से नहीं। इनके कल्याण के लिए सरकार भी बहुत कुछ कर रही है, इसलिए हर दिव्यांग को शासन की योजनाओं का भरपूर लाभ उठाना चाहिए। उक्त विचार जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती आरती आकाश गुर्जर ने व्हीआईपी रोड स्थित जिला दिव्यांग पुर्नवास केन्द्र में विश्व दिव्याग दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि व्यक्त किए। इस अवसर पर भाजपा नेता लक्ष्मीनारायण हर्षाना, दिव्यांग पुर्नवास केन्द्र की प्रभारी एवं डिप्टी कलेक्टर प्रतिज्ञा शर्मा, पूर्व सरपंच कन्हैयालाल गुर्जर सहित बड़ी संख्या में दिव्यांगजन उपस्थित थे।

कार्यक्रम में बोलते हुए श्रीमती गुर्जर ने कहा कि ईश्वर ने दिव्यांगों को भले ही एक अंग कमजोर दिया हो, लेकिन उनमें तेजता, गुण बहुत अधिक होते है। ऐसे में उन्हें दिव्यांग कहकर नकारा नहीं जा सकता है, क्योंकि उन्होंने कई मौकों पर अपनी श्रेष्ठता साबित की है। दिव्यांगों को भी समाज में सम्मान के भाव से देखा जाना चाहिए। भाजपा नेता श्री हर्षाना ने कहा कि छोटा बनने से ही मानव बडा बनता है। यदि कोई दिव्यांग है तो उसकी तौहीन नहीं होना चाहिए। उसका आम आदमी की तरह सम्मान करना हम सबका दायित्व बनता है। इस दौरान विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें दिव्यांगजनों ने बढ़-चढकर हिस्सा लिया।

ब्रीफ न्यूज

हटा विधायक उमादेवी खटीक ने सगोनी में उप-स्वास्थ्य केंद्र भवन का किया लोकार्पण

दमोह। हटा विधायक उमादेवी खटीक ने पटेरा ब्लाक के सगोनी में बनाये गए नवनिर्मित उप-स्वास्थ्य केंद्र भवन का लोकार्पण किया। सगौनी गांव में करीब 48 लाख की लागत से इस उप-स्वास्थ्य केंद्र को नन्ना कंस्ट्रक्शन पेरवारा द्वारा बनाया गया है, जिसमे प्रसव कक्ष, वार्ड, ओपीडी कक्ष, टीकाकरण कक्ष, लेबर्टी रूम सीएचओ और ए एन एम के लिए आवास बनाये गए है। लोकार्पण कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुई हटा विधायक उमादेवी खटीक और अतिथियों और जनप्रतिनिधियों के साथ दीप प्रज्वलन कर मां सरस्वती, गणेश जी की पूजा अर्चना के बाद फीता काटकर भवन का लोकार्पण किया।

जिला दण्डाधिकारी श्री सिंह ने चाइनीज मांझा, धातु एवं कांच से निर्मित डोर किया प्रतिबंधित

सीहोर। मकर संक्रांति के अवसर पर पतंग महोत्सव मे चाइनीज मांझा, धातु एवं कांच से निर्मित डोर से पक्षियों एवं व्यक्तियों के साथ होने वाली दुर्घटनाओं एवं जनहित को दृष्टिगत रखते हुये कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्री प्रवीण सिंह ने प्रतिबंधित आदेश जारी किये है। जारी आदेशानुसार चाइनीज मांझे से प्रथम दृष्टया होनेवाले नुकसान एवं जनहित में इस पर रोक लगाई जाना आवश्यक हो गया है। चाइनीज मांझे के उपयोग से पक्षियों के घायल होने एवं मौत की घटना होती है। चायनीज मांझे से सड़क पर चलने वाले और बाइक सवार व्यक्तियों के भी घायल होने एवं मृत्यु की आशंका रहती है। चायनीज मांझा बिजली के तारों में उलझने से कई बार बिजली सप्लाई प्रभावित होती है। चाइनीज मांझा प्लास्टिक, सिन्थेटिक मटेरियल से निर्मित होता है चाइनीज मांझे में आग लगाने पर आग लगाने से हानिकारक गैसों का उत्सर्जन होता है, जिससे पर्यावरण पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। जारी आदेशानुसार सार्वजनिक स्थान, मार्ग, मकानों की छतों पर पतंग उड़ाने के दौरान चायनीज मांझे का उपयोग करने पक्षियों के घायल होने की आशंका रहती है। इन परिस्थितियों में जन सामान्य के हित, ध्यान मे रखते हुयं कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्री प्रवीण सिंह ने सीहोर, जिले की भौगोलिक सीमा में चाइनीज मांझे के उपयोग करने पर प्रतिबंध लगाया गया है। भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 के अंतर्गत आदेश जारी किया गया है। यह आदेश 31 जनवरी 2024 तक प्रभावशील रहेगा। ओर आदेश का उल्लंघन भा.न्याय. संहिता की धारा 223 के अंतर्गत दण्डनीय होगा।

ग्रामीण क्षेत्र का दौरा कर कार्यालयों का करें निरीक्षण अधिकारी

हरदा । कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित साप्ताहिक समीक्षा बैठक में सभी अधिकारियों को कलेक्टर आदित्य सिंह ने निर्देश दिये कि सीएम हेल्पलाइन में दर्ज शिकायतों का संतुष्टिपूर्ण ढंग से निराकरण कराएं। अक्टूबर माह की ग्रेडिंग में जिले का प्रथम स्थान आने पर अधिकारियों को बधाई दी । इसके साथ ही दूरस्थ ग्रामों में भ्रमण के दौरान अधिकारीगण अपने विभाग के कार्यालयों के साथ-साथ गांव के आंगनवाड़ी, छात्रावास, स्कूल, अस्पताल का जरूर निरीक्षण करें और वहां जो भी समस्या सामने आये।

एमपी ट्रांसको राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठित राजभाषा शील्ड से सम्मानित

सत्ता सुधार ■ दमोह

मध्य प्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी को राजभाषा हिंदी में उत्कृष्ट कार्य निष्पादन के लिए राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठित राजभाषा सम्मान शील्ड से पुरस्कृत किया गया है। यह शील्ड कन्याकुमारी में राजभाषा प्रबंध विकास संस्था नई दिल्ली द्वारा आयोजित हुए हिंदी राजभाषा सम्मेलन में प्रदान की गई है। इस सम्मेलन में भारत की सभी नवरत्न कंपनियों सहित केंद्रीय एवं देश की विभिन्न प्रादेशिक स्तर के शासकीय उपक्रमों के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया।

तकनीकी स्वरूप के बावजूद राजभाषा में अधिकतम कार्य

मध्य प्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी की ओर से इस सम्मेलन में अधीक्षण अभियंता श्री राजेश दीक्षित ने प्रतिनिधित्व किया। जिनकी उत्कृष्ट प्रस्तुति तथा प्रभावशाली व्याख्यान के कारण मध्य प्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी को यह प्रतिष्ठित और गौरवशाली शील्ड प्राप्त हो सकी। उन्होंने अपने व्याख्यान से सम्मेलन को अवगत कराया कि मध्य प्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी का कार्य क्षेत्र पावर सेक्टर में अत्यंत तकनीकी स्वरूप का है, इसके बावजूद कैसे कंपनी देश की राजभाषा हिंदी के अधिकाधिक उपयोग के लिए गंभीरता से कार्य कर रही है। श्री राजेश दीक्षित को आगामी सत्र में सत्र अध्यक्ष का सम्मान देते हुए मध्य प्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी को यह शील्ड प्रदान की गई।

ऊर्जा मंत्री ने दी बधाई

इस उपलब्धि पर मध्य प्रदेश के ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने हर्ष व्यक्त करते हुए मध्य प्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी के कार्मिकों को हिंदी में उत्कृष्ट कार्य के लिए यह शील्ड प्राप्त होने पर बधाई दी है। उन्होंने कहा है कि यह मध्य प्रदेश के लिए सम्मान का विषय है कि उसे राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट हिंदी कार्य के लिए एक तकनीकी संस्थान को इतना गौरवशाली और प्रतिष्ठित सम्मान प्राप्त हुआ है। उल्लेखनीय है कि मध्य प्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी अपने दैनदिन कार्यलायीन कार्यों में हिंदी के उपयोग को प्रोत्साहित करने के लिए लगातार प्रयासरत रही है तथा अधिकांश आदेश और परिपत्र अब हिंदी में ही जारी किये जाते हैं।

प्रबंध संचालक को सौंपी गई शील्ड

एमपी ट्रांसको के प्रबंध संचालक को यह शील्ड कंपनी के मुख्य अभियंता श्री अतुल जोशी व श्री राजेश दीक्षित के द्वारा सौपीं गई ।

कलेक्ट्रेट गेट पर सम्यक समाज संघ के राष्ट्रध्यक्ष ने दिया धरना

नागरिकों को सुलभ रास्ता देने और नाली की नियमित सफाई कराने की मांग

सत्ता सुधार ■ सीहोर

रास्ता और नाली की सफाई की मांग को लेकर मंगलवार को कलेक्ट्रेट गेट पर सम्यक समाज संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष लाखन सिंह सिंह बोद्ध के नेतृत्व में नागरिकों ने धरना दिया। नगर पालिका अध्यक्ष प्रिंस राठौर ने धरना स्थल पर पहुंचकर समस्या के जल्दी निराकरण कराने का आश्वासन दिया। विभिन्न मांगों को लेकर सम्यक समाज संघ ने कलेक्टर के नाम ज्ञापन दिया। सम्यक समाज संघ के प्रदेश उपाध्यक्ष योगेश अहिरवार ने बताया की गल्लामंडी इंदिरा कॉलोनी में नाली की सफाई और पुलिस कॉलोनी से दलित समाज के लोगों को रास्ता देने की मांग लम्बे समय से की जा रही है। पुलिस लाईन से दलित समाज के लोगों को रास्त देने के लिए जिला पुलिस अधीक्षक और नाली की नियमित साफ सफाई के लिए पार्षदों सहित नगर पालिका कार्यालय में कई बार आवेदन दे चुके है लेकिन समस्या का निराकरण नहीं किया जा रहा है। गंदगी के कारण बच्चे बीमार हो रहे बारिश में नाली का गंदा पानी और कीचड़ घरों में घुस जाता है। कुढ़े कचरे के कारण दलित परिवारों की जिदंगी नर्क बन कर रह गई है। सम्यक समाज संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष लाखन सिंह सिंह बोद्ध ने कहा की नगर पालिका अपने ही नागरिकों की मामूली समस्या का निराकरण नहीं कर पा रही है अगर आगामी सात दिनों के अंदर नाली की सफाई और दलित नागरिकों के लिए रास्ता अपलब्ध नहीं कराया जाता है तो नागरिकों के साथ मुख्यमंत्री कार्यालय के सामने धरना प्रदर्शन किया जाएगा। धरना ज्ञापन में प्रमुख रूप से रानी बाई, सुनीता बाई, सावित्री बाई, ओमवती अहिरवार, मंगी बाई, रेखा अहिरवार, दीपिका कुमारी, सिद्धार्थ, इंदिरा बाई, शारदा बाई, संतोष मालवीय रमेश अहिरवार, राजकुमार, ममता अहिरवार आदि शामिल रहे।

अग्रवाल समाज ने किया सक्रीय समाज सेवी का सम्मान, समाज सेवा में ही है ईश्वर की सेवा-सुनील गर्ग

सीहोर। बुजुर्ग पीढ़ी से अनुभव लेकर समाज में रचनात्मक कार्य करना युवा पीढ़ी का परम् कर्तव्य। इसी सेवा संकल्प के साथ विगत् वर्षों से आशीष गुप्ता सामाजिक क्षेत्र में कार्य करते हुए आ रहे हैं। ऐसे युवाओं को सम्मानित करना युवा पीढ़ी के लिये प्रेरणा दायक है। उक्त विचार राजधानी भोपाल के मानस भवन में अग्रसत्ता सोशल मंच के तत्वाधान में आयोजित सम्मान समारोह में प्रदेश भर से अग्रवाल समाज के विभिन्न क्षेत्रों के समाज सेवियों का सम्मान करते हुए युवा समाजसेवी एवं मध्य प्रदेश अग्रवाल महासभा के संरक्षक सुनील गर्ग व कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मध्यप्रदेश अग्रवाल महासभा के पूर्व अध्यक्ष गोविन्द गोयल, कार्यक्रम संयोजक ओमप्रकाश अग्रवाल, मुकेश गोयल ने श्री गुप्ता को समाजसेवा के क्षेत्र में सक्रीय योगदान देने पर शॉल श्रीफल व सम्मान पत्र भेट कर सम्मानित किया। यह सम्मान उन्हें सामाजिक सरोकार में उनके विशिष्ठ योगदान के लिये दिया गया है। कार्यक्रम का संचालन दिनेश गर्ग अध्यात्मिक ने किया। इस अवसर पर मुख्य रूप से विनीत अग्रवाल, नितिन गुप्ता, निखिल अग्रवाल, अतुल गोयल सहित बड़ी संख्या में समाज जनों की उपस्थिति में सम्मानित किया गया।

मिलावट खोरों को सवा 5 लाख का अर्थदंड़

अभियान चलाकर खाद्य विभाग ने की बड़ी कार्यवाही

सत्ता सुधार ■ हरदा

जिले में खाद्य प्रतिष्ठानों में मिलावट खोरी चरम सीमा पर है। सत्ता सुधार ने इस मुद्दे को कई दफे प्रमुखता से उठाया जिसको गंभीरता से लेते हुए खाद्य विभाग की टीम सक्रिय हो गई और छापामार अभियान के तहत खाद्य पदार्थों का सैंपल लेकर जांच पड़ताल की जा रही है। इससे मिलावट खोरों में हड़कंप मच गया है। 2-4 प्रतिष्ठानों पर बड़ी कार्यवाही हो जायेगी तो निश्चित रूप से उसका अच्छा मैसेज जायेगा और मिलावट खोरी पर अपेक्षित अंकुश लगेगा।

मिल्क के 42 सैंपल लिए गए – मिल्क के 42 सेंपल लिए गये हैं। मिल्क में मिलावट की खबर लगने पर सबसे पहले मिल्क 42 सेंपल लेकर उसे जांच के लिए प्रयोगशाला भिजवाया गया है। जांच रिपोर्ट आने के बाद मिलावट खोरों के खिलाफ कार्यवाही की जायेगी।

मिल्क प्रोडक्ट्स के 176 सेंपल – मिल्क का सेंपल लेने के साथ-साथ मिल्क से बनने वाले अन्य खाद्य सामग्रियों के भी 176 सेंपल लिये गए हैं। खाद्य विभाग की टीम जांच करके सेंपल लेकर जांच कार्यवाही शुरू कर दी है। जांच रिपोर्ट आने के बाद संबंधित के खिलाफ कार्यवाही की जायेगी।

तेल मसाले सहित अन्य खाद्य पदार्थों की जांच – तेल मसाले सहित अन्य खाद्य पदार्थों की जांच गंभीरता से की जा रही है। दुकानों में छापामारकर तेल मसाले सहित अन्य खाद्य पदार्थों के करीब 465 सेंपल लिये गए। रिकॉर्ड सेंपल लेने से दुकानदारों और मिलावट खोरों में हड़कंप मचा है।

27 प्रकरण कोर्ट में दर्ज – जांच रिपोर्ट आने के बाद खाद्य विभाग की टीम ने 27 प्रकरण माननीय न्यायालय के सुपुर्द कर दिया है। जहां सुनवाई के बाद मिलावट खोरों को अर्थदंड़ सजा व अन्य कार्यवाही के आदेश जारी किये जायेंगे ।

मिलावटखोरों को 5 लाख से अधिक का अर्थदंड – खाद्य विभाग द्वारा की गई कार्यवाही के पश्चात माननीय न्यायालय ने सुनवाई कर 30 प्रकरणों में अपना फैसला सुनाते हुए दोषी पाये गए मिलावट खोरों पर 5,26,500 रूपये का अर्थदंड़ दिया है। पहली बार मिलावट खोरों पर इतना अर्थदंड़ मिलने की कार्यवाही हुई है ।

क्या कहते जवाबदार

जिले में विभिन्न खाद्य प्रतिष्ठान व डेरियों से गत दिनों में मिल्क के 42 सैंपल लिए ओर मिल्क प्रॉडक्ट्स के 176 सैंपल लिये गये। तथा तेल, मसाले, अन्य खाद्य पदार्थों के सैंपल लगभग 465 सैंपल लिए गये तथा न्यायालय में 27 प्रकरण दर्ज कर किये गये। 30 प्रकरणों के निर्णय हुए और न्यायालय द्वारा लगभग अर्थदंड 5,26,500 रूपये किया गया।

राजेन्द्र कुमार काम्ले, खाद्य अधिकारी, खाद्य सुरक्षा विभाग, हरदा।

खाद्य विभाग की टीम सक्रिय

जिले में खाद्य विभाग की टीम शासन द्वारा जारी दिशा-निर्देश के परिपालन में सक्रिय है। अभियान चलाकर मिलावट खोरों के खिलाफ बड़ी कार्यवाही की जा रही है। यह कार्यवाही आगे भी जारी रही तो मिलावट खोरों के रवैये में आमूल चूल बदलाव आयेगा और वे मिलावट करने के पहले एक बार सोचने को मजबूर हो जायेंगे। देर आए दुरूस्त आए की तर्ज पर खाद्य विभाग की टीम ने पहली बार इतनी बड़ी कार्यवाही की है। जिससे मिलावट खोरों में हड़कंप मचा हुआ है। गुणवत्ता युक्त खाद्य सामग्री की बिक्री पर विशेष जोर दे रहे हैं।

नेशनल लोक अदालत 14 दिसम्बर को

सत्ता सुधार ■ हरदा

नेशनल लोक अदालत में बिजली चोरी एवं अनियमितताओं के प्रकरणों को समझौते के माध्यम से निराकृत किया जाएगा। विद्युत वितरण कम्पनी हरदा ने विद्युत अधिनियम 2003 धारा 135 के अंतर्गत न्यायालयों में लंबित प्रकरणों के निराकरण के लिए विद्युत उपभोक्ताओंएवं उपयोगकताओं से अपील की है कि वे अप्रिय कानूनी कार्यवाही से बचने के लिए अदालत में समझौता करने के लिए संबंधित बिजली कार्यालय में संपर्क करें। धारा 135 के अंतर्गत अदालत में लंबित प्रकरणों का निराकरण के लिये निम्नदाब श्रेणी के समस्त घरेलू, समस्त कृषि, 5 किलोवॉट के गैर घरेलू एवं 10 अश्व शक्ति भार तक के औद्योगिक उपभोक्ताओं को प्रकरणों में ही छूट दी जाएगी। कंपनी द्वारा आंकलित सिविल दायित्व की राशि पर 30 प्रतिशत आकलित राशि के भुगतान में चूक किये जाने पर निर्धारण आदेश जारी होने की तिथि से 30 दिवस की अवधि समाप्त होने के पश्चात प्रत्येक छ-माही चक्रवृद्धि दर अनुसार 16 प्रतिशत प्रतिवर्ष की दर से लगने वाले ब्याज की राशि पर 100 प्रतिशत की छूट दी जाएगी। लिटिगेशन स्तर पर आकलित सिविल दायित्व की राशि पर 20 प्रतिशत एवं आकलित के भुगतान में चूक पर निर्धारण आदेश तिथि से 30 दिवस की अवधि समाप्त होने के पश्चात चक्रवृद्धि अनुसार 16 प्रतिशत की दर से 100 प्रतिशत छूट दी जाएगी।

बच्चों ने अपनी प्रतिभा का किया प्रदर्शन

सत्ता सुधार ■ हरदा

विश्व दिव्यांग दिवस के अवसर पर जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान बागरूल के प्रांगण में दिव्यांग बच्चों की खेलकूद प्रतियोगिता एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम सम्पन्न हुए। कार्यक्रम में विधायक डॉ. आर.के. दोगने, पूर्व मंत्री कमल पटेल, जिला पंचायताध्यक्ष गजेन्द्र शाह, उपाध्यक्ष दर्शन सिंह गेहलोत व कलेक्टर आदित्य सिंह सहित अन्य अधिकारी व जनप्रतिनिधि उपस्थित थे। अतिथियों ने दिव्यांग विद्यार्थियों की रंगोली एवं चित्रकलॉ प्रतियोगिता में शामिल बच्चों का उत्साहवर्द्धन किया। कार्यक्रम में विधायक डॉ. दोगने ने कहा कि दिव्यांगजन भी देश और प्रदेश के विकास में बराबरी से भागीदारी कर रहे हैं। उन्होने विधायक निधि से सी डब्ल्यू ए स ए न दिव्यांग छात्रावास के लिये 1.25 लाख रुपये स्मार्ट बोर्ड क्रय करने हेतु स्वीकृत करने की घोषणा की।

136 दिव्यांग बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों में लिया भाग - इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में 136 दिव्यांग बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों व खेल प्रतियोगिता में अपनी सहभागिता की। कलेक्टर श्री सिंह ने कहा कि वर्ष 1992 से दिव्यांग दिवस 3 दिसम्बर को हर साल मनाया जाता है। जिला पंचायताध्यक्ष श्री शाह ने कहा कि दिव्यांगता किसी भी क्षेत्र में बाधक नहीं है।

परख राष्ट्रीय सर्वेक्षण के अंतर्गत संचालित कक्षाओं का कलेक्टर कोचर ने किया निरीक्षण

सत्ता सुधार ■ दमोह

कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर ने 4 दिसंबर 2024 को आयोजित होने वाले परख राष्ट्रीय सर्वेक्षण के अंतर्गत संचालित कक्षाओं का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने सर्वप्रथम शासकीय माध्यमिक शाला नोहटा में कक्षा छठवीं के विद्यार्थियों से बात की तथा मॉक टेस्ट में पूछे जा रहे प्रश्नोत्तरी विद्यार्थियों से की, जिन प्रश्नों के उत्तर विद्यार्थियों ने नहीं दिए उन पर अप्रसन्नता व्यक्त करते हुए प्रधानाध्यापक एवं शिक्षकों को निर्देशित किया कि विधार्थियों का समझ आधारित अध्यापन कराएं ताकि वह प्रश्न समझ सके तथा विकल्प का चयन कर सकें। इसी क्रम में कलेक्टर श्री कोचर कक्षा नवमी हेतु चयनित शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय नोहटा के विद्यार्थियों से बात करते हुए ओएमआर शीट भरने का तरीका एवं सामाजिक विज्ञान तथा गणित विषय से संबंधित प्रश्न किये तथा प्राचार्य को निर्देशित किया कि जिस दिन यह सर्वेक्षण होना है, उस दिन विद्यार्थियों की उपस्थिति शत प्रतिशत होना चाहिए। इसके बाद शासकीय माध्यमिक शाला साखा में कक्षा छठवीं के विद्यार्थियों से हिंदी विषय से संबंधित प्रश्न किये, जिनका उत्तर विद्यार्थियों द्वारा देने पर प्रसन्नता व्यक्त की।

शासकीय महिला पॉलीटेक्निक महाविद्यालय, सीहोर में एलमनी मीट का आयोजन

सीहोर। पॉलीटेक्निक महाविद्यालय में कम्प्यूटर साइंस एण्ड इंजीनियरिंग एवं मॉर्डन ऑफिस मैनेजमेंट की पूर्व छात्राओं का पूर्व छात्र मिलन समारोह का आयोजन किया गया। इस समारोह में लगभग 50 पूर्व छात्राओं ने भाग लिया। साथ ही दोनो विभाग की समस्त छात्राऐं एवं संस्था प्राचार्य डी0आर0 वर्मा एवं सभी फैकल्टी और स्टाफ ने विद्यार्थियों के साथ अपनी पुरानी यादों के किस्से एक दूसरे के साथ साझा किए।

विरोध सनातन चेतना मंच दमोह की बैठक संपन्न , हिन्दुओं पर हो रहे हमले से लोग आक्रोशित

बंग्लादेश में हिन्दुओं पर हो रहे अत्याचार के विरोध में प्रदर्शन एवं ज्ञापन रैली आज

सत्ता सुधार ■ दमोह

सकल हिन्दू समाज जिला दमोह के समस्त सामाजिक संगठनों के अध्यक्ष एवं प्रमुखों जनों की बैठक सनातन चेतना मंच के बैनर तले स्थानीय नीलकमल गार्डन में आयोजित की गई। बांग्लादेश में मंदिरों को तोड़े जाने के साथ ही हिंदुओं पर हो रहे अत्याचारों के विरोध में आज बुधवार को सनातन चेतना मंच जिला दमोह के द्वारा विशाल धरना,ज्ञापन, रैली का आयोजन किया गया है। वहीं दमोह में सनातन चेतना मंच के के द्वारा आधे दिन का उपवास का आव्हान भी किया गया है। इसके अलावा रैली के दौरान काली पट्टी बांध कर भी विरोध प्रकट किया जाएगा। मंगलवार की दोपहर में सनातन चेतना मंच दमोह के द्वारा एक बैठक आयोजित कि गई इस बैठक का विषय था कि बांग्लादेश में हिन्दुओं पर हो रें अत्याचार तत्काल बंद करवाने एवं इस्कान के सन्यासी चिन्मय कृष्णदास को अन्याय पूर्ण कारावास से मुक्त करवाने की मांग की गई बांग्लादेश में हो रहे अल्पसंख्ययकों पर हमले, हत्याएं, लूट आगजानी तथा महिलाओं पर हो रहे अमानवीय अत्याचार अत्यंकत चिंताजनक हैं। जिसकी सनातन चेतना मंच इसकी कड़ी भर्त्सना करता हैं।

वर्तमान की बांग्लादेश सरकार तथा अन्य एजेंसिया इसे रोकने के स्थान पर केवल मूकदर्शक बनी हुई हैं बांग्लानदेश के हिन्दुओं के द्वारा लोकतांत्रिक पद्धति से उठाई गई आवाज को दबाने हेतु उन्हीं पर अन्याय व अत्याचार का नया दौर उभरता दिख रहा है।

ऐसे ही शांति पूर्ण प्रदर्शनों में हिन्दुओं का नेतृत्व कर रहें इस्कॉन के सन्यासी चिन्मेय कृष्णीदास को बांग्लादेश सरकार द्वारा जेल भेजना अन्योय पूर्ण हैं। सनातन चेतना मंच बांग्ला देश सरकार से यह आव्हन करता है कि वह सुनिश्चित करें कि बांग्लाजदेश में हिन्दुओं पर हो रहे अत्याचार तत्काल बंद हों तथा चिन्मय कृष्णिदास को कारावास से मुक्तर करें। उक्त मांगों को लेकर सनातन चेतना मंच की बैठक में तय किया गया कि आज 04 दिसम्बर 2024 दिन बुधवार जिला केन्द्र पर धरना प्रदर्शन दोपहर 01 बजे से स्थानीय तहसील ग्राउंड पर विशाल धरना प्रदर्शन आयोजित कर विशाल रैली के साथ ज्ञापन देश के महामहिम राष्ट्रपति महोदय जी के नाम दमोह कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा जाएगा,सभी समाज प्रमुखों,सभी समाज संगठनों, गणेश उत्सव समितियां,गायत्री परिवार, सभी समाज सम्मिलित होकर संत समाज के नेतृत्व में रैली मेंअनुशासन के साथ चलेगें। ज्ञापन रैली तहसील ग्राउंड से प्रारंभ होकर प्रमुख मार्गों से होते हुये कलेक्टर कार्यालय पहुंचेगी। वहां सनातन चेतना मंच जिला दमोह के द्वारा ज्ञापन सौंपा जाएगा । सनातन चेतना मंच जिला दमोह की बैठक में सकल हिन्दू समाज जिला दमोह की प्रमुख समाजों में प्रमुख रूप से ब्राह्मण समाज,ताम्रकार समाज, साहू समाज, वैश्य समाज,घोषी समाज के समस्त अध्यक्ष और प्रमुख जनों की मौजूदगी रही। बैठक के अंत में समस्त सामाजिक संगठनों के अध्यक्षों ने दमोह के सभी सामाजिक संगठनों ने अपील की है कि सनातन चेतना मंच जिला दमोह के द्वारा आयोजित विशाल धरना एवं विशाल ज्ञापन रैली में अधिक से अधिक संख्या सम्मिलित होकर अपनी एकता का परिचय दें।

पार्क में विभिन्न सुविधा प्रदान का ज्ञापन सौंपा

नपाध्यक्ष प्रिंस राठौर ने दिये कार्य कराये जाने के निर्देश

सत्ता सुधार ■ सीहोर

अ.जा.ज.जाति पिछड़ा वर्ग अल्प संख्यक कल्याण परिषद के प्रदेश महामंत्री नरेन्द्र खंगराले ने नगर पालिका परिषद सीहोर के अध्यक्ष प्रिंस विकास राठौर को 6 दिसम्बर 2024, शुक्रवार को डॉ.अम्बेडकर पुण्यतिथि अवसर पर स्थानीय वार्ड क्रं. 11 में स्थित डॉ.भीमराव अम्बेडकर पार्क में प्रतिमा पर कलर एवं अन्य मरम्मत कार्य टेण्ट, माईक मशीन, पेयजल व्यवस्था हेतु पानी का टेंकर तथा पार्क के आस-पास सफाई कराई जाकर माता मंदिर से रविदास मंदिर तक चुना डलवाने हेतु दलित नेता नरेन्द्र खंगराले द्वारा ज्ञापन सौंपा गया। नगर पालिका अध्यक्ष प्रिंस राठौर द्वारा उक्त कार्य तत्काल कराये जाने हेतु सहायक यंत्री विजय कोली, स्वास्थ्य अधिकारी योगेश राठी, पीडब्ल्यु डी स्टोर कीपर मंजूर भाई को निर्देश दिये। इस अवसर पर प्रमुख रूप से वरिष्ठ पत्रकार के.जी.बैरागी, डॉ.अनीस खान, राजाराम बड़े भाई, पन्नालाल खंगराले, के.एल.बैरागी, श्याम सोनकर, धरम प्रकाश आर्य, धन्नालाल परचोले, पंकज शर्मा, रामदुलारे सोनकर, मांगीलाल टिमरई, दीपक सोनकर, कमल अहिरवार, बी.एस.पैठारी, इंजि.जितेन्द्र सिंह, कमल सूर्यवंशी, दयाराम गवाठिया, किशोरदास मालवीय, कमल किशोर जाटव, राहुल जाटव, शोभाराम अहिरवार, मुन्नालाल निरंजन, अनिल पुरविया आदि लोग प्रमुख रूप से शामिल रहे।

बांग्लादेश में हिंदू व अल्पसंख्यकों के उत्पीड़न के विरोध में सनातन चेतना मंच राष्ट्रपति को ज्ञापन सौंपेगी

4 दिसंबर को पीटीसी ग्राउंड से रैली के माध्यम से कलेक्टर कार्यालय पहुंचेंगे

सत्ता सुधार ■ सागर

सनातन चेतना मंच द्वारा बांग्ला देश में अल्पसंख्यकों के उत्पीड़न के विरोध में एक बड़ी सभा का आयोजन किया जा रहा है।इस सभा में प्रमुख विद्वत जनों और सामाजिक कार्यकर्ताओं को आमंत्रित किया गया है।सभा के बाद, सनातन चेतना मंच का प्रतिनिधिमंडल महामहिम राष्ट्रपति को एक ज्ञापन सौंपेंगा, जिसमें बांग्ला देश में हिंदू व अल्पसंख्यकों के उत्पीड़न के विरोध में कार्रवाई करने की मांग की जाएगी। बांग्लादेश में अल्पसंख्यक वर्ग के साथ-साथ, महिलाओं के ऊपर बढ़ते अपराध, हमलों, लूट-पाट, आगजनी

जैसे अमानवीय कृत्य हो रहें हैं। धार्मिक स्थलों पर लूट-पाट की जा रही है तथा प्रतिबंध लगाया जा रहा है। सभी विषय चिंताजनक है।भारत देश का सनातनी हिन्दू समाज बांग्लादेश के अल्पसंख्यक वर्ग के साथ खड़ा हुआ है।सामाजिक चेतना मंच बांग्लादेश में अल्पसंख्यक समाज के साथ होने वाले अत्याचार का विरोध करता है । साथ ही समस्त अल्पसंख्यक समाज एवं सकल हिंदू समाज से आग्रह करता है कि बांग्लादेश में अल्पसंख्यक समुदाय वर्ग विशेष के साथ किये जाने वाले अत्याचार का विरोध दर्ज कराने हेतु सनातन चेतना मंच के साथ सहभागिता दर्ज करावें। सनातन चेतना मंच की बैठक में उपस्थित प्रतिनिधियों के द्वारा सर्व सम्मति से निर्णय लिया गया है कि दिनांक 04 दिसंबर दिन बुधवार को पी.टी.सी. ग्राउंड सागर में दोपहर 2ः00 बजे से एकत्रीकरण होकर सभा का आयोजन कर पीटीसी ग्राउंड से रैली के माध्यम से कलेक्टर कार्यालय में भारत देश के महामहिम राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंप कर बांग्लादेश के अल्पसंख्यक समुदाय की विशेष सुरक्षा हेतु मांग करेगा । इसमें जनसमुदाय से आग्रह है कि अधिक से अधिक संख्या में सम्मिलित होकर विरोध प्रदर्शन में अपनी सहभागिता दर्ज करें।

सभा के मुख्य उद्देश्य हैं:

- बांग्ला देश में हिन्दू एवं अल्पसंख्यकों के उत्पीड़न के विरोध में आवाज उठाना।
- भारत सरकार से अपील करना कि वह बांग्ला देश में हिंदू व अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कदम उठाए।
- देश भर में हिंदू समुदाय को एकजुट करना और उन्हें बांग्ला देश में हिंदू व अल्पसंख्यकों के उत्पीड़न के विरोध में एक साथ आने के लिए प्रेरित करना।

फल फूल रहा है मिलावट का बाजार

खाद्य औषधी विभाग को नहीं चिंता

राकेश सेन ■ बीना (सागर)

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के निर्देश के बाद कलेक्टर संदीप जी आर के आदेश अनुसार मिलावट से मुक्ति अभियान के तहत जिले में कार्यवाही की जा रही है किंतु बीना इससे अछूता है।पूरे प्रदेश में जहां खाद विभाग द्वारा मिलावटखोरों पर जहां जबरदस्त कार्यवाही की जा रही है, वहीं बीना में मिलावट बाजार फल फूल रहा है।विशेष सूत्रों से ज्ञात हुआ है कि खाद्य विभाग केवल होटलों को अपना निशाना बनाता है, जबकि बीना में इस वक्त खाद तेल पदार्थ से लेकर जनरल स्टोर पर मिलने वाला सामान भी नकली लेवल लगाकर असली बनाकर बेचा जा रहा है।बीना एक रेलवे जंक्शन होने के कारण चारों दिशाओं में व्यापारी खाद्य पदार्थ से लेकर जनरल स्टोर पर बिकने वाली टूथपेस्ट, साबुन, क्रीम,आइल, पाउडर आदि को बेचा जा रहा है। बच्चों को बेचें जाने वाली खाद्य सामग्री एक्सपायरी डेटओं की बेची जा रही है। इसके अलावा किसानों को नकली खाद एवं कीटनाशक दावों का भी व्यापार फल फूल रहा है।वहीं मेडिकल स्टोरौ पर अभी नकली दवाएं का व्यापार धड़ल्ले से चल रहा है।सबसे महत्वपूर्ण बात यह है की खाद्य विभाग आखिर इन इन मिलावटखोरों पर कार्यवाही क्यों नहीं करता और यदि करने आते भी हैं तो व्यापारियों तक खबर कैसे पहुंच जाती है यह महत्वपूर्ण है।यही स्थिति मेडिकल स्टोर की है ना तो उससे संबंधित अधिकारी ध्यान देते हैं और ना ही कभी कार्यवाही करते हैं जिससे बेचारी जनता लूट रही है । दबावों में मिलावट, एवं नशे का व्यापार मेडिकल स्टोर ऊपर से चल रहा है किंतु प्रशासन इस संबंध में बिलकुल बेखबर है।सबसे महत्वपूर्ण बात जो है कहीं पर भी कोई बिल बनाकर ग्राहकों को नहीं दिया जाता है ना ही ग्राहक इतने जागरूक हैं कि वह दुकानदारों से बिल मांगे।

जर्जर स्थिति के ऑटो सड़कों से हटाए जाने को लेकर पालक अभिभावक महासंघ ने सौंपा ज्ञापन

सत्ता सुधार ■ बीना(सागर)

स्कूली बच्चों की सुरक्षा को लेकर आज पालक महासंघ बीना और अभिभावकों ने बीना थाना मैं सब इंस्पेक्टर कविता द्विवेदी (प्रभारी) को एक ज्ञापन सौंपा, पालक महासंघ अध्यक्ष अमित साहू ने जानकारी देते हुए बताया कि कल दिनांक (02/12/24) जिसमें निर्मल ज्योति स्कूल के बच्चों को लेकर जा रहा एक ऑटो बड़ी बजरिया मैं जिसका चलते समय पहिया निकल कर फीक गया था जिसमें बच्चे बाल बाल बचे थे ऑटो मैं बच्चे ओवरलोड थे और ऑटो की स्थिति खराब थी ,स्पीड कम होने के कारण बड़ा हादसा होने से टल गया ,अगर ये हादसा स्टेशन रोड या अंडर ब्रिज मैं होता तो बड़ा हादसा हो सकता था,कुछ महीने पहले बारधा मैं एक दुखद हादसा हो चुका है सभी ऑटो और वैन की जांच होनी चाहिए और जर्जर स्थिति के ऑटो सड़कों से हटाए जाने चाहिए ,ऑटो और वैन वाले को अपनी ज़िम्मेदारी समझनी पड़ेगी भविष्य मैं ऐसी कोई घटना ना इसके लिए प्रशासन कारवाही करें ,ज्ञापन देने वाले मैं रामसेवक कुशवाहा,राजेश श्रीवास्तव (वरिष्ठ शिक्षक), एड.राकेश श्रीवास्तव,विशाल चौधरी अन्य शामिल रहे।

श्री राम महाबारात का उद्देश्य जो लोग संस्कृति से हटते जा रहे थे उन्हें फिर से संस्कृति से जोडऩा है : राम नाम महाराज

परंपरागत सभी रस्मों के पश्चात 6 दिसंबर को निकलेगी महाबारात

सत्ता सुधार ■ बीना(सागर)

राम नाम का का प्रभाव इतना अधिक रहता है कि वह अपने परिवार अपने कुल और शहर को भी तार देता है ऐसे ही नगर में राम नाम के प्रभाव जिव्हा पर रखने वाले राम नाम महाराज ने आज प्रेस वार्ता के माध्यम से बताया कि कि जब हम गर्भ में थे तो हमारी माता ने नौ माह में 60 लाख राम नाम लिख लिए थे। जिनके प्रभाव से आज हमारी जिव्हा पर राम नाम है उसी का प्रभाव है कि आज बीना नगर में 42 सालों से भगवान श्री राम की महाबारात का आयोजिन हो रहा है पं. रामनाम महाराज ने पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए महाबारात की विस्तार से जानकारी दी। महाबारात में देश के विभिन्न राज्य असम, झारखंड, उत्तराखंड सहित अन्य राज्यों से

कलाकार शामिल होंगे। उन्होंने बताया कि श्रीराम महाबारात का आयोजन लोगों को एक करने के लिए निकाली जाती है, जिसमें सभी भक्त शामिल होकर धर्मलाभ लेते हैं। कहने और करने में अंतर होता है।श्रीराम महाबारात निकालने के लिए दृढ़ निश्चय करना पड़ता है,श्रीराम संकीर्तन के प्रभाव से इतनी बड़ी बारात निकाल पाना संभव हो पाता है,इससे जो लोग संस्कृति से हटते जा रहे थे उन्हें फिर से संस्कृति से जोडऩा मुख्य उद्देश्य है। भगवान के जितने भी संस्कार थे।उनकी पूरी रस्में की जाती हैं, ताकि जो लोग इन रस्मों को भूलते जा रहे हैं वह उनके स्मरण में बनी रहें और आगे भी रस्में को निभाई जाएं। अभी भगवान की सगाई, गोदभराई, तिलकोत्सव की रस्में पूरी हो चुकी हैं। आगे तेल, मंडल, हल्दी की रस्मों के बाद भगवान की चक्रवर्ती महाबारात निकाली जाएगी। यह होंगे शामिल महाबारात में 100 ध्वज वाहक, 20 घोड़े, 4 ऊंट, नाचने वाले घोड़ा, अयोध्या की झांकी, गुजरात की झांकी, पंजाब बैंड, हरियाणा बैंड, 10 डीजे, 6 बैंड, दिल्ली का अघोरी नृत्य, कानपुर का अघोरी नृत्य, मालवा का मयूरी डांस, 8 ट्राला पर झांकी, 4 अखाड़े, चलित इंदौरी की झांकी, डमरू नृत्य आदि शामिल होंगे।

विभागीय समीक्षा बैठक का आयोजन 5 दिसंबर को

सागर। कलेक्टर संदीप जी आर की अध्यक्षता में विभागीय समीक्षा बैठक का आयोजन 5 दिसंबर को अपराह्न 3 बजे कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में किया जायेगा। उक्त समीक्षा बैठक में परियोजना अधिकारी(समस्त) महिला एवं बाल विकास समेत समस्त पर्यवेक्षक एवं ब्लॉक समन्वयक उपस्थित होगे। बैठक में विभागीय योजनाओं की लक्ष्य एवं पूर्ति, एन. आर.सी., सेम से नार्मल आये बच्चों की समीक्षा,सी. एम. हेल्पलाईन की समीक्षा, पोषण ट्रेकर की समस्त रिपोर्ट की समीक्षा, आंगनबाड़ी भवन की विस्तृत समीक्षा के साथ साथ अन्य समसामयिक समस्त विभागीय बिन्दुओं पर चर्चा की जायेगी।

अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस आयोजित प्रतियोगिता का पुरस्कार वितरण समारोह 9 दिसम्बर को

सागर। सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण द्वारा विगत वर्ष की भांति विश्व दिव्यांग दिवस विद्यालय एवं महाविद्यालय स्तर पर आज 3 दिसम्बर को अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस के उपलक्ष्य में प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाना है। आयोजित प्रतियोगिता में विजयी छात्र / छात्राओं को 9 दिसंबर को दोपहर 12 बजे से पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन शासकीय दृष्टि एवं श्रवण बाधितार्थ उ.मा. विद्यालय पण्डापुरा सागर में दिव्यांग दिवस का आयोजन किया जाएगा।

हृदयरोग से पीड़ित बच्चों हेतु निःशुल्क जाँच शिविर 5 दिसंबर को

सागर। राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यकम एंव आयुष्मान योजना अंतर्गत 0 से 18 वर्ष तक के हृदयरोग से पीड़ित समस्त बच्चों के लिये निःशुल्क हृदयरोग परीक्षण शिविर का आयोजन 05 दिसम्बर 2024 को मुख्यमंत्री संजीवनी क्लीनिक वृन्दावन वार्ड एम.एल.बी. स्कूल के पास समय प्रातः 10 बजे से शाम 4 बजे तक किया जाएगा।जांच शिविर में हेतु हितग्राही को आवश्यक दस्तावेज लाना अनिवार्य है जिनमें हितग्राही का आयुष्मान कार्ड अनिवार्यतः, दो पासपोर्ट साईज के फोटो, बच्चें एंव माता पिता का आधार कार्ड, बच्चे का जन्म प्रमाण पत्र / अंकसूची हो।मुख्य चिकित्सा एंव स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. ममता तिमोरी ने आमजन से अपील है कि 0 से 18 वर्ष तक के हृदयरोग से पीड़ित बच्चों को स्वास्थ्य शिविर में लाकर जॉच अवश्य करायें ।

दिव्यांग बच्चे का नहीं बन पा रहा था आधार कार्ड

कलेक्टर ने हाथों-हाथ बनवा कर सौंपा

सत्ता सुधार ■ सागर

इस मंगलवार को जनसुनवाई में संत रविदास वार्ड की निवासी श्रीमती रोशनी साहू पहुंची जो अपने दिव्यांग बेटे केशव साहू का आधार कार्ड न बन पाने के कारण 5 साल से परेशान हो रही थीं। बच्चे का आधार कार्ड न बन पाने के कारण उन्हें विभिन्न आवश्यक कार्यों में भी परेशानी होती थी। परंतु मंगलवार को जब वे जनसुनवाई स्थल पहुंची तो कलेक्टर के निर्देश पर उनके दिव्यांग बेटे का आधार कार्ड हाथों-हाथ बन गया जिसे स्वयं कलेक्टर श्री संदीप जी आर ने उनके बेटे केशव साहू को खुशी-खुशी सौंपते हुए उसके उज्जवल भविष्य की कामना की।बता दें कि विगत

जनसुनवाई में कलेक्टर संदीप जी आर द्वारा जनसुनवाई स्थल पर भी आधार सेवा उपलब्ध कराने की बात कही गई थी, जिसका पालन करते हुए इस मंगलवार को आयोजित जनसुनवाई से आधार सेवा उपलब्ध कराई गई है।

शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के उद्देश्य से कलेक्टर संदीप जी आर लगातार प्रयासरत हैं। इसी उद्देश्य से जनसुनवाई स्थल पर भी नई सेवाएं और सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रहीं हैं जिसकी जिलेवासी भी सराहना कर रहे हैं।

छात्र- छात्राओं ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र देवरी व शासकीय औद्योगिक संस्थान का भ्रमण किया

सत्ता सुधार ■ देवरी(सागर)

नवीन व्यावसायिक शिक्षा की अंतर्गत औद्योगिक भ्रमण कार्यक्रम में शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय जमुनिया चिखली मैं संचालित ट्रेड हेल्थ केयर व शारीरिक शिक्षा के 9 से 12वीं के छात्र- छात्राओं ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र देवरी व शासकीय औद्योगिक संस्थान का भ्रमण किया गया,जिसमें छात्रों ने ट्रेड वॉर व विषय वार जानकारी प्राप्त की व करियर को लेकर भी वरिष्ठ अधिकारियों व कर्मचारियों द्वारा चर्चा की गई संबंधित ट्रेड में बारीकी को भी समझाया गया औद्योगिक भ्रमण के दौरान दोनों शासकीय केदो के कर्मचारियों व अधिकारियों का महत्वपूर्ण सहयोग प्राप्त हुआ। जिसमें संस्था के प्रभारी प्राचार्य भरत सिंह परिहार,अरुण कुमार दुबे, वरिष्ठ शिक्षक,व्यवसाय शिक्षा की ट्रेनर श्रीमती रेखा कुर्मी, अरविंद कुमार यादव, संस्था की शिक्षक कुमारी अंजली दांगी,निलेश सेन आदि मुख्य रूप उपस्थित रहे।

कलेक्टर संदीप जीआर स्वयं पहुंचे आवेदकों के पास, सुनी लोगों की समस्या

जनसुनवाई में हुई 318 आवेदनों पर कार्यवाही

सत्ता सुधार ■ बीना(सागर)

आम लोगों की शिकायत का निराकरण हो इसके लिए कलेक्टर सागर द्वारा लगातार प्रयास किया जा रहा है। जब आवेदक आवेदन लेकर कलेक्टर कार्यालय पहुंचते हैं तो कलेक्टर संदीप जीआर स्वयं आवेदकों के बीच पहुंचकर उनकी समस्या सुनते हैं और मौके पर निराकरण का प्रयास करते हैं।

कलेक्टर कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई में आज 318 आम लोगों की समस्याओं को सुना गया और अधिकारियों को तत्परता से आमजन की समस्याओं के निराकरण के निर्देश दिए गए।इस दौरान कलेक्टर संदीप जी आर, पुलिस अधीक्षक विकास शाहवाल, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी विवेक के वी, संयुक्त कलेक्टर श्रीमती अदिति यादव, सिटी मजिस्टेऊट श्रीमती जूही गर्ग, डिप्टी कलेक्टर श्री विजय डेहरिया, डिप्टी कलेक्टर नवीन सिंह ठाकुर सहित अन्य विभागीय अधिकारी मौजूद थे।राज्य शासन के निर्देश पर आमजन की समस्याओं के त्वरित निराकरण के लिए प्रत्येक सप्ताह मंगलवार को जनसुनवाई आयोजित की जाती है। इसी कड़ी में आज कलेक्ट्रेट में जनसुनवाई हुई। जिले के 318 आवेदकों के प्रकरणों में सुनवाई कर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की गई। जनसुनवाई में लोगों की समस्याओं को सुना और उनका निराकरण किया गया।

भगवान ने जितना दिया है उतने का सुख तो भोगों : पंडित विपिन बिहारी दास

सत्ता सुधार ■ देवरी(सागर)

ग्राम अनंतपुरा में चल रही श्रीमद् भागवत कथा के चौथे दिन की कथा में पंडित विपिन बिहारी दास जी ने भागवत कथा सुनाते हुए कहा कि भगवान ने जो दिया है,अगर आप उसमें खुश नहीं हैं तो संसार की सारी दौलत भी मिल जाए तो आप खुश नहीं हो सकते अगर इतने में खुश नहीं तो कितना भी मिल जाए उसमें भी खुश नहीं रहेंगे जितना प्राप्त है उतना पर्याप्त है।भगवान ने जितना दिया है उतने का सुख तो भोगों ,मनुष्य तन मिला है तो जीवन में तकलीफ तो आएगी ही दुख व्यक्ति का सबसे पहला रिश्तेदार है वह तो आएगा ही तुम नहीं चाहोगे तो भी वह आएगा मनुष्य तन मिला है तो दुख तो आएगा ही लेकिन कुछ लोग दुख से निपट लेते हैं और कुछ लोगों को दुख निपटा देता है कई लोगों ने दुख से निपट लिया और कई लोगों को दुख ने निपटा दिया इसलिए इस मानव जीवन को तमाशा मत बनाओ अगर बनाना है,तो इस मानव जीवन को तीर्थ बना लो साधु संतों ने अपने जीवन को तीर्थ बना लिया और हम लोगों ने इस जीवन को तमाशा बना लिया अगर समस्या आती है तो उसे दिमाग में मत रखो और अगर आप समस्या को दिमाग में हमेशा रखे रहे तो जीवन तीर्थ नहीं तमाशा बन जाएगा।जिंदगी में कुछ ऐसा करो कि जहां से आए हो कम से कम वहां तो लौट जाओ क्योंकि तुम्हारे लौटने का इंतजार तुमसे ज्यादा वह परमात्मा कर रहा है।जिसने तुम्हे भेजा है।।कथा के मुख्य यजमान मुलाम साहू ,श्रीमती सरोज रानी नत्थू पंडा सरपंच अनंतपुरा एवं आयोजक श्रीमती आशा लखन साहू पूर्व सरपंच अनंतपुरा,और कथा श्रवण करने वालों मेंश्रीमती रमा प्रीतम साहू ,मिनी मुकेश साहू ,स्वाति राकेश साहू, रागिनी राहुल साहू, सहित बड़ी संख्या में क्षेत्र के महिला पुरुष मौजूद रहे।

नगर के लोगों की संतुष्टि ही हमारा विकास है : लता सकवार

नपाध्यक्ष ने किया नगर के विकास कार्यों का अवलोकन

सत्ता सुधार ■ बीना(सागर)

नगर पालिका अध्यक्ष लता सकवार ने नगर के प्रत्येक वार्डों में विकास कार्यों के साथ उनकी गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देते हुए, प्रतिदिन वार्डों के भ्रमण कर विकास कार्यों की समीक्षा करते हुए निर्माण कार्यों पर उनकी नजर बनी हुई है उन्होंने इटावा क्षेत्र, कटरा वार्ड और गांधीवार्ड में चल रहे विभिन्न

विकास कार्यों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने इटावा में हुए डामरीकरण का जायजा लिया। वार्ड के लोगों ने रोड पर गति अवरोधक बनाने की मांग की जिस पर नपा अध्यक्ष ने ठेकेदार को निर्देशित किया कि लोगों की मांगनुसार गति अवरोधक एवं पुनः रोलर चलाकर सभी निर्माण कार्य में गुणवत्ता सुनिश्चित की जाए ताकि नागरिकों को बेहतर सुविधाएं मिल सकें। गांधी वार्ड में चल रहे निर्माण कार्यों का भी अवलोकन कर उन्होंने संबंधित अधिकारियों और ठेकेदारों से समय पर और उच्च गुणवत्ता वाले काम को पूरा करने की अपेक्षा जताई और उपयंत्री शिखा दीक्षित को कार्यों के निरीक्षण हेतु निर्देशित किया, ताकि क्षेत्र के लोगों को इन विकास कार्यों का शीघ्र लाभ मिल सके।निरीक्षण के दौरान नगरवासियों ने सराहा और नपा अध्यक्ष के प्रयासों की प्रशंसा की।इस दौरान विकास राजपूत, नवीन साहू, सुनील समैया, पंकज ताम्रकार सहित नपा अधिकारी,ठेकेदार और वार्डवासी मौजूद रहे।

भर्ती रैली व्यवस्थाओं के लिए कलेक्टर ने अधिकारियों को सौंपे दायित्व

अग्निवीर सेना भर्ती रैली का आयोजन 5 जनवरी से 13 जनवरी 2025 तक

सत्ता सुधार ■ सागर

अग्निवीर सैना भर्ती रैली का आयोजन सागर जिला मुख्यालय पर इंदिरा गाँधी शासकीय इंजीनियरिंग कॉलेज में दिनांक 05 जनवरी 2025 से 13 जनवरी 2025 तक किया जाना है। इस भर्ती रैली में शिवपुरी, दतिया, ग्वालियर, भिण्ड, मुरैना, श्योपुर, सागर, टीकमगढ़, निवाड़ी, एवं छतरपुर सहित कुल 10 जिलों के उम्मीदवार सम्मलित होगें। इस भर्ती रैली व्यवस्थाओं हेतु कलेक्टर संदीप जी आर ने अधिकारियों को दायित्व सौंपे हैं जिसमें संपूर्ण भर्ती कार्यवाही के लिए अपर कलेक्टर रूपेश उपाध्याय नोडल अधिकारी होंगे एवं जिला रोजगार अधिकारी श्रीमती अंगूरी ठाकुर सहायक नोडल अधिकारी होगी।

इसके अतिरिक्त भर्ती रैली की कार्यवाही के दौरान विभिन्न अधिकारियों को कार्य दायित्व सौंपे गए हैं जिनमें रैली स्थल पर कानून एवं सुरक्षा व्यवस्था बनाये रखने हेतु पुलिस अधीक्षक विकास शाहवाल को निर्देशित किया गया है कि भर्ती स्थल पर 24 घंटे पर्याप्त संख्या में पुलिस बल उपलब्ध करावें एवं सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करें। जो अभ्यर्थी भर्ती से बाहर हो जाये उन्हे यथाशीघ्र भर्ती स्थल से बाहर करें।

जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी को सेना भर्ती रैली स्थल पर स्वच्छ पानी उपलब्ध कराना, नगर निगम आयुक्त को सेना भर्ती रैली कार्य हेतु 20-25 चलित शौचालय उपलब्ध कराना इनकी साफ- सफाई व्यवस्था सुनिश्चित कराना एवं फायर सुरक्षा हेतु एक फायर ब्रिगेड उपलब्ध कराना, सेना भर्ती स्थल हेतु अस्थाई विद्युत कनेक्शन प्रदाय करने एवं इंजीनियरिंग कॉलेज के सम्पूर्ण परिसर में निरन्तर निर्वाध विद्युत उपलब्ध कराने हेतु अधीक्षण यंत्री एम.पी.ई. बी. सागर को कार्य दायित्व सौंपा है इसके अतिरिक्त वन मंडल अधिकारी दक्षिण वन वृत्त सागर, कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण विभाग, कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण विभाग (ईएण्डएम), कार्यपालन यंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, प्राचार्य इंदिरा गांधी शासकीय इंजीनियरिंग कॉलेज, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), नगर दण्डाधिकारी, परियोजना अधिकारी जिला शहरी अभिकरण सागर (पीओ डूडा), जिला शिक्षा अधिकारी एवं जिला परियोजना समन्वयक, जिला प्रबंधक ई-गवर्नेंस सोसायटी एवं जिला लोक सेवा प्रबंधक, जिला रोजगार अधिकारी, जिला परिवहन अधिकारी, उप महाप्रबंधक जिला दूरसंचार विभाग, मुख्य नगरपालिका अधिकारी मकरोनिया, उप संचालक जनसंपर्क, प्राचार्य आईटीआई को विभिन्न कार्य सौंपे गए।

ब्रीफ न्यूज

वेंकटेश नहीं रहाणे होंगे केकेआर के कप्तान

मुम्बई। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने इस बार आईपीएल नीलामी में ऑलराउंडर वेंकटेश अय्यर को 23.75 करोड़ रुपए में खरीदा है जिसके बाद माना जा रहा था कि वेंकटेश को कप्तानी मिलेगी। वहीं अब कहा जा रहा है कि मुंबई के रणजी ट्रॉफी कप्तान आजिंक्य रहाणे को ही केकेआर की कप्तानी मिलेगी। रहाणे को पिछले हफ्ते जेद्दा में मेगा नीलामी में उनके आधारमूल्य 1.5 करोड़ रुपए में शामिल किया गया था। वहीं एक रिपोर्ट में कहा गया है कि रहाणे ही केकेआर के नए कप्तान होंगे। केकेआर ने उन्हें कप्तानी के लिए एक बेहतर विकल्प के तौर पर ही शामिल किया है। वेंकटेश को आईपीएल 2025 में टीम की कमान संभालने के लिए चुना गया था, वह टीम की गतिशीलता को समझते हैं, जहां उन्होंने चार साल बिताए हैं और मध्य प्रदेश के साथ फ्रेंचाइजी के मुख्य कोच चंद्रकांत पंडित के कार्यकाल के दौरान उनके साथ काम किया है। केकेआर द्वारा वेंकटेश को फिर से साइन किए जाने के कुछ ही पल बाद उन्होंने कहा कि वह आने वाले आईपीएल सीजन में नेतृत्व की भूमिका निभाने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा, मैंने हमेशा माना है कि कप्तानी सिर्फ एक टैग है, लेकिन नेतृत्व का मतलब ऐसा माहौल बनाना है जहां हर कोई महसूस करे कि वह इस टीम के लिए खेल सकता है और योगदान दे सकता है।

गंभीर दूसरे टेस्ट के लिए भारतीय टीम से जुड़े

एडिलेड। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर यहां ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 6 दिवसंबर से होने वाले दूसरे टेस्ट मैच से पहले भारतीय टीम से जुड़ गए हैं। गंभीर पहले टेस्ट के बाद निजी कारणों से स्वदेश लौट गये थे। वह भारतीय टीम और प्रधानमंत्री एकादश के बीच हुए दो दिवसीय अभ्यास से भी बाहर रहे थे। टीम के साथ जुड़ने के बाद गंभीर की पहली अंतिम ग्यारह का चयन रहेगा। इस मैच से कप्तान रोहित शर्मा और शुभमन गिल भी वापसी करेंगे। रोहित अपने दूसरे बच्चे के जन्म के कारण पहले टेस्ट से बाहर रहे थे। वहीं शुभमन चोटिल होने के कारण टीम से बाहर थे। गंभीर के टीम के साथ नहीं होने पर अभिषेक नायर, रयान टेन डोशेट और मोर्ने मोर्कल ने अभ्यास मैच के लिए टीम के प्रशिक्षण और तैयारियों को देखा।

पीसीबी ने आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी को लेकर रख दी दो शर्त

लाहौर। पाकिस्तान किकेट बोर्ड (पीसीबी) अब आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी के लिए हाइब्रिड मॉडल पर भले ही तैयार हो गया है पर उसने इस मामले में एक नया विवाद खड़ा कर दिया है। पीसीबी ने आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के लिए हाइब्रिड मॉडल को स्वीकार करने के लिए दो प्रमुख शर्तें रखीं। पीसीबी चाहता है कि आईसीसी लिखित में दे कि भारतीय टीम के आईसीसी इवेंट्स में पाकिस्तान के सभी मैच भी तटस्थ स्थल पर ही खेले जाएंगे। इसके अलावा पीसीबी ने आईसीसी से सालाना राजस्वी हिस्सेदारी को भी बढ़ाने को कहा है। पीसीबी को ऐसी उम्मीद है कि प्रायोजकों के दबाव के कारण आईसीसी और बीसीसीआई उसकी शर्तों को मान लेंगे।

मांजरेकर सहित दिग्गज क्रिकेटर नहीं चाहते एडीलेड में पारी शुरु करें रोहित

एजेंसी ■ एडिलेड

पूर्व क्रिकेटर संजय मांजरेकर सहित कई खिलाड़ियों का मानना है कि कप्तान रोहित शर्मा को एडीलेड टेस्ट में पारी की शुरुआत नहीं करनी चाहिये। मांजरेकर के अनुसार गुलाबी गेंद से खेले जाने वाले दिन-रात के इस टेस्ट में रोहित अगर अपने बल्लेबाजी क्रम को बदलकर किसी अन्य क्रम पर उतरें तो ये उनके और टीम के लिए फायदेमंद रहेगा। इसके अन्य कारण भी हैं। उन्होंने कहा कि रोहित पिछल काफी समय से फॉर्म में नहीं हैं। . उन्होंने न्यूजीलैंड के खिलाफ पिछली घरेलू सीरीज मे 3 मैच की 6 पारियों में केवल 91 रन बनाए थे। इसके बाद ऑस्ट्रेलिया आकर भी वह प्रधानमंत्री एकादश के खिलाफ अभ्यास मैच में केवल 3 रन ही बना पाये।

वहीं दूसरा टेस्ट दिन का होने के कारण इसमें गुलाबी गेंद इस्तेमाल होती है। ये गेंद आमतौर पर

लाल गेंद से अधिक स्विंग करती है। ऐसे में तेज गेंदबाजों को खेलना अधिक कठिन होता है। ऐसे में बल्लेबाजों को अधिक धैर्य दिखाने की जरूरत होती है जबकि रोहित आक्रामक शैली में बल्लेबाजी करते हैं। इसलिए उनके लिए हालात के अनुसार ढ़लना कठिन रहेगा। गुलाबी गेंद वाले मैच में शुरुआत में आक्रमण करना बल्लेबाज के लिए मुश्किल होता है, उसपर अगर बल्लेबाज फॉर्म में नहीं है तब तो स्थिति और भी खराब हो जाती है। रोहित बल्लेबाजी क्रम में थोड़ा नीचे आयेंगे तो वह अपने को थोड़ा समय दे पाएंगे।

वहीं केएल राहुल ने पर्थ टेस्ट में अच्छी शुरुआत की थी जिससे रोहित के पास अवसर है कि वह पारी की शुरुआत की जिम्मेदारी राहुल पर छोड़ सकते हैं। पूर्व बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा ने भी पहले टेस्ट के बाद कहा था कि सलामी जोड़ी को बनाये रखा जाना चाहिये। इसके अलावा एक अन्य कारण ये है कि

रोहित 5वें या छठे नंबर पर नहीं, शीर्ष क्रम पर ही उतरेंगे : हरभजन

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व स्पिनर हरभजन सिंह ने कहा है कि कप्तान रोहित शर्मा ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एडिलेड टेस्ट में 5वें या छठे नंबर पर नहीं उतरेंगे। हरभजन के अनुसार रोहित जैसे अनुभवी खिलाड़ी के लिए इस क्रम पर आना टीम के लिए लाभदायक नहीं रहेगा। ऐसे में वे या तो पारी की शुरुआत करेंगे या फिर तीसरे नंबर पर उतरेंगे। रोहित पहले टेस्ट से बाहर थे। ऐसे में केएल राहुल और यशस्वी जायसवाल ने पर्थ टेस्ट में पारी की शुरुआत करते हुए अच्छा प्रदर्शन किया था। इस जोड़ी ने दूसरी पारी में पहले विकेट के लिए रिकॉर्ड 201 रन जोड़े थे। इसके बाद से ही कई पूर्व खिलाड़ियों ने कहा है कि सलामी जोड़ी को तोड़ना ठीक नहीं होगा और रोहित किसी और क्रम पर उतरें। इसी को लेकर हरभजन ने कहा कि मुझे नहीं लगता कि रोहित 5वें या छठे नंबर पर आएंगे। वह यशस्वी के साथ पारी की आगाज करेंगे और राहुल तीसरे नंबर पर आएंगे या फिर वह तीसरे नंबर पर उतरेंगे। उन्होंने कहा कि रोहित के लिए बल्लेबाजी में छठा क्रम टीम के हित में नहीं होगा। बल्लेबाजी क्रम में आपके शीर्ष 4 खिलाड़ी 4 स्तंभ होने चाहिए और रोहित जैसे किसी खिलाड़ी के शीर्ष पर होने से टीम को और भी मजबूती मिलेगी। 5 मैचों की बॉर्डर गावस्कर सीरीज का दूसरा टेस्ट शुक्रवार से एडिलेड ओवल में शुरू होगा। यह दिन रात्रि टेस्ट होने के कारण गुलाबी गेंद से खेला जाएगा , ऐसे में इस मैच में बल्लेबाजों की कठिन परीक्षा होगी।

बुमराह की गिनती महानतम खिलाड़ियों में होगी : हेड

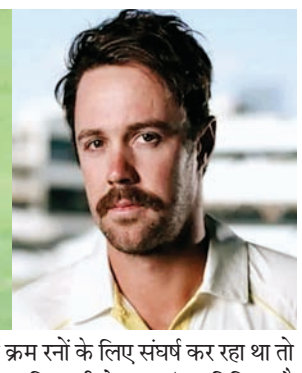

एजेंसी ■ एडिलेड

ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज ट्रैविस हेड ने भारतीय टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि आने वाले समय में उनकी गिनती महानतम खिलाड़ियों में होगी। बुमराह ने बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के पर्थ में खेले गए पहले टेस्ट मैच में बेहतरीन प्रदर्शन कर भारतीय टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई थी।

हेड ने कहा, 'बुमराह को इस खेल को खेलने वाले सबसे महान तेज गेंदबाजों में से एक के रूप में जाना जाएगा। अभी हम यह पता लगाने का प्रयास कर रहे हैं कि वह हमारे लिए किस प्रकार की चुनौती पेश करते हैं। उसके खिलाफ खेलना अच्छा है। जब मैं भविष्य में अपने करियर पर नजर डालूंगा तो बड़े गर्व से अपने पोते पोतियों को बताऊंगा कि मैंने बुमराह जैसे गेंदबाज का सामना किया था। इसलिए उनके खिलाफ खेलना नुकसानदेह नहीं है। उम्मीद है मुझे आगे भी उनके खिलाफ खेलने का अवसर मिलेगा हालांकि उनका सामना करना चुनौती पूर्ण है।

हेड भारत के खिलाफ पर्थ में अर्धशतक बनाने वाले अकेले ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज थे जब बुमराह के सामने शीर्ष क्रम रनों के लिए संघर्ष कर रहा था तो वह जमे रहे। इस खिलाड़ी ने कहा, 'यह निश्चित है कि अन्य खिलाड़ी इसके बाद भी मुझसे बल्लेबाजी की सलाह नहीं लेंगे क्योंकि प्रत्येक खिलाड़ी के खेलने का अपना तरीका होता है। दोनों टीमें अब शुक्रवार से एडिलेड में दिन-रात का टेस्ट खेलेंगी जहां भारतीय टीम साल 2020 में 36 रन पर आउट हो गयी थी। हेड ने उस मैच को याद करते हुए कहा, 'मुझे याद है कि वह मैच जल्दी समाप्त हो गया था। हमने उस मैच का भरपूर आनंद लिया था। फिर से ऐसा करना अच्छा होगा पर मुझे नहीं लगता कि अगले मैच में ऐसा करना आसानप होगा। हेड ने ये भी कहा कि टीम की बल्लेबाजी और गेंदबाजी इकाई के बीच किसी तरह का मतभेद नहीं है जिससें उन्होंने कहा था कि दोनो विभागों को पूरी क्षमता और जिम्मेदारी से प्रदर्शन करना होगा। हेड को पूरा विश्वास है कि पहले टेस्ट में करारी हार के बावजूद उनकी टीम वापसी करने में सफल रहेगी। उन्होंने कहा, 'हमारी टीम विपरीत हालातों से अच्छी तरह से निपटती है। पिछले तीन या चार वर्षों में हमने हर चुनौती का अच्छी तरह से सामना करते हुए वापसी की है।।

ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज स्मिथ अभ्यास के दौरान चोटिल हुए

भारतीय क्रिकेट टीम के खिलाफ होने वाले दूसरे किकेट टेस्ट मैच से पहले ऑस्ट्रेलियाई टीम खिलाड़ियों के चोटिल होने से परेशान है। ऑलराउंडर मिचेल मार्श और तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड के बाद अब बल्लेबाज स्टीव स्मिथ भी अभ्यास सत्र के दौरान चोटिल हो गये। स्मिथ जैसे अनुभवी बल्लेबाज का चोटिल होना टीम के लिए करार झटका है। पहला टेस्ट पर्थ में खेला गया जिसे भारतीय टीम ने जीत लिया। इसके बाद अब दूसरा टेस्ट 6 दिसंबर से एडिलेड में खेला जाएगा। प्राप्त जानकारी के अनुसार स्मिथ साथी बल्लेबाज मार्नस लाबुशेन से थ्रोडाउन का अभ्यास कर रहे थे तभी उनके दाहिने अंगूठे में चोट लग गई। इसपर स्मिथ ने बल्लेबाजी रोक दी और दर्द से कराहते नजर आए। इसके बाद उन्होंने लाबुशेन से बात की। ऑस्ट्रेलिया के मेडिकल स्टाफ के एक सदस्य ने आकर स्मिथ के अंगूठे की जांच की। फिर वह नेट से बाहर चले गए। हालांकि, कुछ ही समय बाद स्मिथ ने दूसरे नेट पर बल्लेबाजी शुरू कर दी और ऐसा नहीं लगा कि वह अधिक दर्द में हैं। ऐसे में ये संभव है कि ऑस्ट्रेलियाई टीम दूसरे टेस्ट से पहले उनकी चोट का आंकलन करने के बाद उनके खेलने पर फैसला करे। स्मिथ पर्थ में पहली पारी में शून्य पर ही आउट हो गये थे जबकि दूसरी पारी में वह 17 रन ही बना पाये थे। अब दोनों टीमों के बीच गुलाबी गेंद से दूसरा टेस्ट खेला जाएगा।

ईशान की कमी खलेगी : हार्दिक

पता था नीलामी में हासिल नहीं कर पायेंगे

एजेंसी ■ मुंबई

मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पंड्या ने युवा विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन की प्रशंसा करते हुए कहा है कि उसके पास किस प्रकार का कौशल है।हम जानते हैइसलिए इस सत्र में हमें उसकी कमी खलेगी । पंड्या ने कहा कि जब हम उसे रिटेन नहीं कर पाये तभी समझ गये थे कि अब उसे हासिल करना संभव नहीं होगा। ईशान को आईपीएल 2025 के लिए हुई नीलामी में सनराइजर्स हैदराबाद ने 11.25 करोड़ रुपए में खरीदा है। मुंबई इंडियंस ने 3.20 करोड़ रुपये के बाद ईशान पर बोली लगाना बंद कर दिया था। किशन का आधार मूल्य दो करोड़ रुपये था। मुंबई इंडियंस के एक वीडियो में पंड्या ने ईशान को टीम की ताजगी और ऊर्जा बताया है। साथ ही कहा कि जब हम उसे रिटेन नहीं कर पाए तो हमें हमेशा पता था कि उसे नीलामी में फिर से प्राप्त करना कठिन होगा क्योंकि हम जानते थे कि वह किस तरह का खिलाड़ी है और उसके पास किस तरह का कौशल है। उसके टीम के साथ छह साल जुड़े रहने के दौरान ही मुंबई ने 2018-24 के बीच दो बार खिताब जीता। पंड्या ने कहा कि वह हमेशा ड्रेसिंग रूम को उत्साहित बनाये रखता था। यह प्यार और गर्मजोशी उसके लिए बहुत स्वाभाविक थी, हमें उसकी कमी खलेगी।

आईपीएल 2025 नीलामी में अच्छी टीम मिली

मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पांड्या ने कहा कि है कहा है कि 2025 आईपीएल सत्र के लिए जो टीम नीलामी के बाद उन्हें मिली है वह अच्छी है। साथ ही कहा कि वह ऐसी ही टीम चाहते थे। पांड्या के अनुसार नीलामी में वह जिन खिलाड़ियों को चाहते थे, उनके बारे में कोचिंग स्टाफ के साथ संपर्क में भी बने हुए थे। आईपीएल नीलामी में मुम्बई ने दीपक चाहर, नमन धीर, रॉबिन मिंज, कर्ण शर्मा, राज अंगद बावा जैसे भारतीय खिलाड़ियों के अलावा ट्रेंट बोल्ट, विल जैक्स, रयान रिकलेटन, मिशेल सेंटनर, लिजाद विलियम्स और रीस टॉपले जैसे अनुभवी विदेशी खिलाड़ियों को भी शामिल किया है। इसके अलावा गजनफर, बेवॉन जैकब्स, विग्नेश पुथुर और वेंकट सत्यनारायण राजू जैसे कम प्रसिद्ध खिलाड़ियों को भी शामिल किया गया है। हार्दिक ने सोशल मीडिया पर जारी एक वीडियो में कहा, मैं संपर्क में था, हम वास्तव में किसके लिए जा रहे हैं और मुझे लगता है कि हम नीलामी से काफी अच्छे निकले हैं और टीम अच्छी दिख रही है। हमने सही मिश्रण पाया है, जिसमें अनुभवी खिलाड़ी हैं। बोल्ट वापस आ गए हैं, दीपक चाहर, अच्छा ऑलराउंडर हैं, और साथ ही विल जैक्स, रॉबिन मिंज और रिकेल्टन जैसे युवा खिलाड़ी, जो नए हैं। इसलिए मुझे लगता है कि हमने काफी अच्छा प्रदर्शन किया है। हमने सभी आधारों को कवर किया है। उन्होंने कहा, नीलामी की गतिशीलता हमेशा मुश्किल होती है। आप जानते हैं कि जब आप इसे लाइव देख रहे होते हैं, तो यह बहुत रोमांचक होता है और भावनाएं हमेशा ऊपर-नीचे होती रहती हैं क्योंकि आप इस खिलाड़ी को चाहते हैं लेकिन कभी-कभी आप हार जाते हैं। बहुत भावुक न होना बहुत महत्वपूर्ण है, और अंत में हमें एक पूरी टीम बनानी होगी।

खेलो इंडिया योजना : 2781 खिलाड़ियों की पहचान की गयी : मांडविया

एजेंसी ■ नई दिल्ली

खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने कहा है कि खेलो इंडिया योजना के तहत पैरा एथलेटिक्स सहित 21 खेलों के 2781 खिलाड़ियों की पहचान की है और उन्हें खेलो इंडिया प्रतिभा विकास कार्यक्रम के हिस्से के रूप में आवश्यक सहायता प्रदान की जा रही है। मांडविया ने कहा, ''खेलो इंडिया योजना विशिष्ट दिशानिर्देशों और मानदंडों के आधार पर पैरा एथलेटिक्स सहित 21 खेलों में खिलाड़ियों का समर्थन करके अपने खेलो इंडिया प्रतिभा विकास कार्यक्रम के माध्यम से प्रतिभा की पहचान करती है और उन्हें निखारती है।'' उन्होंने कहा, ''आज तक योजना के तहत 2781 खेलो इंडिया खिलाड़ियों (केआईए) की पहचान की गई है जिन्हें कोचिंग, उपकरण, चिकित्सा देखभाल और मासिक आउट ऑफ पॉकेट भत्ता (ओपीए) के माध्यम से सहायता प्रदान की जाती है।'' केआईए के रूप में पहचाने जाने वाले खिलाड़ी भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) के तहत राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्रों के साथ-साथ अन्य मान्यता प्राप्त अकादमियों में प्रशिक्षण ले रहे हैं। मांडविया ने कहा कि यह कार्यक्रम भारत के खेल प्रतिभा पूल को मजबूत कर रहा है और वैश्विक मंच पर देश की बढ़ती सफलता में योगदान दे रहा है। मंत्री ने खेलो इंडिया खिलाड़ियों का ब्योरा भी दिया जिन्होंने 2022 हांगझोउ एशियाई खेलों और पेरिस ओलंपिक में भाग लिया और देश को गौरव दिलाया। उन्होंने कहा, ''चीन के हांगझोउ में 2022 एशियाई खेलों में 644 भारतीय खिलाड़ियों में से 124 केआईए थे और उन्होंने नौ स्वर्ण पदक सहित भारत के 106 पदक में से 42 जीतकर महत्वपूर्ण योगदान दिया।''

योगेश्वर ने विनेश और बजरंग पर निशाना साधा

सोनीपत। पहलवान योगेश्वर दत्त ने विनेश फोगाट और बजरंग पूनिया पर निशान साधते हुए कहा है कि वे खेल का राजनीतिकरण न करें। वहीं नाडा के पहलवान बजरंग पूनिया को चार साल के लिए निलंबित करने के फैसले पर उन्होंने कहा कि डोप टेस्ट नहीं देने के लिए ही बजरंग पर कार्रवाई हुई है। डोप में फंसने पर भी यही कार्रवाई होती है। बजरंग ने डोप टेस्ट के लिए नमूना नहीं दिया, इसलिए कानून के दायरे में ही ये कार्रवाई हुई है। इसपर कोई सवाल नहीं उठा सकता। वहीं हरियाणा सरकार के खेल राज्य मंत्री गौरव गौतम ने बजरंग लेकर कहा कि नाडा कानून के हिसाब से काम करती है। इस पर राजनीति नहीं होनी चाहिए। कांग्रेस अपनी खेल नीति का आंकलन करे और फिर भाजपा की खेल नीति पर सवाल उठाए। साल 2013 से पहले क्या नीति थी और अब क्या नीति है। हरियाणा के खिलाड़ियों के लिए सरकार अच्छा काम कर रही है, हमें उम्मीद है कि हरियाणा के खिलाड़ी आगे भी अच्छे पदक लेकर आएंगे।

सिंधु 22 दिसंबर को शादी के बंधन में बंधेंगी

एजेंसी ■ नई दिल्ली

दो बार की ओलंपिक पदक विजेता बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु 22 दिसंबर को उदयपुर में शादी के बंधन में बंधेंगी। सिंधु की शादी पोसाइडेक्स टेक्नोलॉजीस में कार्यकारी निदेशक वेंकट दत्ता साई से होने जा रही है। सिंधु के पिता पीवी रमना ने बताया कि दोनों परिवार एक-दूसरे को काफी समय से जानते थे पर एक महीने पहले ही रिश्ता तय हुआ है क्योंकि जनवरी से सिंधु का कार्यक्रम काफी व्यस्त रहने वाला है। उन्होंने कहा कि यही कारण है कि दोनों परिवारों ने 22 दिसंबर को शादी समारोह आयोजित करने का फैसला किया। वहीं 24 दिसंबर को रिसेप्सन होगा। इसके बाद वह जल्द ही अपनी ट्रेनिंग शुरू कर देंगी क्योंकि अगला सत्र काफी अहम रहेगा। इनकी शादी के कार्यक्रम 20 दिसंबर से शुरू होंगे। सिंधु को भारत की सबसे बेहतर खिलाड़ियों में से एक हैं उन्होंने साल 2019 में स्वर्ण सहित विश्व चैंपियनशिप में पांच पदक जीते हैं। इसके अलावा उन्होंने ओलंपिक खेलों में रजत और कांस्य पदक भी जीता है। सिंधु ने रियो ओलंपिक 2016 और टोक्यो ओलंपिक में 2020 में लगातार पदक जीते और 2017 में करियर की सर्वश्रेष्ठ विश्व रैंकिंग नंबर दो हासिल की।

सिंधु का जन्म 5 जुलाई 1995 को हुआ। उनके माता-पिता वॉलीबॉल खिलाड़ी थे पर सिंधु ने बैडमिंटन खेलना शुरु किया । जब वह 8 साल की थी तो उन्होंने पुलेला गोपीचंद से प्रभावित होकर बैडमिंटन को अपना करियर चुना। 2010 में सिंधु ने जूनियर विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप में अपने करियर की शुरूआत की। उसने कवार्टर फाइनल में पहुंच कर अपनी पहचान और भी मजबूत कर ली। इसके साथ ही सिंधु ने सीनियर टीम में अपनी जगह बना ली। ये अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सिंधू का पहला कदम था। 2013 में सिंधू ने मलेशिया ओपन का खिताब जीता और वो सुर्खियों में आ गई। उसी साल विश्व चैंपियनशिप में पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला खिलाड़ी बनीं। साल के अंत में मकाउ ओपन का खिताब जीता। इसके बाद से ही इस खिलाड़ी ने पीछे मुड़कर नहीं देखा।

वेस्टइंडीज ने ग्रीव्स और आमिर को बांग्लादेश के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज के लिए टीम में शामिल किया

एजेंसी ■ सेंट जॉन्स

वेस्टइंडीज ने ऑलराउंडर जस्टिन ग्रीव्स और अनकैप्ड कीपर-बल्लेबाज आमिर जंगू को इसी माह 8 दिसंबर से बांग्लादेश के खिलाफ शुरू होने वाली तीन मैचों की घरेलू एकदिवसीय सीरीज के लिए अपनी टीम में शामिल किया है। वहीं स्पिनर हेडन वॉल्श जूनियर और युवा बल्लेबाज ज्वेल एंड्रयू को टीम से बाहर कर दिया है हालांकि इन दोनो ने घरेलू मैदान पर इंग्लैंड को 2-1 से हराया था। वहीं टीम में शामिल ग्रीव्स के पांच मैचों में 133.66 की औसत से तीन शतकों के साथ 401 रन और जंगू के सात मैचों में 89.20 की औसत से एक शतक और तीन अर्द्धशतकों के साथ 446 रन है। इन दोनों ने वेस्टइंडीज में घरेलू क्रिकेट में अच्छे प्रदर्शन के बल पर टीम में जगह बनाई है। हाल ही में सुपर50 एकदिवसीस टूर्नामेंट में दोनों ने सबसे ज्यादा रन बनाये थे।

ग्रीव्स ने वेस्टइंडीज के लिए तीन टेस्ट और पांच एकदिवसीय मैच खेले हैं जबकि आमिर ने अभी तक अपना अंतरराष्ट्रीय डेब्यू नहीं किया है। अनुभवी शाई होप एक बार फिर ब्रैंडन किंग के साथ सीरीज के दौरान वेस्टइंडीज की कप्तानी करेंगे, जबकि अल्जारी जोसेफ, शमर जोसेफ और जेडन सील्स तेज गेंदबाजी आक्रमण की कमान संभालेंगे। वेस्टइंडीज के कोच डैरेन सैमी को भी इस सीरीज से काफी उम्मीदें है। उनका कहना है कि टीम चयन दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया में होने वाले आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप 2027 को लेकर किया गया है। सैमी ने कहा, हम आईसीसी पुरुष 50 ओवर के विश्व कप को लेकिर अपनी तैयारियां कर रहे हैं, इसी कारण से हम सीरीज जीतने के साथ ही खिलाड़ियों के पूल को व्यापक बनाना चाहते हैं, खासकर घरेलू मैदान पर। हाल ही में इंग्लैंड के खिलाफ जीत से भी हमारी उम्मीदें बढ़ी हैं।

वेस्टइंडीज की टीम

शाई होप (कप्तान), ब्रैंडन किंग (उपकप्तान), कीसी कार्टी, रोस्टन चेस, मैथ्यू फोर्ड, जस्टिन ग्रीव्स, शिमरॉन हेटमायर, आमिर जंगू (विकेट कीपर), अल्जारी जोसेफ, शमर जोसेफ, एविन लुईस, गुडाकेश मोटी, शेरफेन रदरफोर्ड, जेडन सील्स, रोमारियो शेफर्ड

जोकोविच ने इस कारण बनाया मर्रे को अपना नया कोच

ब्यूनस आयर्स। अर्जेंटीना के स्टार खिलाड़ी जुआन मार्टिन डेल पोत्रो के लिए विदाई मैच को खेलने आये सर्बियाई टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने ब्रिटेन के शीर्ष खिलाड़ी एंडी मर्रे को अपना नया कोच बनाया है। जोकोविच के अनुसार वह मर्रे को अच्छी तरह से जानते हैं। इसलिए उन्होंने उसे अपना कोच बनाया है। जोकोविच ने कहा है कि जनवरी में ऑस्ट्रेलियाई ओपन के लिए वह मर्रे के साथ ही अभ्यास करेंगे। मार्च में गोरान इवानिसेविच से अलग होने के बाद से पूर्णकालिक कोच के बिना खेल रहे जोकोविच ने कहा, 'वह मेरे खेल और जिन परिस्थितियों से मैं गुजरा हूं उन्हें अच्छी तरह से समझता है। वह जानता है कि मेरे खेल में क्या कमजोरियां हैं। जोकोविच ने कहा, 'जब मैं जूनियर वर्ग में खेला करता था तब से मैंने उनके खिलाफ काफी टेनिस खेली है और ऐसे बहुत कम खिलाड़ी हैं जिन्होंने कई ग्रैंड स्लैम खिताब जीते हैं। उन्होंने टेनिस इतिहास में किसी भी अन्य खिलाड़ी की तुलना में नंबर एक पर सबसे अधिक सप्ताह बिताए हैं। मर्रे ने तीन ग्रैंड स्लैम खिताब और दो ओलंपिक एकल स्वर्ण पदक जीते। वह 2016 में एटीपी रैंकिंग में शीर्ष पर रहे। उन्होंने अगस्त में पेरिस ओलंपिक के बाद संन्यास ले लिया था। मर्रे और जोकोविच दोनों की उम्र भी तकरीबन 37 वर्ष के है। वे जूनियर वर्ग से एक दूसरे के खिलाफ खेलते रहे हैं। पेशेवर खिलाड़ी के रूप में इन दोनों ने एक दूसरे के खिलाफ 36 मैच खेले जिनमें जोकोविच ने 25 और मर्रे ने 11 मैच में जीत दर्ज की।

जब भी अवसर मिला दिव्यांगजनों ने अपनी प्रतिभा का परिचय दिया

विश्व दिव्यांग दिवसः सीएम योगी बोले-कॉलेज की संख्या बढ़ाई जाएगी, मेधावी छात्र-छात्राएं सम्मानित, वितरित किए राज्य स्तरीय पुरस्कार

- पढ़ाने वाले शिक्षकों को अधिक सुविधाएं और मानदेय मिलना चाहिए
- आज 21 शिक्षकों को राज्य शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित किया गया
- आप काम करेंगे तो रिजल्ट अपने आप आपकी काबिलियत बताएगा

सत्ता सुधार ■ लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि दिव्यांगजनों को जब भी अवसर मिला उन्होंने अपनी प्रतिभा का परिचय दिया है। ऋषि अष्टावक्र, मध्यकालीन संत सुकरात, वैज्ञानिक स्टीफन हॉकिंग और जगतगुरु स्वामी रामभद्राचार्य इसके उदाहरण हैं। चीन में संपन्न हुए पैरा एशियाई खेलों को ही देखें तो हमारे पैरा खिलाड़ियों ने 111 मेडल जीते हैं। सामान्य नागरिक की तुलना में दिव्यांगजनों का प्रदर्शन हमेशा बेहतरीन रहता है। योगी ने कहा कि पीएम मोदी ने दुनियाभर के दिव्यांगजनों को सम्मान देने के लिए उन्हें विकलांग की जगह एक नया शब्द दिव्यांग दिया। सीएम योगी ने डॉ. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विवि के अटल ऑडिटोरियम में आयोजित विश्व दिव्यांग दिवस के कार्यक्रम को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने 2016 में दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम देश में लागू किया था। उसी कड़ी में राज्य सरकार के द्वारा भी इस अधिनियम को पूर्ण रूप से अंगीकार किया गया।

हम दे रहे 1000 पेंशन

सीएम ने कहा कि हमारी सरकार ने दिव्यांगजन कल्याण से जुड़ी हुई योजनाओं की धनराशि में वृद्धि की है। पहले दिव्यांगजनों को 300 रुपए प्रतिमाह पेंशन की सुविधा मिलती थी। वर्तमान में इसे बढ़ाकर हमने 1000 रुपए मासिक कर दिया है। आज प्रदेश के लगभग 10 लाख दिव्यांगजन इस सुविधा का लाभ प्राप्त कर रहे हैं।

दिव्यांगों के लिए 312 करोड़- सीएम योगी ने कहा कि 2016-17 के बजट में प्रदेश के दिव्यांगजनों के कल्याण के लिए मात्र 312 करोड़ रुपए का प्रावधान था। वर्तमान में हमारी सरकार ने इसे बढ़ाकर 1120 करोड़ रुपए कर दिया है। कुष्ठ रोग से जो ग्रसित दिव्यांगजनों को पहले ढाई हजार रुपए की पेंशन मिलती थी। इसे बढ़ाकर हमने तीन हजार रुपए कर दिया है।

यूपी में दिव्यांगजनों के लिए दो विवि

सीएम ने कहा कि मानसिक दिव्यांगजन के लिए पूरे प्रदेश में पहले मेरठ, बरेली और गोरखपुर को मिलाकर कुल तीन राजकीय आश्रय गृह थे। वर्तमान में हमारी सरकार ने 6 नवीन केंद्रों की स्थापना की कार्रवाई को आगे बढ़ाया है। दिव्यांगजनों को उच्च शिक्षा और तकनीकी शिक्षा में अधिक से अधिक अवसर उपलब्ध कराने के लिए डॉक्टर शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विवि के संचालन के साथ ही साथ प्रभु श्रीराम की पावन तपो भूमि चित्रकूट में भी जगतगुरु दिव्यांग विवि को राज्य विवि के रूप में मान्यता दी जा चुकी है। यूपी देश का पहला राज्य है, जहां दिव्यांगजनों के लिए दो विवि संचालित हैं।

राज्य स्तरीय पुरस्कार का किया वितरण

सीएम योगी ने सामाजिक संस्थाओं एवं विशेष विद्यालयों द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। साथ ही उन्होंने दिव्यांगजन सशक्तीकरण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यक्तियों/संस्थाओं, नियोक्ताओं, सर्वश्रेष्ठ दिव्यांग कर्मचारियों को राज्य स्तरीय पुरस्कार से पुरस्कृत किया। इसके अलावा सीएम योगी ने कार्यक्रम में दिव्यांगजन को कृत्रिम अंग व सहायक उपकरण भी वितरित किए। साथ ही उन्होंने विशेष विद्यालयों के मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया।

शादी भी करवा रही सरकार

वर्ष 2022-23 में 305000 दिव्यांगजनों को कृत्रिम अंग उपकरण वितरण की कार्रवाई को सफलतापूर्वक आगे बढ़ाया गया है। साथ ही प्रदेश की सभी 80 लोकसभा क्षेत्रों में 8000 मोटराइज्ड ट्राई साइकिल का वितरण किया गया है। दिव्यांगजनों की यात्रा के लिए राज्य सरकार प्रतिवर्ष 40 करोड़ रुपए परिवहन विभाग को दे रही है। साथ ही 4342 दिव्यांगजनों को शादी प्रोत्साहन की राशि उपलब्ध करवाई गई है।

वैज्ञानिक को याद कीजिए...

सीएम ने कहा कि राष्ट्रीय अधिवक्ता दिवस भी है। देश के प्रथम राष्ट्रपति डॉ राजेंद्र प्रसाद की जयंती भी है। वह स्वतंत्रता संग्राम सेनानी भी थे, देश की संविधान सभा के अध्यक्ष भी थे। दिव्यंगता एक शारीरिक कम मानसिक स्थिति मानी जाती है। उन्होंने ऋषि अष्टावक्र और सूरदास को याद करते हुए कहा कि उनके बिना श्री कृष्ण कथा पूरी हो सकती है क्या? दुनिया को फिजिक्स की नई थ्योरी देने वाले वैज्ञानिक को याद कीजिए। याद कीजिए स्वामी रामभद्राचार्य को।

ब्रीफ न्यूज

मंत्री शरण बोले- हिंदुस्तान में रहना है तो राधे राधे कहना है...

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के अमेठी में राज्यमंत्री मयंकेश्वर शरण सिंह ने एक कार्यक्रम में विवादित बयान दिया है। उन्होंने रामकथा के मंच से कहा कि हिंदुस्तान में रहना है तो राधे राधे कहना है। किसी ने इसका वीडियो बना लिया। वीडियो सोशल मीडिया पर पोस्ट किया तो यह वायरल हो गया। अब लोग इस पर अपने-अपने तरीके से प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं। राज्यमंत्री मयंकेश्वर शरण सिंह रामकथा में पहुंचे थे। वह मंच से लोगों को संबोधित कर रहे थे। इसी बीच उन्होंने कह दिया कि हिंदुस्तान में रहना है तो राधे राधे कहना है। इस दौरान मंच पर उनके साथ उनके बेटे मौजूद थे। मयंकेश्वर शरण सिंह जिले की तिलोई विधानसभा से भाजपा के विधायक हैं। सूबे के राज्यमंत्री हैं।

गजरौला में दुपट्टे से गला घोट किशोरी की हत्या

अमरोहा। मौसेरे भाई की बेटी के नामकरण से लौटी 16 वर्षीय किशोरी की घर में ही दुपट्टे से गला घोटकर हत्या कर दी गई। उसका शव कमरे में पड़ा मिला। एसपी, एएसपी समेत आला अधिकारियों ने मुआयना कर जांच की। फॉरेंसिक टीम ने साक्ष्य जुटाए। परिजनों ने गांव के ही दो युवकों पर हत्या का आरोप लगाया। पुलिस ने एक आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। पुलिस की जांच में मामला प्रेम प्रसंग से जुड़ा होने की बात सामने आई है। यह घटना गजरौला थानाक्षेत्र के गांव में हुई। यहां पर मजदूर का परिवार रहता है। उनके परिवार में पत्नी के अलावा तीन बेटे और दो बेटियां हैं। वह अपनी पत्नी के साथ राजस्थान के दादरी में मजदूरी करता है। पांच दिन पहले ही दोनों राजस्थान गए थे। गांव में ही किशोरी की मौसी रहती हैं। सोमवार की रात किशोरी के मौसेरे भाई की बेटी का नामकरण कार्यक्रम था। जिसमें शामिल होने के लिए किशोरी अपने बहन-भाइयों के साथ गई थी। रात एक बजे परिवार और रिश्तेदारों ने डीजे पर डांस किया। इसके बाद किशोरी अपनी बड़ी बहन से साथ घर चली गई।

केंद्र ने हस्तक्षेप नहीं किया तो पाकिस्तान की तरह बांग्लादेश में भी साफ हो जाएंगे हिंदू

- राम मंदिर के मुख्य पुजारी बोले-हमें नहीं पता, वहां अब तक कितने हिंदुओं को मारा जा चुका
- चंपत राय ने कहा- हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार पर सीधा हस्तक्षेप करे मोदी सरकार

सत्ता सुधार ■ अयोध्या

रामजन्मभूमि मंदिर के मुख्य पुजारी आचार्य सत्येंद्र दास ने बांग्लादेश में हिंदू संत चिन्मय कृष्ण प्रभु के वकील पर हुए हमले को बेहद डरावना बताया है। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश में हिंदू बिल्कुल भी सुरक्षित नहीं है। हमें नहीं पता है कि वहां अब तक कितने हिंदुओं को मारा जा चुका है। उन्होंने कहा कि भारत सरकार को हिंदुओं की सुरक्षा के लिए हस्तक्षेप करना चाहिए। अगर ऐसा नहीं किया गया तो पाकिस्तान की तरह बांग्लादेश से भी हिंदुओं का सफाया हो जाएगा। इस्कॉन कोलकाता के प्रवक्ता राधारमण दास ने सोमवार को दावा किया कि बांग्लादेश में हिंदू समुदाय के प्रमुख

चेहरे चिन्मय कृष्ण दास प्रभु का बचाव करने वाले वकील रामेन रॉय पर क्रूरतापूर्वक हमला किया गया है। वह हमले में गंभीर रूप से घायल हुए हैं और अस्पताल में अपने जीवन के लिए लड़ रहे हैं। दास ने कहा कि वकील रॉय की एकमात्र गलती अदालत में चिन्मय प्रभु का बचाव करना था। गौरतलब है कि बांग्लादेश सम्मिलिता सनातनी जागरण जोत के प्रवक्ता चिन्मय कृष्ण दास प्रभु को बीते सोमवार को ढाका के हजरत शाहजलाल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से गिरफ्तार किया गया था। वह एक रैली में भाग लेने के लिए चटोग्राम जा रहे थे। गिरफ्तारी के बाद बांग्लादेश की एक अदालत ने उन्हें जमानत देने से इनकार करते हुए जेल भेज दिया।

आरएसएस ने निकाली जनाक्रोश रैली

इधर, बांग्लादेश में हिंदुओं के उत्पीड़न के विरोध में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के आनुषंगिक संगठनों के पदाधिकारी और सदस्य सड़क पर उतर आए और जन आक्रोश रैली निकाली। यह रैली मंगलवार को अयोध्या के ऐतिहासिक गुलाबबाड़ी मैदान से निकली और शहर के विभिन्न मार्गों से होते हुए गांधी पार्क के लिए रवाना हुई। रैली में श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय भी शामिल हुए। उन्होंने अपने संबोधन में केंद्र की मोदी सरकार से बांग्लादेश के प्रकरण में सीधा हस्तक्षेप करने की मांग की। रैली में बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए थे। इसे लेकर प्रशासन ने पहले से ही सुरक्षा के प्रबंध कर लिए थे और बड़ी संख्या में फोर्स तैनात कर दिया था।

गैस एजेंसी से चोरी गए 190 सिलिंडर के साथ दो लुटेरे गिरफ्तार

जौनपुर। जौनपुर जिले में मीरगंज पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने 19 नवंबर को जनार्दन इण्डेन ग्रामीण वितरक एजेंसी सेमरी से चोरी हुए 190 सिलिंडर के साथ दो लुटेरों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। मीरगंज थाना के सेमरी गांव स्थित जनार्दन इण्डेन ग्रामीण वितरक एजेंसी पर 19 नवंबर की रात पहुंचे लुटेरों ने चौकीदार को बंधक बनाकर 141 सिलिंडर और दो पिकअप उठा ले गए थे। दूसरे दिन दोनों पिकअप प्रयागराज जनपद मे बरौत के पास लावारिस हाल मे मिली थी, लेकिन 141 सिलिंडर नहीं मिले। इधर, संतोष सिंह की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर पुलिस लुटेरों की तलाश में कई जगह दबिश डालती रही। इस बीच सोमवार की रात पुलिस को सफलता हाथ लगी। मुखबिर की सूचना पर थानाध्यक्ष मीरगंज रमेश कुमार, उप निरिक्षण सुनील कुमार यादव, उप निरिक्षक जंघई, चौकी इंचार्ज मुन्नी लाल कन्नौजिया, उप निरिक्षक शमीम खां के साथ मोलनापुर की निर्माणाधीन नहर की पुलिया के पास से दो लुटेरों को पकड़ लिया।

संभल हिंसा के दोषियों को दी जाए फांसी की सजा

संभल हिंसा के विरोध में आसपा ने किया प्रदर्शन, बोले

सत्ता सुधार ■ लखनऊ

संभल हिंसा के विरोध में राजधानी लखनऊ में आजाद समाज पार्टी और भीम आर्मी के कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया और जिलाधिकारी को ज्ञापन देने पहुंचे। प्रदर्शनकारियों ने संभल हिंसा की न्यायिक जांच की मांग की और कहा कि जो भी दोषी हैं उनको फांसी की सजा दी जाए। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि हमारे राष्ट्रीय अध्यक्ष व सांसद चंद्रशेखर आजाद को संभल जाने से रोका जा रहा है। इसका मतलब है कि सरकार कुछ छुपाने का प्रयास कर रही है। आखिर सरकार हम लोगों को वहां पर क्यों नहीं जाने दे रही है? आज हम लोगों ने यहां पर प्रदर्शन किया है। अगर जांच ठीक से नहीं होगी तो हम आगे और बड़ा प्रदर्शन करेंगे। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि देश में लोकतंत्र को कमजोर करने का प्रयास किया जा रहा है। एक ऐसे समय में जब अर्थव्यवस्था कमजोर हो रही है। युवाओं के लिए रोजगार का इंतजाम नहीं किया जा रहा है बल्कि हिंसा हो रही है। हम मांग करते हैं कि मामले की न्यायिक आयोग से जांच करवाई जाए और हिंसा के दोषियों को फांसी की सजा दी जाए।

वाराणसी में मजार पर किया हनुमान चालीसा का पाठ

वाराणसी के यूपी कॉलेज में गूंजा जय श्रीराम, भारी पुलिस फोर्स तैनात

सत्ता सुधार ■ वाराणसी

उदय प्रताप कॉलेज परिसर स्थित मजार के पास छात्रों ने मंगलवार को हनुमान चालीसा का पाठ करने का एलान किया। इसे देखते हुए मौके पर भारी संख्या में पुलिस की तैनाती की गई। मौके पर अपर पुलिस आयुक्त (कानून एवं व्यवस्था) डॉ. एस चनप्पा छात्रों से बात करने पहुंचे। लेकिन, छात्रों ने किसी की एक नहीं मानी। भारी संख्या में जुटे छात्रों ने एक साथ हनुमान चालीसा का पाठ करना शुरू कर दिया। हनुमान चालीसा का पाठ करने पहुंचे छात्रों को काबू करने में पुलिस के भी पसीने छूट गए। छात्रों के

विरोध के बीच पुलिस अधिकारी उन्हे समझाने में जुटे रहे, लेकिन छात्रों की जुबान पर केवल जय श्रीराम का नारा ही रहा। पुलिस के जवानों ने छात्रों को रोका तो उन्होंने विरोध जताते हुए बैरिकेडिंग हटाने की बात कही। इस दौरान पुलिस अधिकारियों द्वारा छात्रों को समझाने का प्रयास जारी रहा। यूपी कॉलेज के छात्र सुबह से ही इकट्ठा होने लगे। उन्होंने हनुमान चालीसा का एलान करने के साथ ही जय श्री राम का नारा लगाना शुरू कर दिया। धीरे- धीरे छात्रों की संख्या सैकड़ों में हो गई। सभी एक सुर में हनुमान चालीसा का पाठ करने लगे।

ट्रिपल पी रुप में विकसित करें वेटरिनरी कॉलेज

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा-बनाएं इंटरनेशनल स्टेडियम-कान्हा उपवन

- पहले चरण के निर्माण पर खर्च होने 277 करोड़ 31 लाख रुपए
- राजा शालिहोत्र की परिकल्पना पर डिजाइन कॉलेज की ड्राइंग

सत्ता सुधार ■ गोरखपुर

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि ताल नदोर में बन रहे वेटरिनरी कॉलेज और यहां प्रस्तावित इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम तथा कान्हा गोशाला को एक पायलट प्रोजेक्ट के रूप में विकसित किया जाए। सरकार की मंशा इस क्षेत्र को विकास का एक नया मॉडल बनाने

की है। सीएम योगी मंगलवार अपराह्न गोरखपुर के ताल नदोर में बन रहे पूर्वी उत्तर प्रदेश के पहले पशु चिकित्सा विज्ञान महाविद्यालय का निरीक्षण कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने पशु चिकित्सा विज्ञान महाविद्यालय की डिजाइन, लेआउट, मॉडल का अवलोकन कर इसके प्रमुख आयामों के बारे में विस्तार से जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने कहा कि ताल नदोर में 80 से 100 एकड़ में प्रस्तावित इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम और 52 एकड़ में नगर निगम की तरफ से बनाए जाने वाले कान्हा गोशाला को भी पायलट प्रोजेक्ट के रूप में एक दायरे में लाया जाए। इस पायलट प्रोजेक्ट से हम यहां कुल ढाई-तीन सौ एकड़ क्षेत्रफल में विकास का शानदार मॉडल बना सकेंगे।

2026 में पूरा होगा निर्माण

लोक निर्माण विभाग के अफसरों ने बताया कि इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम के लिए 106 एकड़ क्षेत्रफल में प्रारंभिक सर्वे का काम किया जा चुका है। इसके अलावा 52 एकड़ में बनने वाले कान्हा गौशाला का निर्माण सीएनडीएस द्वारा कराया जाएगा। इस पर मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी कार्यों को एक दायरे में लाने पर काम किया जाए। वेटरिनरी कॉलेज के निर्माण की प्रगति के बारे में पूछे जाने पर लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों ने उन्हें बताया कि प्रथम चरण का निर्माण मार्च 2026 में पूरा करा लिया जाएगा।

गतिरोध से विकास तक... प्रगति प्लेटफॉर्म और भारत के डिजिटल गवर्नेंस पर ऑक्सफोर्ड के सैद बिजनेस स्कूल केस स्टडी के मुख्य निष्कर्ष

नवाचार से 205 बिलियन डॉलर की 340 परियोजनाओं को मिली संजीवनी

एजेंसी ■ बेंगलूरू

ऑक्सफोर्ड के सैद बिजनेस स्कूल ने मंगलवार को आईआईएम बैंगलोर में जारी अपनी केस स्टडी में बताया है कि किस तरह से भारत का प्रगति प्लेटफॉर्म बड़े बुनियादी ढांचे और सामाजिक विकास परियोजनाओं को लागू करने के तरीके को बदल रहा है। गेट्स फाउंडेशन के सहयोग से किया गया शोध बताता है कि कैसे डिजिटल गवर्नेंस में इस नवाचार ने 205 बिलियन डॉलर की 340 परियोजनाओं को गति देने में मदद की है।

बुनियादी ढांचे में प्रगति का योगदान- 2015 में अपनी शुरुआत के बाद से, प्रगति ने 205 बिलियन डॉलर की 340 परियोजनाओं को गति देने में मदद की है। इसने बुनियादी ढांचे के विकास में अभूतपूर्व सहायता की है जिसमें 50,000 किलोमीटर के नए राष्ट्रीय राजमार्ग और हवाई

अड्डों का दोहरीकरण शामिल है। अध्ययनों से पता चलता है कि बुनियादी ढांचे पर खर्च किए गए प्रत्येक रुपये से सकल घरेलू उत्पाद में 2.5 से 3.5 रुपये का लाभ होता है।

शीर्ष नेतृत्व की भूमिका - प्रगति के मूल में प्रधानमंत्री मोदी की सीधी भागीदारी है। वे आमतौर पर महीने में एक बार राज्य के मुख्य सचिवों और केन्द्रीय मंत्रालय के अधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंस बैठकों के माध्यम से समीक्षा करते हैं। डिजिटल निगरानी उपकरणों के साथ मिलकर इस व्यावहारिक नेतृत्व ने जवाबदेही की एक नई संस्कृति बनाई है। विशिष्ट परियोजनाओं की समीक्षा में प्रधानमंत्री की सक्रिय भागीदारी नौकरशाही के गतिरोध को तोड़ने और कार्यान्वयन में तेजी लाने में मदद करती है।

सामाजिक क्षेत्र में प्रगति की भूमिका

बुनियादी ढांचे से आगे सामाजिक विकास कार्यक्रमों में गति लाने तक प्लेटफॉर्म के प्रभाव का विस्तार हो गया है। प्रगति की देखरेख में पांच वर्षों में नल जल कनेक्शन वाले ग्रामीण घरों की संख्या 17 फीसदी से बढ़कर 79 फीसदी हो गई। प्लेटफॉर्म ने नागरिकों की शिकायतों पर सरकार की जवाबी प्रतिक्रिया के समय को 32 से घटाकर 20 दिन करने में भी मदद की है और स्वच्छ भारत मिशन जैसी पहल का समर्थन किया है।

समस्या की निगरानी और समाधान- प्रगति प्लेटफॉर्म बुनियादी ढांचे में आने वाली बाधाओं का समाधान करने में प्रमुख भूमिका में सामने आया है। इसका अस्तित्व ही समाधान के लिए प्रेरित करता है। अधिकारी अक्सर प्रधानमंत्री की समीक्षा तक पहुंचने से पहले समस्याओं का समाधान कर देते हैं। उसके बाद भी समीक्षा के लिए आने वाली परियोजनाओं में प्रगति का एकीकृत दृष्टिकोण भूमि अधिग्रहण और पर्यावरण मंजूरी जैसे क्षेत्रों में लंबे समय से चले आ रहे गतिरोध को समाप्त करने में मदद करता है।

डिजिटल गवर्नेंस इकोसिस्टम- प्रगति प्लेटफॉर्म एक व्यापक इको सिस्टम के भीतर काम करता है जिसमें बुनियादी ढांचे की योजना के लिए पीएम गति शक्ति और पर्यावरण संबंधी मंजूरी के लिए परिवेश शामिल है। इस एकीकृत स्वरूप ने अनुमोदन की समय-सीमा को बहुत ही नाटकीय ढंग से कम कर दिया है। पर्यावरण संबंधी मंजूरी जिसमें पहले 600 दिन लगते थे, अब 70-75 दिनों में प्राप्त की जा सकती है। यह इको सिस्टम ड्रोन निगरानी और जीआईएस-आधारित मैपिंग सहित आधुनिकतम उपकरणों का उपयोग करता है।

राज्यों में परस्पर सहयोग

प्रगति ने एक तटस्थ प्लेटफॉर्म बनाया है जहां केन्द्र और राज्य सरकारें राजनीतिक संबद्धता की परवाह किए बिना प्रभावी ढंग से एक साथ काम करती हैं। यह प्लेटफॉर्म टीम इंडिया का प्रतीक है -जो पारंपरिक नौकरशाही और राजनीतिक बाधाओं को पार कर भारत के संघीय ढांचे में सहयोग को बढ़ावा देता है। कई राज्यों ने अब प्रगति का अपना संस्करण बना लिया है।

डिजिटल गवर्नेंस के सबक

केस स्टडी में अन्य उभरती अर्थव्यवस्थाओं के लिए महत्वपूर्ण सबक हैं, जैसे कि डिजिटल परिवर्तन को आगे बढ़ाने में उच्च स्तरीय नेतृत्व का महत्व, नियमित समीक्षा तंत्र की अहमियत और विकास को गति देने में एकीकृत प्लेटफार्मों की ताकत। शोध बताता है कि प्रगति का दृष्टिकोण अन्य विकासशील और गरीब देशों को बुनियादी ढांचे और शासन की इसी तरह की चुनौतियों से निपटने में मदद कर सकता है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक गोपाल श्रीवास्तव, द्वारा मेसर्स डीबी कॉर्प लिमिटेड प्लॉट नं.36 इंडस्ट्रियल एरिया चनाटोरिया सागर (म.प्र.) से मुद्रित एवं तिरुपतिपुरम, अशोक विहार कॉलोनी के पीछे तीली वार्ड सागर, से प्रकाशित। स्थानीय संपादक-संजय कुमार गुप्ता*, मोबाईल न. 9424880832
सभी विवादों का न्यायक्षेत्र भोपाल रहेगा। मोबाईल न. 9893126900, 9826384845, ई मेल- sattasudharbpl@gmail.com समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। 0755-4002626, 4939910